@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 16 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 103 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म : अमित शाह

● अमित शाह ने बीडीसी आधारित पीडीएस की शुरुआत की

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता

आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी। गृह मंत्री ने 'अन्नपूर्णा मशीन' का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा। इससे हर पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार का राशन पारदर्शी तरीके से मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज दे रही है। नई व्यवस्था से खाद्य सुरक्षा प्रणाली और मजबूत होगी। सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

फ्रांस के साथ छठा रक्षा संवाद 17 फरवरी को

● हैमर मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर संभव

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बेंगलुरु में फ्रांस के साथ छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में फ्रांस की सशस्त्र बल मंत्री कैथरीन वौत्रिन भी शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा होगी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। बैठक में रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जा सकता है। हैमर मिसाइल के संयुक्त निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों देश भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना में अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती को लेकर घोषणा कर सकते हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति

इमैनुएल मैक्रों कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस के एच125 हेलीकॉप्टर अंतिम असेंबली संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को दोनों रक्षा मंत्री देखेंगे। मंत्रालय के अनुसार भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग दोनों देशों के संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देश नियमित रूप से शक्ति, वरुण और गरुड़ सैन्य अभ्यास करते हैं। कैथरीन वौत्रिन के रक्षा मंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। इससे पहले पांचवां रक्षा संवाद अक्टूबर 2023 में फ्रांस में आयोजित हुआ था।

पश्चिम बंगाल में कटवा स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में लगी आग

बाहर से साजिश की आशंका

पूर्व बर्दवान। पश्चिम बंगाल में पूर्व बर्दवान जिले के कटवा रेलवे स्टेशन पर रविवार तड़के खड़ी अजिमगंज पैसेंजर ट्रेन के एक कोच में लगी भीषण आग लग गई। घटना रविवार सुबह करीब 4:30 बजे की है। प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर खड़ी 53435 अप अजिमगंज पैसेंजर ट्रेन सुबह 6 बजे रवाना होने वाली थी। अचानक एक कोच से धुआं निकलता दिखा और देखते-ही-देखते आग की लपटें पूरे कोच को चपेट में ले लिया। कोच पूरी तरह जलकर राख हो गया। राहत की बात यह रही कि उस समय कोच में कोई यात्री मौजूद नहीं था। रेलवे अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रेन पूरी तरह स्थिर थी और गतिहीन अवस्था में खड़ी थी। ऐसे में चलती ट्रेन में होने वाला शॉर्ट सर्किट यहां संभव नहीं लग रहा। जांच अधिकारियों को संकेत मिले हैं कि आग कोच के अंदर से नहीं, बल्कि बाहर से लगाई गई हो सकती है।

22,864 करोड़ के सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की घोषणा, *प्रधानमंत्री मोदी रखेंगे नींव*

● 'बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।'

एजेंसी
गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को विकासात्मक परियोजनाओं की कई महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने मुख्यमंत्री मुख्यालय लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले माह मार्च में असम दौरे के दौरान महत्वाकांक्षी सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की नींव रखेंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 22,864 करोड़ रुपये है, जो केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए किए गए सबसे बड़े हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर आवंटन में से एक है। मुख्यमंत्री ने इसे एक गेम-चेंजिंग पहल

बताया जो असम और मेघालय में कनेक्टिविटी को काफी बदल देगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने पर, कॉरिडोर से गुवाहाटी और सिलचर के बीच यात्रा का समय लगभग 4.5 से 5 घंटे कम होने की उम्मीद है, जिससे तेज, सुरक्षित और ज़्यादा कुशल ट्रांसपोर्टेशन मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह घोषणा राज्य सरकार के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार प्लान के हिस्से के तौर पर की गई है, जिसका मकसद रोड नेटवर्क को मजबूत करना और रीजनल इंटीग्रेशन को बढ़ाना है।

पीएम मोदी सोमवार को करेंगे एआई एक्सपो का उद्घाटन

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम 5 बजे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा और इसमें एआई के व्यावहारिक उपयोग का प्रदर्शन किया जाएगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित होने वाला यह आयोजन नवाचार, नीति और प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रभाव को दर्शाने का एक राष्ट्रीय मंच होगा, जो आम नागरिकों तक पहुंचने का प्रयास करेगा। यह एक्सपो एआई के व्यावहारिक प्रदर्शन का एक राष्ट्रीय मंच होगा। यह एक्सपो 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 एरेना में होगा और इसमें विश्वभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों का समागम होगा। इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन होंगे, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीका शामिल हैं। इस आयोजन में 300 से अधिक प्रदर्शनी मंडप और लाइव प्रदर्शन होंगे।

भारत-फ्रांस रक्षा संवाद, पीएम मोदी-मैक्रों करेंगे हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन का उद्घाटन

● रक्षा क्षेत्र की तैयारियों के लिहाज से यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवाद होगा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा संवाद होने जा रहा है। सैन्य तकनीक व रक्षा क्षेत्र की तैयारियों के लिहाज से यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवाद होगा। भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस संवाद में शामिल होंगे। वहीं फ्रांस की रक्षा मंत्री भी इस बैठक में शामिल होंगी। 17 फरवरी को दोनों देशों के रक्षामंत्री इस बैठक की संयुक्त अध्यक्षता करेंगे। वहीं इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस की एच 125 हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दरअसल, भारत और फ्रांस के बीच यह 6वां वार्षिक संवाद है। यह संवाद बेंगलुरु में 17 फरवरी को होगा। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की पूरी समीक्षा होगी, खासकर रक्षा उद्योग में साझेदारी बढ़ाने पर जोर रहेगा। रक्षा समझौते को अगले 10 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। साथ ही हैमर मिसाइलों के संयुक्त निर्माण के लिए समझौता होने की संभावना है। सेना में अधिकारियों की आपसी तैनाती को लेकर भी घोषणा हो सकती है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत और फ्रांस के रिश्तों में रक्षा सहयोग हमेशा से अहम रहा है। दोनों देश 'शक्ति', 'वरुणा' और 'गरुड़' जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास भी नियमित रूप से करते हैं। अक्टूबर 2025 में पद संभालने के बाद फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वाउटरिन की यह पहली भारत यात्रा होगी।

दरअसल, भारत और फ्रांस के संबंधों में रक्षा सहयोग एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। हाल के वर्षों में उच्चस्तरीय

आदान-प्रदान से दोनों देशों के रणनीतिक संबंध और मजबूत हुए हैं। जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के बास्तील दिवस समारोह में मुख्य अतिथि रहे, जबकि 2024 के गणतंत्र दिवस परेड में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं : हरविन्द्र कल्याण

● 'गुलामी के लंबे कालखंड के बाद स्वतंत्रता तो मिली, लेकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां मौजूद हैं।'

एजेंसी
करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने स्वामी दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए कहा कि स्वामी जी के विचार हमें विपरीत परिस्थितियों में भी सही राह पर चलने की ऊर्जा प्रदान करते हैं। राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं है। आर्य समाज जिस प्रकार हमारी अगली पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहा है, वह वास्तव में एक पावन कार्य है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण रविवार को आर्य समाज द्वारा आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने निजी कोष से सभा को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने उस दौर में अपनी संस्कृति, धर्म और देश के लिए संघर्ष किया जब परिस्थितियां अत्यंत विपरीत थीं। गुलामी के लंबे कालखंड के बाद स्वतंत्रता तो मिली, लेकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां मौजूद हैं। देश को पुनः उन ऊँचाइयों पर ले जाने की कल्पना हर नागरिक के सहयोग के बिना संभव नहीं है। विकसित राष्ट्र के संकल्प को सिद्ध करने के लिए हमारा आत्मनिर्भर होना अनिवार्य है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में हर नागरिक की भूमिका अहम है। इसके लिए केवल नई टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भरता ही काफी नहीं है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी का उन संस्कारों से जुड़ना अनिवार्य है, जिनमें स्वयं की उन्नति के साथ समाज की भलाई का भाव भी समाहित होना चाहिए।

भारतीय सेना ने बीते वर्ष बचाई 28 हजार से अधिक नागरिकों की जान

● वहीं 7,318 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

एजेंसी
नई दिल्ली। बीते वर्ष 2025 में भारतीय थलसेना ने 10 राज्यों में 80 से अधिक स्थानों पर 141 टुकड़ियां तैनात कीं। हालांकि सेना की इन टुकड़ियों की तैनाती का मकसद कोई युद्धक तैयारी नहीं, बल्कि शांति और सहायता था। इन अभियानों के दौरान भारतीय सेना ने 28 हजार 293 नागरिकों को बचाया। वहीं 7,318 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। यही नहीं, आपदा में फंसे 2,617 व्यक्तियों तक भारतीय सेना ने बेहद आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई। युद्धभूमि से अलग सेना के ये प्रयास उसे आपदा राहत का अग्रदूत बनाते हैं। भारतीय सेना ने न केवल देश में बल्कि मुसीबत आने पर विदेशों में भी बचाव अभियान चलाए हैं। म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत सरकार ने मार्च 2025 में 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया था। इसके अंतर्गत म्यांमार में भारतीय थलसेना को तैनात किया गया था।

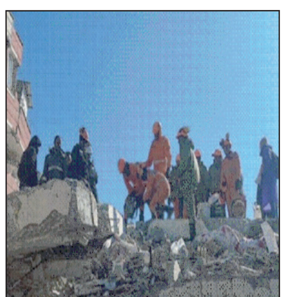

यहां तैनात जवानों ने प्रभावित क्षेत्रों में 60 बिस्तरों वाले फील्ड अस्पताल तैयार किए और मात्र दो सप्ताह के भीतर 2,500 से अधिक भूकंप प्रभावित लोगों को चिकित्सा उपचार प्रदान किया। केंद्र सरकार के मुताबिक, इस दौरान छह विमानों और भारतीय नौसेना के पांच जहाजों के माध्यम से लगभग 750 मीट्रिक टन आपदा राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई गई। मुसीबत में फंसे पड़ोसी को मदद पहुंचाने का एक बड़ा उदाहरण अभी हाल ही में श्रीलंका में देखने को मिला।

बीते दिनों चक्रवात दितवाह के बाद श्रीलंका में संपर्क व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसको बहाल करने में भारतीय सेना ने अहम योगदान दिया। यहां 2,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालने और 1,058 टन राहत सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन सागर बंधु' संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान भारतीय वायुसेना ने विदेशी नागरिकों सहित 264 जीवित बचे लोगों को सफलतापूर्वक निकाला।

महा शिवरात्रि के मौके पर अरविंद केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका

कौमी पत्रिका

धूरी, 15 फरवरी। महाशिवरात्रि के पवित्र मौके पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सम्मानित श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका और ऐतिहासिक सिद्ध पीठ में पूजा की तथा पंजाब व देश की शांति, खुशहाली और निरंतर तरक्की के लिए आशीर्वाद मांगा। त्यौहार पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए आप प्रमुख ने महाशिवरात्रि को भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा वाला त्योहार बताया और प्रार्थना की कि भगवान भोले नाथ की कृपा हमेशा हरेक नागरिक पर बनी रहे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि पंजाब सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए सूबे की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संभालने और उत्साहित करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्री गुरु तेग बहादर जी का शहादी दिवस मनाने से लेकर श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व को मनाने तक पंजाब अपनी शानदार विरासत को मान और श्रद्धा के साथ सम्मान देता रहता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आप के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा- महाशिवरात्रि के पवित्र मौके पर मुझे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ धूरी के श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महादेव की ब्रह्म ऊर्जा मन को शांति और आत्मा को नई ताकत देती है। भगवान भोले नाथ का

आशीर्वाद हमेशा आप सभी पर बना रहे और देश व पंजाब तरक्की व खुशहाली की ओर बढ़ते रहें। इस दौरान, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर कहा- आज महाशिवरात्रि के मौके पर मैं आप के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब इंचार्ज मनीष सिसोदिया के साथ धूरी विधानसभा क्षेत्र के गांव रणिके स्थित श्री रणकेशवर मंदिर में भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और माथा टेका। मैं देश की खुशहाली, शांति और सद्भावना तथा सभी में स्थायी भाईचारे के लिए प्रार्थना की। भगवान शिव का आशीर्वाद हमेशा सभी पर बना रहे। आप के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका और प्रदेश की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर हमने सिद्ध पीठ में पूजा की और मानवता के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि लोगों को सत्य की खोज की ओर यत्न करने के लिए प्रेरित करती है, जो भगवान शिव द्वारा दर्शाई गई अंतिम चेतना की ओर ले जाती है। उन्होंने आगे कहा, यह त्योहार धार्मिकता, श्रद्धा, आपसी प्यार और सद्भावना पर जोर देता है। इस मौके की सांस्कृतिक महत्ता पर जोर देते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे महान भारतीय सभ्यता के आधार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने आगे कहा, श्री रणकेशवर महादेव को पंजाब के मालवा क्षेत्र में एक सम्मानित सिद्ध पीठ माना जाता है। ऐसे स्थानों की आध्यात्मिक विरासत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐतिहासिक तौर पर सिद्ध पीठों को पवित्र स्थान माना जाता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

पीएम मोदी नहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जाएंगे बांग्लादेश

● तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं। पीएम मोदी का 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक का कार्यक्रम पहले से तय है।

विदेश मंत्रालय का आधिकारिक बयान

विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, 17 फरवरी, 2026 को ढाका में

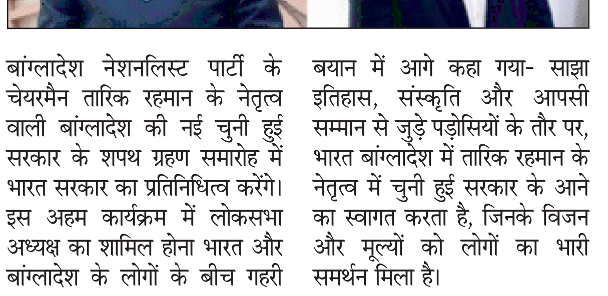

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अहम कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष का शामिल होना भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरी और पक्की दोस्ती को दिखाता है, और हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले डेमोक्रेटिक मूल्यों के प्रति भारत के पक्के प्रतिबद्धता को पक्का करता है।

बयान में आगे कहा गया- साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसियों के तौर पर, भारत बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार के आने का स्वागत करता है, जिनके विजन और मूल्यों को लोगों का भारी समर्थन मिला है।

जयंत चौधरी मंगलवार को एआई समिट के पवेलियन का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) नई दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा। ग्लोबल साउथ के इस सबसे बड़े एआई सम्मेलन मंत्रालय एक विशेष पवेलियन के माध्यम से भारत के युवाओं को एआई-सक्षम बनाने की अपनी रणनीति प्रदर्शित करेगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को यह जानकारी साझा करते हुए कहा, 'वैश्विक दक्षिण में सबसे बड़े एआई शिखर सम्मेलनों में से एक की मेजबानी करना, एक जिम्मेदार और समावेशी एआई भविष्य को आकार देने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। मैं वैश्विक भागीदारों के साथ सार्थक चर्चा करने और यह प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक हूं।

वार-पलटवारः एपस्टीन फाइल्स पर भाजपा ने सिब्बल को घेरा, राहुल गांधी से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बदनाम फाइनेंशर और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के सार्वजनिक होने के बाद भारत के राजनीतिक गलियारों में भी भूचाल आ गया है। इस मामले ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक नया मोर्चा खोल दिया है, जहां दोनों दल एक-दूसरे पर एपस्टीन से संबंधों के गंभीर आरोप लगा रहे हैं। शुरुआत में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को निशाने पर लिया था, लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पर सीधा हमला बोला है।

भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए दावा किया है कि कपिल सिब्बल को एक ऐसे कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया था, जिसे कथित तौर पर जेफ्री एपस्टीन ने फंड किया था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि साल 2010 में सिब्बल को जो सम्मान मिला, उसका संबंध एपस्टीन की फंडिंग से था। उन्होंने यह भी कहा कि सिब्बल लंबे समय तक गांधी परिवार के करीबी रहे हैं और कांग्रेस की विदेश इकाई के प्रमुख सैम पित्रोदा भी उसी समूह से जुड़े थे। हालांकि, कपिल सिब्बल ने इन दावों को पूरी तरह से बकवास बताते हुए खारिज कर दिया है। कांग्रेस की ओर से मोर्चा संभालते हुए प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इन आरोपों का खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2010 में जब सिब्बल को पुरस्कार दिया गया, तब वह केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री थे। उन्हें यह सम्मान शिक्षा में वैश्विक सहयोग के प्रति उनके दृढ़ समर्थन के लिए दिया गया था और इसका जेफ्री एपस्टीन या उसके किसी संदिग्ध नेटवर्क से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी और वर्तमान में वह समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा सांसद हैं।

इस विवाद की जड़ें तब गहरी हुईं जब एपस्टीन फाइल्स में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम सामने आया। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाते हुए पुरी के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि वह तथ्यों को लेकर झूठ बोल रहे हैं। वहीं, हरदीप सिंह पुरी ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पेशेवर काम के सिलसिले में उनकी एपस्टीन से सामान्य जान-पहचान थी, लेकिन एपस्टीन के निजी कृत्यों या अपराधों से उनका कोई सरोकार नहीं रहा है।कुल मिलाकर, सात समंदर पार के एक अपराधी की फाइलों ने भारत में राजनीतिक नैतिकता की बहस को तेज कर दिया है। जहां भाजपा इसे कांग्रेस के पुराने रसूखदारों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जोड़ रही है, वहीं कांग्रेस इसे वर्तमान सरकार के मंत्रियों की जवाबदेही का प्रश्न बना रही है। दोनों ही दल अब इस अंतरराष्ट्रीय विवाद के जरिए एक-दूसरे की छवि धूमिल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

शिरडी में साईं बाबा और महादेव की एक साथ पूजा, भक्तों के लिए 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी

शिरडी(एजेंसी)। रविवार को महाराष्ट्र समेत पूरे देश में महाशिवरात्रि बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। अलग-अलग महादेव मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं महाराष्ट्र के शिरडी में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर साईं बाबा के दर्शन के लिए हज़ारों भक्त जमा हुए। साईं बाबा संस्थान की तरफ से साईं बाबा की समाधि के पास देवाधि देव महादेव की तस्वीर लगाई गई है ताकि भक्त साईं बाबा के साथ भोलेनाथ शंकर के भी दर्शन कर सकें। साथ ही शिरडी में बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना और व्रत का दिन होने के कारण, साईं बाबा संस्थान के साईं प्रसादालय में 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी तैयार की गई।शिरडी आने वाले भक्तों को प्रसादालय में दिन भर साबूदाना खिचड़ी और झिरका प्रसाद परोसा जा रहा था।साईं बाबा संस्थान के प्रसादालय में खिचड़ी बनाने के लिए 5,500 किलो साबूदाना, 4,000किलो मूंगफली, 700 लीटर मूंगफली का तेल, 2,000 किलो आलू और 1,200 किलो चीनी, नमक, लाल मिर्च, हरी मिर्च वगैरह का इस्तेमाल किया गया है। इन सभी चीज़ों से कुल 13,000 किलो महाप्रसाद तैयार किया गया और भक्त इसे बड़ी श्रद्धा से खा रहे थे।सबका मालिक एक का महामंत्र देने वाले साईं बाबा के दर्शन के लिए सभी धर्मों के भक्त शिरडी आते हैं। उनमें से ज़्यादातर साईं संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रसादालय में प्रसाद लेते हैं। आम तौर पर यहां दो सब्ज़ियां, चपाती और वरन-भात परोसा जाता है। वैसे, आषाढ़ी एकादशी और महाशिवरात्रि के दिन व्रत के मौके पर खास साबूदाने की खिचड़ी और झिरकाया प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। साईं प्रसादालय के प्रमुख संजय शिंदे ने कहा, रविवार को शिरडी में करीब 70 हजार भक्तों द्वारा साईं खिचड़ी का लाभ उठाने का अनुमान है।

भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी की आशंका के चलते पांच किमी आवाजाही पर रोक

कठुआ (एजेंसी)। सुरक्षा कारणों को देखते हुए संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला मजिस्ट्रेट ने नया आदेश जारी करते हुए सीमावर्ती क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। जानकारी के अनुसार कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ पहाड़पुर से करोल कृष्णा तक 5 किलोमीटर के दायरे में लोगों की गैर-जरूरी आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।प्रशासन को खुफिया इनपुट मिला है कि पाकिस्तान की तरफ से किसी भी समय सीमा पार गोलीबारी की आशंका है। इसी खतरे को देखते हुए ओल्ड सांबा-कठुआ मार्ग पर रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक भारी ट्रकों और टिपरों की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और कानून-व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीणों की सुरक्षा और किसी भी राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोकने के लिए सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही सीमित करना आवश्यक हो गया है। गौरतलब है कि हीरानगर अंतरराष्ट्रीय सीमा पिछले दो वर्षों से घुसपैठ की आशंका और ड्रोन गतिविधियों के कारण काफी संवेदनशील बनी हुई है, जिसके चलते स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर ये प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

चंडीगढ़ को मिली इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, पीएम मोदी ने दिखाई वर्चुअली हरी झंडी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ के लोगों को रविवार को 25 नई इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा मिला है।इन बसों को पीएम मोदी ने गुवाहाटी से वर्चुअली हरी झंडी दिखाई है।ये बसें चंडीगढ़ को पीएमई बस सेवा योजना के तहत मिली हैं। इस दौरान चंडीगढ़ के एडमिनिस्ट्रेटर गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। प्रशासन का लक्ष्य अप्रैल तक शहर में कुल 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का टारगेट पूरा करना है। चंडीगढ़ के प्रशासन गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इन बसों के आने से शहर के यात्रियों को आरामदायक सफर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन लोगों को बेहतर और प्रदूषण-मुक्त ट्रांसपोर्ट मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन नई बसों को हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखकर खास तौर पर डिजाइन किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं ताकि उनका सफर आरामदायक हो सके। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन बसों में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। हर बस में पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा, जीपीएस सिस्टम के जरिए बसों की लोकेशन का भी पता लगाया जा सकेगा। सूत्रों के मुताबिक जो बसें पहले लंबे रूट से हटाई गई थीं, उन्हें फिर से लंबे रूट पर चलाने की तैयारी की जा रही है। इससे अंतरराज्यीय यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी।

राजपाल यादव हैं जेल में और साल 2018 का वीडियो हो गया वायरल

-सलमान खान के साथ दिखा वीडियो, फैंस को लगा हो गए रिहा

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के तिहाड़ जेल में रहने की खबरें सुर्खियां बनी हुई हैं। चेक बाउंस केस में उन्हें जेल जाना पड़ा है, जिसके बाद कई बॉलीवुड सितारे उनकी मदद के लिए सामने आए हैं। इसी बीच एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें वो रिहा होने की खुशी जता रहे हैं।

दरअसल सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें राजपाल यादव जेल से रिहा होने की खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं और सलमान खान का धन्यवाद कर रहे हैं। वीडियो में राजपाल कहते हैं, सलमान भाई बड़े भाई की तरह हैं। उनके साथ बैठकर अंदर से बहुत खुशी महसूस होती है। फैंस इस वीडियो को देखकर मान बैठे कि राजपाल यादव जेल से बाहर आ गए हैं, लेकिन ऐसा कतई नहीं है। दरअसल वायरल वीडियो साल 2018 का बताया जा है, क्योंकि वर्तमान में तो एक्टर अभी भी तिहाड़ जेल में ही बंद हैं। राजपाल यादव पर साल 2010 का मामला दर्ज है। उन्होंने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये उधार लिए थे, लेकिन फिल्म फ्लॉप हो गई और एक्टर कर्ज चुका नहीं पाए। कई चेक बाउंस होने के बाद उनका कुल कर्ज 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस कारण उन्हें जेल में बंद किया गया। राजपाल की इस मुश्किल घड़ी में कई बॉलीवुड सितारे सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन और सोनू सूद उनकी मदद को तैयार हैं। वायरल वीडियो के कारण फैन्स को भ्रम हुआ, लेकिन फिलहाल राजपाल यादव की रिहाई की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

सिक्किम और त्रिपुरा में लगे भूकंप झटके, तीव्रता कम होने से नहीं हुआ जान-माल का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार सुबह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भूकंप के कई झटके लगे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक भारत में कुल चार झटके दर्ज किए गए, जिनमें से तीन सिक्किम और एक त्रिपुरा में आया। सिक्किम के नामची में सुबह 5ः26 बजे और फिर 6ः58 बजे 2.4 तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए, जबकि मंगन में सुबह 5ः10 बजे 2.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसके साथ ही त्रिपुरा के गोमती जिले में भी सुबह 6ः38 बजे 2.6 तीव्रता का झटका आया। राहत की बात यह है कि इन झटकों की तीव्रता कम थी और केंद्र जमीन से केवल 5 से 10 किलोमीटर की गहराई में था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में सुबह 4ः28 बजे 4.3 तीव्रता का सबसे तेज झटका महसूस आया, जिससे वहां हल्के नुकसान की खबरें है, हालांकि किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसके अलावा म्यांमार में तड़के दो बार 3.2 तीव्रता के झटके लगे। अमेरिका के ओक्लाहोमा, इंडोनेशिया के जावा, चिली और पुर्तगाल के अजोरेस द्वीप समूह में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक पुर्तगाल में आए भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई। विशेषज्ञों के मुताबक रविवार को आए इन झटकों से कहीं भी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। सिक्किम और त्रिपुरा में आए भूकंप के झटके हल्के थे, जिनसे जनजीवन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूकंप हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया भर में भूकंपों के कारण हर साल औसतन 40 से 60 अरब डॉलर यानी करीब 3 से 5 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। 2011 में जापान का तोहोकू भूकंप और 2023 में तुर्की-सीरिया में आई तबाही इसके भयावह उदाहरण हैं। बता दें सालाना आधार पर भूकंप के कारण औसतन 10,000 से 20,000 लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन यह संख्या आपदा की तीव्रता के आधार पर बदलती रहती है। जानकारों का कहना है कि अक्सर भूकंप खुद उतना खतरनाक नहीं होता, जितना कि कमजोर इमारतों का गिरना, आग लगना, सुनामी या भूस्खलन नुकसान पहुंचाते हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र कल से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, रक्षा सहयोग को मजबूत करने करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को और मजबूत करना और दोनों देशों के बीच बढ़ते तालमेल को सुदृढ़ करना है। अपनी सेना प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण समेत सेना-से-सेना के बीच संबंधों को बढ़ाना है। सिडनी में सेना प्रमुख (सीओएएस) फोर्सेस कमांड (एफओआरकॉमडी), स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (एसओकॉमडी) और द्वितीय डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। यह उल्लेखनीय है कि द्वितीय डिवीजन के सैनिक द्विपक्षीय सेना अभ्यास ऑस्ट्राहिंद में भाग लेते हैं, जिसका अगला संस्करण 2026 में भारत में आयोजित होने वाला है। सेना प्रमुख उपेंद्र कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ बातचीत होगी। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख और जनरल उपेंद्र द्विवेदी, यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 2015 बैच के पूर्व छात्र हैं और उनके बीच मजबूत पेशेवर संबंध हैं। इसके अलावा जनरल उपेंद्र संयुक्त संचालन कमान मुख्यालय (एचक्यूजेओसी) का दौरा करेंगे, जहां वे संयुक्त संचालन कमांडर से मिलेंगे और एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय अभियानों समेत ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों की परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। सेना प्रमुख शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और बलिदान एवं सेवा की साझा विरासत का सम्मान करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय रक्षा दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे, जो भारतीय सशस्त्र बलों और उसके दिग्गजों के बीच अटूट बंधन को रेखांकित करता है। यह दौरा रक्षा सहयोग को और बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

ममता बनर्जी ने तारिक भाई को भेजा फूल और मिठाइयां, रमजान की अग्रिम मुबारकबाद

-रहमान 17 फरवरी को लेंगे शपथ

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाई रहमान को वधाई देने के साथ ही फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयां भेजकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

तारिक रहमान को मिली शानदार जीत के बाद पड़ोसी भारत समेत अनेक देशों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारिक रहमान को फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयाँ भेजकर अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। बीएनपी चेयरमैन के राजनीतिक कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया, कि शनिवार को गुलशन स्थित कार्यालय में बीएनपी मीडिया सेल सदस्य अतिउर रहमान रुमन ने सीएम ममता बनर्जी की ओर से भेजे गए उपहार को प्राप्त किया। इससे एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तारिक रहमान को 'तारिक भाई' संबोधित करते हुए चुनावी जीत की बधाई दी थी। उन्होंने अपने संदेश में बांग्लादेश की जनता को शुभकामनाएँ देते हुए अग्रिम रमजान की मुबारकबाद भी दी। ममता बनर्जी ने लिखा कि यह जीत लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है और इससे क्षेत्रीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का यह कदम केवल औपचारिक बधाई नहीं, बल्कि भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक रिश्तों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है, ऐसे में यह पहल द्विपक्षीय संबंधों में नई गर्माहट ला सकती है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान दिसंबर 2025 में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद लंदन से स्वदेश लौटे थे। उनकी वापसी और अब चुनावी विजय को उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। चुनाव परिणामों के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस समेत कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भी उन्हें बधाई दी है। अब सबकी नजरें 17 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर टिकी हैं, जिसे बांग्लादेश की राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

जमानत के मिलने के बाद बार-बार नई एफआईआर करना कानून का दुरुपयोग : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी आरोपी को अदालत से जमानत मिल जाती है, तो उसे जेल में रखने के लिए बार-बार नई एफआईआर दर्ज करना कानून का दुरुपयोग है। कोर्ट ने साफ कहा कि यह तरीका मौलिक अधिकार के तहत सीधे हस्तक्षेप की मांग करता है। यह मामला झारखंड का है। 20 मई 2025 को रांची के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 1988 के तहत पहली एफआईआर दर्ज की थी। इसी मामले में आरोपी से पूछताछ चल रही थी, तभी एसीबी हजारीबाग ने 2010 में कथित वन भूमि के म्यूटेशन से जुड़े मामले में दूसरी एफआईआर दर्ज कर दी। यह मामला करीब 15 साल पुरानी घटना से जुड़ा था। इसके बाद 2025 में दो और एफआईआर दर्ज की गई।

ओवैसी का बड़ा बयानः वफादारी साबित करने के लिए वंदे मातरम का सहारा जरूरी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रगीत और देश के प्रति वफादारी को लेकर एक विवादित टिप्पणी की है। एक हालिया इंटरव्यू के दौरान ओवैसी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वंदे मातरम गाना या इसे सम्मान देना किसी भी नागरिक की देश के प्रति वफादारी का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये संगठन भारत को एक धार्मिक राष्ट्र में तब्दील करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने तर्क दिया कि भारतीय संविधान हम लोग शब्द से शुरू होता है, न कि भारत माता की जय जैसे नारों से। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि यह देश के हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है।

यह विवाद तब गहराया जब केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक नया आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत अब राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, अब राष्ट्रगीत के सभी छह अंतरों का गायन अनिवार्य होगा, जिसकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकंड निर्धारित की गई है। इससे पहले तक आमतौर पर मूल गीत के केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। ओवैसी ने अपने संबोधन में सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की भी तीखी आलोचना की। उन्होंने जस्टिस कपूर कमीशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आयोग ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता माना था। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कयामत शब्द के इस्तेमाल पर भी कटाक्ष किया। ओवैसी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को कम से कम एक उर्दू शब्द का हिंदी अर्थ पता होना चाहिए। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं पर विराम लगाते हुए ओवैसी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े किसी भी अविश्वास प्रस्ताव में अपनी भूमिका से साफ इनकार किया। तेलंगाना की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा जिस तरह उनका नाम लेती है, उससे लगता है कि वे उन्हें काफी पसंद करते हैं।

भारत के खिलाफ साजिश, मौत की सजा पाने वाले तीन अपराधी बने सांसद

-मुहम्मद यूनुस ने इन पर लगे आरोप हटा दिए थे, अब बांग्लादेश की संसद में बैठेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में आम चुनाव में दिवंगत पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी जीत हासिल की है। इस चुनाव में तीन नेता ऐसे भी हैं, जो बहुत ही भाग्यशाली रहे। इनमें दो नेता बीएनपी के और एक जमात-ए-इस्लामी से हैं। बीएनपी के लुत्फेज्जमां बाबर, अब्दुस सलाम पिंटू और जमात के अजहरुल इस्लाम इन तीनों पर गंभीर आरोप हैं। हालांकि मुहम्मद यूनुस ने इन पर लगे सभी आरोपों को हटा दिया था। अब ये तीनों बांग्लादेश की संसद में बैठेंगे।

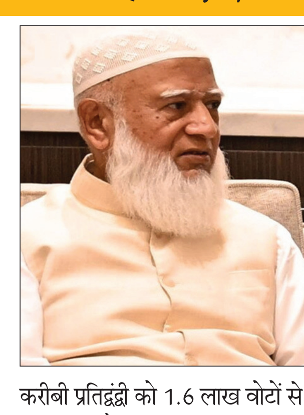

बता दें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश हाई कोर्ट ने तारिक रहमान, लुत्फोज्जमां बाबर और दूसरे लोगों को बरी कर दिया था। इन लोगों को 21 अगस्त 2004 को शेख हसीना को टारगेट करके किए गए ग्रेनेड हमले से जुड़े दो मामलों में दोषी ठहराया था। हालांकि वह बाल-बाल बच गईं, लेकिन इस हमले में 24 लोग मारे गए थे। लुत्फोज्जमां बाबर ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 1.6 लाख वोटों से हराया। इसके अलावा अब्दुस सलाम पिंटू करीब 2 लाख वोटों से जीत हासिल की है। ये वही पिंटू है जिसे ग्रेनेड अटैक मामले में बरी किया गया। इतना ही नहीं पिंटू पर पाकिस्तान के टेरर ग्रुप हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) का समर्थन करने का आरोप था, जो भारत में हमलों के पीछे था। इसमें 2006 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक कोर्ट परिसर में, 2007 में अजमेर शरीफ दरगाह और 2011 में दिल्ली में हुए धमाके में शामिल था।

रिपोर्ट के मुताबिक 1971 के लिबरेशन वॉर में 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इस्लाम जिम्मेदार था। वह रेप के 13 मामलों में भी आरोपी है। इन सभी जुर्मों के लिए उसे 2014 में मौत की सजा दी गई थी, लेकिन यूनुस ने उसे माफ कर दिया और सभी आरोपों से बरी कर दिया था। इन तीनों नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई, थी लेकिन यूनुस ने इन्हें माफ कर दिया और अब ये बांग्लादेश की संसद में बैठे नजर आएंगे।

मौसम में बड़ा बदलावः पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट और मैदानों में गर्मी की दस्तक

देहरादून (एजेंसी)। देश के मौसम में इन दिनों विरोधाभासी स्थितियां देखने को मिल रही हैं। एक तरफ जहां पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय दो नए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के कारण पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है, वहीं मध्य भारत के मैदानी इलाकों में पारा तेजी से चढ़ने लगा है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 13 से 16 फरवरी के बीच सक्रिय हुए इन विक्षोभों का असर अगले दो दिनों तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी के रूप में दिखाई देगा।

मैदानी राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 16 फरवरी से मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर संभाग के जिलों के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई गई है। इस नए मौसमी तंत्र का सर्वाधिक प्रभाव 17 और 18 फरवरी को देखने को मिलेगा। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में गर्मी ने दस्तक दे दी है। भोपाल और इंदौर समेत मध्य प्रदेश के 17 शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, हालांकि पचमढ़ी और खजुराहो जैसे इलाकों में रातें अब भी ठंडी बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पारा 32.5 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है, जो सामान्य से अधिक है। पहाड़ी राज्यों में स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उत्तराखंड के पांच जिलों-उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में 16 फरवरी को बर्फबारी का अलर्ट है। यहां मुनस्यारी में तापमान गिरकर -28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि बद्रीनाथ और गंगोत्री में भी पारा -20 डिग्री से नीचे बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में दिन के तापमान में करीब 7 डिग्री का असामान्य उछाल देखा गया, लेकिन 16 फरवरी से लाहौल-स्पीति और किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फिर से बर्फ की सफेद चादर बिछने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, 16 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के तापमान में भी गिरावट आ सकती है।

रिकॉर्ड बजट के साथ एमसीडी का बड़ा दांव, शहर की सफाई-सेवाओं पर बढ़ेगा खर्च

नई दिल्ली। एमसीडी के सदन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमान और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों को पास किया। एमसीडी आगामी वित्तीय वर्ष में 17,583 करोड़ रुपये खर्च करेगी। जबकि 17,184 करोड़ रुपये आय होगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान करीब 410 करोड़ रुपये की होने वाली बचत से आगामी वित्तीय वर्ष का घाटा पूरा होगा। यह बजट एमसीडी के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट माना जा रहा है। बजट में सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, शिक्षा, कर्मचारियों के कल्याण, ग्रामीण क्षेत्रों को राहत, महिलाओं और दिव्यांगों के लिए योजनाओं और निगम के राजस्व सुधार पर विशेष ध्यान दिया। नेता सदन प्रवेश वाही ने बजट पास करते हुए घोषणा की कि इस वर्ष के अंत तक भलस्वा और ओखला लैंडफिल साइट को पूरी तरह कचरा मुक्त कर दिया जाएगा, जबकि अगले वर्ष के अंत तक गाजीपुर लैंडफिल साइट को भी समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा अब दिल्ली में कचरे का नया पहाड़ बनने नहीं दिया जाएगा, बल्कि प्रतिदिन निकलने वाले कचरे का उसी दिन निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 12,000 मीट्रिक टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से करीब 6,000 मीट्रिक टन कचरा भलस्वा, ओखला और गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पहुंचता है। इस कचरे के निस्तारण के लिए चार नए टेंडर जारी किए जा चुके हैं। आने वाले महीनों में चार अलग-अलग स्थानों पर आधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी। सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए जल्द ही अपने बेड़े में 70 नई मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें शामिल करेगा। कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में आधुनिक उपकरण और वाहन खरीदे जाएंगे। निगम ने घोषणा की कि जल्द ही 1,000 लीटर क्षमता वाली मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक वार्ड में चार-चार पिकर मशीनें तैनात की जाएंगी। सफाई कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए भी निगम ने प्रोत्साहन योजना शुरू की है। इसके तहत प्रत्येक वार्ड में तीन बेलदारों और सफाई कर्मचारियों को 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। एमसीडी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों छात्रों की बीमा राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। इसके अलावा स्कूलों में लंबे समय से चल रही फर्नीचर की कमी को दूर करने के लिए निगम करीब 27,000 ड्यूल डेस्क, मेज और कुर्सियां तिहाड़ जेल से खरीदेगा। स्कूलों में सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे और साफ-सफाई के लिए अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी। बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए एमसीडी ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। इसके तहत निगम के सभी भवनों पर 15-15 मेगावॉट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। 49 पूर्णतः ग्रामीण घोषित गांवों में एक ग्रामीण का एक 500 वर्ग मीटर तक के पुश्तैनी मकानों को हाउस टैक्स से पूरी तरह छूट देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा शहरीकृत गांवों में 200 वर्ग मीटर तक आवासीय भवन को संपत्ति कर से छूट दी जाएगी। वहीं, ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों को समय पर टैक्स जमा करने पर 15 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान किया गया है। विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निगम ने प्रत्येक वार्ड की 20 आरडब्ल्यूए को 25-25 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। यह राशि संबंधित पार्षद और कनिष्ठ अभियंता की संस्तुति पर जारी की जाएगी। पार्कों का रखरखाव करने वाली संस्थाओं को 8,000 रुपये के बजाय 13,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। महिला पार्कों के विकास के लिए प्रत्येक पार्क को पांच लाख रुपये की विशेष राशि प्रदान की जाएगी। एमसीडी के एमटीएस कर्मचारियों को समान वेतन का लाभ मिलेगा। इसके अलावा निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पहली बार कैशलेस मेडिकल सुविधा योजना लागू की गई है, जिसके तहत वे पैनल के अस्पतालों में निशुल्क इलाज करवा सकेंगे। निगम कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीजीएचएस दरों पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। निगम ने बेरोजगार स्नातक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का भी निर्णय लिया है। इसके तहत नई पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिन्हें टेंडर प्रक्रिया के बाद लॉटरी सिस्टम के माध्यम से युवाओं को आवंटित किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में 15

विधवा महिलाओं, सिंगल मदर और दिव्यांगों को उनकी पुत्री की शादी के लिए 21,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को प्रत्येक वार्ड में 10 सिलाई मशीनें और दिव्यांगों को 10 साइकिलें प्रदान की जाएंगी। पार्षदों के बैठक भत्ते को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति बैठक करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसे दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इसके अलावा पार्षदों को पैनल अस्पतालों में सीजीएचएस दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुक्रवार को एमसीडी के पास किए गए बजट को इतिहास का सबसे बड़ा और जनहितैषी बताया। उन्होंने कहा कि बजट से नागरिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता सेवाएं मजबूत होगा। महापौर ने बताया कि नेता सदन ने बजट में सामाजिक सरोकारों को विशेष प्राथमिकता दी है। ग्रामीण क्षेत्रों को हाउस टैक्स में छूट देना बड़ा कदम है। महापौर ने कहा कि यह बजट दिल्ली को स्वच्छ, सशक्त और समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। दिल्ली पंचायत संघ ने एमसीडी बजट में 49 ग्रामीण और शहरीकृत गांवों के लिए संपत्ति कर में कुछ छूट देने के फैसले का स्वागत किया। संघ की मांग है कि गांवों को ग्रामीण और शहरीकृत श्रेणियों में बांटना ठीक नहीं। कई शहरीकृत गांवों की हालत ग्रामीण गांवों से भी खराब है। उन्हें अब तक शहरी सुविधाएं नहीं मिली हैं। किसानों की जमीन पर कॉलोनियां बनाई गईं और उन्हें व्यावसायिक श्रेणी में बदल दिया गया। मूल ग्रामीण आबादी आज भी बुनियादी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित है। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी में सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से पास किए गए आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को कागजी और जनविरोधी करार दिया है। निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि बजट में कूड़े के पहाड़, सफाई व्यवस्था, एमटीएस कर्मचारियों के नियमितीकरण और आवारा कुत्तों की समस्या जैसे प्रमुख मुद्दों के समाधान के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है। नारंग ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान कई बड़े वादे किए थे, लेकिन बजट में उन वादों को पूरा करने की दिशा में कोई स्पष्ट योजना नजर नहीं आती। वहीं एमसीडी के सह-प्रभारी प्रवीन कुमार ने बजट को खोखला बताते हुए कहा कि भाजपा के पास योजनाओं को लागू करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। आप पार्षद प्रवीन राजपूत ने बजट पेश करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नेता सदन और महापौर ने सदन को कॉमेडी शो बना रखा था। एमसीडी के वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल किए गए कई प्रमुख प्रस्तावों को लेकर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) के नेताओं ने इसका श्रेय लिया है। आईवीपी के नेता और वरिष्ठ पार्षद मुकेश गोयल और हेमचंद्र गोयल ने कहा कि उनकी पार्टी ने कई सुझाव दिए थे जिसको सदन में स्वीकार किया है। आईवीपी नेताओं के अनुसार, बजट में उनका निगम पार्षदों के बैठक भत्ते को 300 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये करने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। साथ ही वर्तमान और पूर्व पार्षदों और उनके आश्रितों को समारोहों के लिए एमसीडी के पार्कों और सामुदायिक भवनों की निःशुल्क बुकिंग सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। पार्षदों और पूर्व पार्षदों को एमसीडी के अस्पतालों और औषधालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव भी बजट का हिस्सा बना है।

थाइलैंड से डिपोर्ट किया गया गैंगस्टर हरसिमरन आईजीआई से गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ (स्पेशल सेल) ने थाइलैंड से डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर हरसिमरन उर्फ बादल उर्फ सिमरन को आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। ये जनवरी में फर्जी पासपोर्ट पर भारत से फरार हो गया था। आरोपी पहले भी जबरन वसूली, हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के 23 मामलों में शामिल रहा है। प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक ने बताया कि वह गोल्डी ढिल्लों के साथ इंटरनेशनल गैंगस्टर बनने और यूएस/यूरोप से काम करने की प्लानिंग कर रहा था। उपायुक्त ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ ने नवंबर, 2024 में उजागर सिंह, जिला मैनपुरी, यूपी निवासी महेंद्र सिंह उर्फ सतेंद्र सिंह को गैर-कानूनी हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया था। प्रकोष्ठ में उसके खिलाफ 20 नवंबर, 2024 में आर्म्स का मामला दर्ज किया गया था। आरोपी महेंद्र सिंह 2010 से थाना छावला, दिल्ली में हत्या के केस में फरार था। आरोपी महेंद्र सिंह ने बताया कि ज़ब्त किए गए हथियार हरसिमरन से लिए गए थे। यह भी पता चला कि आरोपी हरसिमरन शातिर गैंगस्टर है और 23 केस में शामिल है। जमानत पर रिहा होने के बाद 14 केस में ट्रायल कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को जांच में पता लगा कि वह मुलजिम हरसिमरन राजेश सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी गोरखपुर, यूपी के नाम से नकली पहचान पर पासपोर्ट बनवाया और जनवरी, 2025 में इसी पासपोर्ट पर लखनऊ से बैंकॉक गया था। उसने वहां से अपने केस के गवाह को कोर्ट के सामने मुकरने और प्रोटेक्शन मनी के तौर पर 50 लाख रुपये देने की धमकी दी थी। इसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया था।उसे बैंकाक पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। उसे 26 नवंबर 2025 को भारत वापस भेज दिया गया। जब हरसिमरन दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा तो उसे पकड़ लिया गया। इसके बाद उसे इंस्पेक्टर संजय गुप्ता व पंकज की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के शालीमार बाग के रहने वाले हरविंदर सिंह ने बचपन में ही दिल्ली के अलग-अलग अखाड़ों में जाकर कुश्ती शुरू कर दी थी। कुश्ती की ट्रेनिंग लेने के लिए वह कोल्हापुर, महाराष्ट्र भी गया था। यहां ये अखाड़े में सिकंदर के संपर्क में आया। उसने हार्डकोर क्रिमिनल समुंदर से संपर्क किया। ये बदमाश बुराड़ी, दिल्ली में सक्रिय था और उसे 10 साल की कड़ी कैद की सजा हुई थी। हरसिमरन भी मनोज नाम के एक हार्डकोर क्रिमिनल और विजय उर्फ नॉटी नाम के एक बीसी के साथ शामिल हो गया। ये सागरपुर इलाके में सक्रिय था। हरसिमरन ने गैंग बनाकर नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली इलाके में लोकल लेवल पर एक्सटॉर्शन शुरू कर दिया। उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और नॉर्थ दिल्ली में कई जघन्य मामलों में शामिल रहा। जब कोई पीड़ित पैसे देने से मना करता था तो वह और उसके साथी पीड़ित को धमकाने, पीटने या उस पर या उसके ठिकानों पर गोलियां चलाने से भी नहीं हिचकिचाते थे। 2005 से आरोपी हरसिमरन पर जबरन वसूली, हत्या की कोशिश, हत्या और आर्म्स एक्ट के 23 केस दर्ज हैं। यूरोप में बैठा गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने उसे दुबई आने को कहा और भरोसा दिलाया कि उसे यूएसए भेजा जाएगा और वहां से अपना गैंग ऑपरेट करेंगे। कुछ समय बैंकॉक में रहने के बाद वह यूएसए जाने के लिए दुबई चला गया। दुबई पहुंचने के बाद, गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर, वह दुबई में स्थित एक कबूतरबाज से मिला। उसे अजरबैजान भेजा गया, जहां से उसने अमेरिका के लिए उड़ान भरने की कोशिश की। लेकिन कागजातों में कमी के कारण उसे वापस दुबई वापस भेज दिया गया। इसके बाद गोल्डी ढिल्लों ने उसे यूरोप आने के लिए कहा। जब वह बेलारूस सीमा के माध्यम से यूरोप में प्रवेश करने की कोशिश की तो बैंकॉक में, सेंट्रल एजेंसियों के साथ लोकल अधिकारियों की सक्रिय और दिल्ली पुलिस के दिए गए

महा शिवरात्रि के मौके पर अरविंद केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में माथा टेका

प्रथम पृष्ठ का शेष

जहां गहराई के साथ तपस्या और आध्यात्मिक अभ्यास किए जाते थे, जिससे ब्रह्म प्रकट होते थे। अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारी परंपरा में ऐसे स्थानों का बहुत महत्व है क्योंकि यह माना जाता है कि सदियों की भगती और तपस्या द्वारा आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। उन्होंने आगे कहा, यह मंदिर रूढ़िगत तौर पर महाभारत काल से जुड़ा हुआ है, खास करके भगवान शिव को खुश करने के लिए अर्जुन की तपस्या से। उन्होंने आगे कहा, यह माना जाता है कि गहन तपस्या के बाद भगवान शिव अर्जुन के समक्ष प्रकट हुए और उन्हें ब्रह्म हथियार गांडीव धनुष का वरदान दिया। इस स्थान को भारत की महाकाव्य विरासत से जोड़ते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह स्थान भारत के महान महाकाव्यों में से एक से संबंधित है, जिससे इसे गहरी पौराणिक और ऐतिहासिक पहचान मिलती है। उन्होंने आगे कहा, श्री रणकेशवर महादेव मालवा पट्टी में शिव भक्ति की इस निरंतरता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, यह पवित्र स्थान याद दिलाता है कि पंजाब की सांस्कृतिक पहचान आध्यात्मिक इतिहास की कई परतों द्वारा गढ़ी गई है। त्योहार की व्यापक महत्ता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, महाशिवरात्रि सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि प्राचीन सभ्यता से संबंधित है। अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह त्योहार भगवान शिव और माता पार्वती के ब्रह्म मिलाप की याद दिलाता है और आध्यात्मिक जागृति तथा स्वयं-अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, इन इतिहासिक तौर पर महत्वपूर्ण तपस्थली पर महाशिवरात्रि मनाना पुरानी रीति-रिवाजों और विश्वासों की निरंतरता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, श्री रणकेशवर महादेव पर वार्षिक उत्सव इसे भूले हुए स्मारक की बजाय एक जीवंत विरासती स्थान के रूप में सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। इस स्थान की सांस्कृतिक महत्ता उजागर करते हुए अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह पवित्र स्थान सदियों पुरानी भक्ति प्रथाओं को दर्शाता है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चली आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा, रस्मों की निरंतरता दर्शाती है कि विश्वास परंपराएं समय के साथ कैसे अनुकूल होती हैं, जबकि उनका मूल तत्त्व कायम रहता है और यह क्षेत्र की अदृश्य सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे समागम मालवा क्षेत्र में क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साझे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक झंडे के नीचे इकट्ठा करते हैं। विरासत की संभाल के प्रति प्रदेश सरकार की वचनबद्धता जाहिर करते हुए अरविंद केजरीवाल और भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रदेश सरकार पहले ही नौजवान पीढ़ियों को शानदार सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए सख्त मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा, प्रदेश सरकार पहले ही श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहादी दिवस को बेमिसाल ढंग से मना चुकी है। उन्होंने आगे कहा, अब श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को भी बेमिसाल ढंग से मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। अंत में उन्होंने कहा, प्रदेश सरकार यह यकीनी बनाना चाहती है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जानकार करवाया जाए।

बेकाबू कार सड़क किनारे पेड़ से टकराई, युवती की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में रविवार तड़के एक बेकाबू कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार युवती की मौत हो गई, वहीं छह माह की बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल अभी बयान देने की हालत में नहीं हैं। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि रविवार तड़के करीब 5.14 बजे एक राहगीर संजीव ने पुलिस को फोन कर बताया कि नरेला बवाना रोड के घोघा क्रांसिंग के पास एक बेकाबू कार सड़के किनारे पेड़ से टकरा गई है। हादसे में कार में सवार छह लोग बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना मिलते ही नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने छह माह की घायल बच्ची समेत छह घायलों को कार से निकालकर पीतमपुरा स्थित सरोज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हरियाणा के सोनीपत स्थित कुंडली निवासी ज्योति (21) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों की पहचान खरखौदा सोनीपत हरियाणा निवासी प्रशांत और मंशा अपार्टमेंट नरेला निवासी अमित के रूप में हुई। छह माह की बच्ची और दो अन्य महिलाओं की पहचान की जा रही है। बताया गया कि एक महिला अमित की पत्नी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि सभी एक ही परिवार के हैं और दिल्ली में आयोजित किसी समारोह में शामिल होने के बाद खरखौदा जा रहे थे।

कठोर नियमों से दुनिया के कई देशों ने प्रदूषण पर पाया काबू, चुनौती अब दिल्ली-एनसीआर के सामने

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाके इन दिनों जानलेवा वायु प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश रहे हैं जिन्होंने बिल्कुल इसी तरह के दमघोंटू संकट का सामना किया और नीति-निर्माताओं की वैज्ञानिक व कठोर कदमों से हालात बदल दिए। अब यही चुनौती दिल्ली-एनसीआर के लिए हैं जो शहरवासियों को दमघोंटू और जहरीली हवा से निजात दिलाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पैनल की ओर से तैयार नेशनल अर्बन क्लीन एयर स्ट्रैटेजी स्टडी रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में 1952 के ग्रेट स्मॉग के बाद व्यापक क्लीन एयर प्लान लागू किया गया था। इस स्मॉग ने लगभग 12,000 लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद लागू क्लीन एयर एक्ट्क्ष्1956 के तहत कोयले से चलने वाले घरेलू बॉयलर और उद्योगों पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए। नतीजतन 1970 के दशक तक लंदन में पीएम2.5 और सल्फर डाइऑक्साइड का स्तर लगभग 70त्न तक घट गया। सिंगापुर ने 'शून्य-सहनशीलता नीति' और पॉल्यूटेड-पेयर प्रिंसिपल अपनाया। दक्षिण-पूर्व एशिया में जंगल की आग से उठे धुएँ ने हैज संकट को जन्म दिया था। इसके जवाब में सिंगापुर ने अत्यधिक प्रदूषण वाले दिनों में स्कूलों और उद्योगों को स्वचालित रूप से बंद करने का कठोर नियम लागू किया। इससे बच्चों और बुजुर्गों पर प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों में उल्लेखनीय कमी आई और शहर दुनिया के सबसे स्वच्छ महानगरों में शामिल हो गया। दुनिया में कई और देश ऐसे हैं, जिन्होंने कठोर पर्यावरणीय कानून और अनुशासित शहरी नीति अपनाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया। जापान ने 1970 के दशक के औद्योगिक प्रदूषण संकट के बाद जीरो-टॉलरेंस एयर पॉल्यूशन कंट्रोल कोड लागू किया। दक्षिण कोरिया में एयर कर्टेलमेंट प्रोटोकॉल लागू है, जिसके तहत एक्यूआई बढ़ने पर उद्योग लो-एमिशन मोड में चले जाते हैं। यूरोप में जर्मनी, फिनलैंड और स्वीडन वायु प्रबंधन के सफल मॉडल हैं।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

17 करोड़ के सिंचाई कार्यों के टेंडर जारी, किसानों को मिलेगा लाभ

एजेंसी

नारनौल। जिले के गांवों के लिए सिंचाई विभाग ने लगभग 17 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के टेंडर जारी किए हैं। इसके तहत राजावास, जेरपुर, उम्मापुर और डिगरोता गांवों में भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि इस परियोजना से नहरों और जल संरचनाओं में व्यापक सुधार होगा। इसका उद्देश्य खेतों तक समय पर पानी पहुंचाना और कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत पांच जोहड़ों को आपस में जोड़ा जाएगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा और वर्षा जल का बेहतर संचयन संभव हो सकेगा। भविष्य में जल संकट से निपटने में भी यह सहायक होगा। इसके अतिरिक्त, पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी किया जाएगा। पाइपलाइन के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ पानी की बर्बादी रुकेगी और प्रत्येक गांव में पानी की समान उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस योजना से किसानों की सिंचाई संबंधी समस्याओं में कमी आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन का स्थायी समाधान विकसित होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है और गांवों की वास्तविक जरूरतों को समझ रही है। पिछली सरकारों के दौरान सिंचाई समस्याओं और जल संरक्षण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था, जिससे किसानों और ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने कैबिनेट मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जींद। पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति ईकाई नरवाना द्वारा सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना (ओपी) की बहाली को लेकर कैबिनेट मंत्री व नरवाना विधायक कृष्ण बेदी को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान मोहनलाल ने की। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने साफ शब्दों में कहा कि पुरानी पेंशन कोई कृपा या रियायत नहीं बल्कि कर्मचारी का संवैधानिक, नैतिक और सामाजिक अधिकार है। जिसे किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं होने दिया जाएगा। समिति ने चेताया कि ओपी को खत्म कर लागू की गई एनपीएस और प्रस्तावित यूपीएस योजनाएं कर्मचारियों के भविष्य के साथ किया गया सबसे बड़ा अन्यायपूर्ण, अस्थिर और बाजार-आधारित प्रयोग है। जिसका दंश आज लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारी झेल रहे हैं। प्रदेश महासचिव रिषी नैन व प्रदेश में वरिष्ठ उप प्रधान अनूप लाठर ने कहा कि ओपीएस ही एकमात्र ऐसी व्यवस्था है, जो कर्मचारी को अंतिम वेतन के आधार पर आजीवन सुनिश्चित पेंशन, महंगाई राहत तथा पारिवारिक पेंशन प्रदान करती है। यही योजना कर्मचारी को मानसिक सुरक्षा और सम्मान देती है, जिससे वह बिना भय के शासन-प्रशासन की नीतियों को ईमानदारी से लागू करता है। इसके विपरीत एनपीएस और यूपीएस में न तो पेंशन की गारंटी है और न ही बुढ़ापे की कोई सुनिश्चित सुरक्षा। समिति ने कहा कि शेयर बाजार पर आधारित पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों की जीवनभर की कमाई को जोखिम में डालती है।

लक्ष्य तय करो और उसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करें : विधायक राजेश जून

बहादुरगढ़। जाखोदा स्थित श्री चैतन्या टेक्नो स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन द्वारा विधायक राजेश जून का फूलमालाएं पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा स्मृति चिन्ह देकर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विज्ञान एवं शैक्षणिक विज्ञान प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका विधायक राजेश जून ने उद्घाटन किया। विधायक ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच की सराहना की। विधायक ने कहा कि बच्चों में अपार प्रतिभा है, जिसे सही दिशा और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक राजेश जून ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। विधायक ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे प्राप्त करने तक निरंतर परिश्रम करते रहना चाहिए क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प ही सफलता की कुंजी है। विधायक राजेश जून ने बच्चों को बताया कि पिछले कुछ वर्षों में बहादुरगढ़ क्षेत्र के कई बच्चों ने यूपीएससी सहित राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर प्रशासनिक पदों पर आसीन होकर देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नारनौल। नारनौल में शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिला गुरुग्राम निवासी अनिल कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। युवक स्कॉर्पियो कार से राजस्थान में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मिली जानकारी के अनुसार गुरुग्राम के मानेसर क्षेत्र के रहने वाले अनिल कुमार अपनी काले रंग की स्कॉर्पियो से शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकला था। वह गाड़ी में अकेला ही सफर कर रहा था। गांव रघुनाथपुरा के पास फ्लाईओवर से उतरते समय गाड़ी का टायर फट गया। इससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई। गाड़ी रेलिंग के अंदर घुस गई जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन के जरिए फंडिंग पर होगा विचार: मनोहर लाल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अफोर्डेबल हाउसिंग खासकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके और कम आय वाले ग्रुप के लिए चैरिटेबल संस्थान बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया। यहां गुरुग्राम-दिल्ली बॉर्डर स्थित यशोभूमि में आयोजित नेशनल अर्बन एंड रियल एस्टेट डेवलपमेंट कॉन्क्लेव में उन्होंने कहा कि इस सेगमेंट को बैंक और दूसरी संस्थाएं द्वारा मिलने वाले कम फण्ड का बेहतर विकल्प निकाला जा सकता है। नारेडको द्वारा आयोजित नेशनल अर्बन एंड रियल एस्टेट डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2026 में मनोहर लाल ने यह भी संकेत दिया कि इंडस्ट्री के बड़े और व्यापक सुझावों के अनुसार रेरा से पहले के रुके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट को फाइनेंस करने के लिए एक कमिटेड फंड बनाया जा सकता है, ताकि उनके प्रमोटर और खरीदार दोनों ही विन-विन सेटलमेंट पर पहुंच सकें। मंत्री ने यह भी बताया कि एनसीटी और उसके आस-पास करीब 700-750 झुग्गी बस्तियों को सरकार डेवलप करेगी, जिसके लिए सरकार की अलग-अलग अथॉरिटीज के अंदर अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ पॉलिसी फ्रेमवर्क पर बहुत हाई लेवल पर बातचीत हो रही है। इस प्रपोजल के शुरू होने से एनसीटी और उसके आस-पास अफोर्डेबल हाउसिंग को जरूरी बढ़ावा मिलेगा।

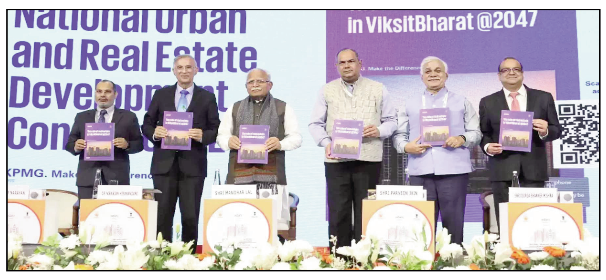

मनोहर लाल ने एलआईजी और ईडब्ल्यूए सेगमेंट में अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए फंड देने के लिए चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन बनाने के मुद्दे पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे प्रपोज्ड चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन में सीएसआर कंट्रीब्यूशन के जरिए पैसे का इंतजाम किया जा सकता है, ताकि समाज के गरीब तबके के लिए फंड इकट्ठा किया जा सके। क्योंकि बैंकिंग और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन इस तबके की मदद करने के लिए शायद ही एक्टिव हों।

कॉन्क्लेव में नारेडको ने सुझाव दिया कि रुके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करने के लिए स्वामीह फंड का साइज बढ़ाया जा सकता है। मनोहर लाल ने यह भी कहा कि रेरा से पहले मंजूर हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करने के लिए एक फंड बनाया जा सकता है, जिसका साइज बातचीत के बाद तय किया जाएगा। इस मामले में यह सुझाव दिया गया कि सरकार रुके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को फिर से शुरू करने के लिए फाइनेंसिंग का इंतजाम करने के लिए एक डेडिकेटेड फंड बनाने पर विचार कर सकती है। नारेडको के प्रेसिडेंट प्रवीण जैन और मंत्री मनोहर लाल ने इस मौके पर केपीएमपी और नारेडको की बनाई एक नॉलेज रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में विकसित भारत के लिए रियल एस्टेट सेक्टर के लिए एक डिटेल्ड रोड मैप बताया गया है।

केरल के पार्षदों ने देखी गुरुग्राम नगर निगम की कार्यप्रणाली

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के विकसित केरलम अभियान के अंतर्गत केरल से पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम का दौरा किया। नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। इस दौरान निगम प्रशासन द्वारा शहर की कार्यप्रणाली, चल रहे विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी गई।केरल से आए प्रतिनिधिमंडल में रघुनाथ सी. मेनन, पी. कृष्णप्रसाद, वी.ए. सुरेश कुमार, अजय कुमार, उल्लासन पी., राजलक्ष्मी पी., संध्या रानी तथा केपी बिंदु शामिल थे।

इन सदस्यों ने गुरुग्राम में किए जा रहे विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में विशेष रुचि दिखाई तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने गुरुग्राम को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और तकनीक आधारित शहर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपनाए गए नवाचारों से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया।

नगर निगम अधिकारियों ने स्वच्छता प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निपटान, सीवर और जल प्रबंधन, सडक़ अवसंरचना, हरित क्षेत्र विकास तथा डिजिटल सेवाओं से जुड़ी पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि शहर में घर-घर कचरा संग्रहण, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग, लैंडफिल प्रबंधन, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट निपटान, वर्षा जल संचयन और जलभराव नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही एकीकृत ऐप और डैशबोर्ड के माध्यम से नगर सेवाओं की निगरानी और शिकायत निवारण को भी सुदृढ़ किया गया है।

हरियाणा के आठ एचसीएस के आईएएस बनने का रास्ता साफ

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) के आठ अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए जून 2023 में दाखिल हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की चार्जशीट को रद्द कर दिया है। अदालत ने साफ कहा कि जिन अधिकारियों का नाम न तो मूल एफआईआर में था और न ही उनके खिलाफ किसी स्तर पर जांच हुई, उन्हें चार्जशीट में शामिल करना कानून के अनुरूप नहीं है।

यह फैसला न केवल संबंधित अधिकारियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई की पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया को लेकर भी बड़ा संदेश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद जिन आठ एचसीएस अधिकारियों को राहत मिली है, उनमें जगदीप ढांडा, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र सिंह, वीना हुड्डा, जग निवास, कमलेश भादू, वत्सल वशिष्ठ और सरिता मलिक शामिल हैं। अदालत के इस निर्णय से इन अधिकारियों की राज्य कोटे के तहत आईएएस कैडर में पदोन्नति की राह साफ हो गई है। लंबे समय से चार्जशीट की तलवार लटकने के कारण इनकी प्रोन्नति प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। हाईकोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि चार्जशीट की प्रस्तुति कानून के अनुरूप नहीं थी और यह प्रकृति में अवैध है। अदालत ने 30 जून, 2023 को दायर की गई चार्जशीट को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इन अधिकारियों का न तो मूल मामले से कोई संबंध स्थापित हुआ और न ही उनके खिलाफ स्वतंत्र जांच की गई। कोर्ट ने यह भी माना कि जब किसी अधिकारी का नाम स्नढ्क्र में ही दर्ज नहीं है।

हरियाणा विधानसभा स्पीकर ने गुजरात में देखा प्राकृतिक खेती व सहकारिता मॉडल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गुजरात का दौरा करके वहां सहकारिता मॉडल, कृषि आधारित उद्योगों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से सार्थक संवाद स्थापित किया। हरियाणा विधानसभा के मीडिया एवं कम्यूनिकेशन अधिकारी दिनेश शर्मा ने जारी जानकारी में बताया कि स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने इस दौरे के दौरान राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की और कृषि, प्राकृतिक खेती, सहकारिता और ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर बातचीत की। गुजरात के राज्यपाल द्वारा चलाया जा रहा जीरो बजट प्राकृतिक खेती का मॉडल देश में प्रसिद्ध हो रहा है और हरियाणा समेत कई राज्यों की सरकारों द्वारा इसे अपनाया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने हरियाणा और गुजरात के बीच आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। गुजरात के बनासकांठा जिले की सहकारी मंडली के पदाधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने सहकारिता मॉडल के सफल संचालन, किसानों की आय वृद्धि और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके पश्चात विधान सभा अध्यक्ष ने आलू प्रसंस्करण इकाई, बायो-सीएनजी प्लांट, पशु आहार संयंत्र, दुग्ध उत्पादन इकाई, शहद प्रसंस्करण यूनिट, पैकेजिंग सेक्शन, व्हे पाउडर प्लांट, कच्ची घानी सरसों तेल प्लांट तथा गाय-भैंस की नस्ल सुधार हेतु स्थापित सीमेन स्टेशन का दौरा किया।

विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि बनासकांठा की सहकारी व्यवस्था किसानों की आय बढ़ाने, स्थानीय रोजगार सृजन और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से हरियाणा में भी इस प्रकार के सफल मॉडलों के अध्ययन और आदान-प्रदान की संभावनाओं पर विचार करने का आग्रह किया।

किसानों से जुड़ी योजनाओं को गंभीरता से लागू कर रही सरकार: श्याम सिंह राणा

एकीकृत बागवानी मिशन के तहत जिला स्तरीय बागवानी सेमिनार का आयोजन

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अनेकों योजनाएं चलाई है, जिनका लाभ किसानों को प्रत्यक्ष रूप में मिल भी रहा है। प्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों से जुड़ी योजनाओं को बहुत गंभीरता से लागू करती है। फलों व सब्जियों के बाजार मूल्य कम होने पर किसानों को भावांतर भरपाई योजना के तहत प्रत्यक्ष रूप में मुआवजा उपलब्ध करवाया जाता है, ताकि उत्पादकता एवं लागत में संतुलन बना रहें।

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा

शनिवार को यमुनानगर में बागवानी विभाग की ओर से खंड रादौर के त्रिवेणी गार्डन में एकीकृत बागवानी मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बागवानी, मधुमक्खी पालन और टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। राज्य सरकार प्रदेश में किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है, किसान-हित में योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हजारों एकड़ क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के माध्यम से सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है। संरक्षित खेती अपनाने वाले किसानों को 50 से 85 प्रतिशत तक अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि बागवानी क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन हेतु उत्कृष्टता केंद्रों (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना में भी हरियाणा देश में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि संरक्षित खेती और उन्नत तकनीकों के प्रयोग में भी हरियाणा अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। इसके अतिरिक्त, हरियाणा भावांतर भरपाई योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। इन दूरदर्शी और किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और राज्य को कृषि नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

राहुल गांधी ने कांग्रेस को रामलीला पार्टी बना दिया : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला । हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस को रामलीला पार्टी बनाकर छोड़ दिया है। अंबाला में मीडिया से बातचीत के दौरान हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि जिस तरह से रामलीला में एक ही एक्टर अलग-अलग रोल निभाता है, कभी राम की सेना में, कभी रावण की सेना में। इसी तरह ये लोग कभी किसान, कभी मजदूर, कभी व्यापारी बनकर आ जाते हैं। इनके पास असली लोग तो रहे नहीं, इसलिए ये वर्दियां बदल-बदलकर सीन क्रिएट कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही बाधित होने पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि लोकसभा में अपनी बात कहना और लोगों के मुद्दे उठाना आवश्यक है, लेकिन घर से सोच-समझकर आना कि सदन की कार्यवाही बाधित करनी है, यह गलत है। राहुल गांधी कभी कोई किताब उठाकर दिखा देते हैं, कभी कुछ और। राहुल गांधी को 140 करोड़ लोगों के मुद्दे को उठाना चाहिए। अगर उठाएंगे तो उन्हें कौन रोकता है। ये मुद्दे न उठाकर सदन बाधित करना चाहते हैं, ताकि लोगों के कल्याण के काम न हों। इसके लिए हिंदुस्तान की जनता ने इन पर नजर रखी हुई है और इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

मंत्री विज ने कहा कि सारे देश के लिए बहुत गर्व की बात है कि आज असम में हाईवे पर फाइटर जेट्स ने लैंडिंग की। यह मोदी सरकार में बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस के प्रधानमंत्री तो नॉर्थ ईस्ट में चीन के कारण जाते हुए भी डरते थे। कांग्रेस की सरकार ने उस क्षेत्र को नजरअंदाज किया और कोई विकास कार्य नहीं किया। पीएम मोदी के नेतृत्व में नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहां विकास हुआ, सड़कें बनाई गई और रेल कनेक्टिविटी बढ़ाई गई। हाईवे पर फाइटर जेट्स उतारकर पीएम मोदी ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है कि जिसे सारा विश्व देख रहा है।

अपनी संस्कृति से दूर होकर लोग कष्ट झेल रहे हैं: कौशिक जी महाराज

एजेंसी

गुरुग्राम। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने तीसरे दिन की श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के तीसरे दिन अपने प्रवचनों में कहा कि अगर हमें अच्छे लोगों से मिलना है तो खुद अच्छा बनना पड़ेगा।यहां सोहना अड्डा के निकट ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में की जा रही श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव में पहुंचे श्रद्धालुओं को श्री कौशिक जी महाराज ने शिवजी, शिवलिंग, मां पार्वती की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि यह बात भगवान शिव स्वयं कहते है कि जो उनकी पूजा करते हैं तो मुझमें और उनमें कोई भेद नहीं है। यदि व्यक्ति ने भगवान शिव की पूजा करने वाले का भी दर्शन कर लिया तो समझो काशी पहुंचकर विश्वनाथ का दर्शन कर लिया। उन्होंने लोगों को धर्म के रास्ते पर चलने का संदेश देते हुए कहा कि जो लोग दुनिया को खत्म करने में लगे हैं, बुरा करने में लगे हैं, उनसे दूरी ही बनाकर रखें। ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखो।

उन्होंने कहा कि जो लोग देवी देवताओं की सेवा में लगे हैं, हमें उनकी सेवा करनी चाहिए। वह भी भगवान महादेव की सेवा ही होगी। भगवान और इंसान की सेवा में किसी तरह का दिखावा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि घर से एक लौटा जल ले जाकर शिवलिंग पर अभिषेक तो करें ही, साथ ही मंदिर के जल से भी अभिषेक करें। पूजा विधि के अनुसार करें। भगवान शिव को चंदन चढ़ाने की भी उन्होंने कांसे की थाली का महत्व बताते हुए कहा कि जब भी घर में कोई महात्मा आ जाए तो उनके कांसे की थाली में चरण धोएं। पूजा में इस थाली का बहुत महत्व है।कांसे के पात्र में कभी शहद ना रखें वह अपवित्र हो जाता है। बेटी के विवाह में कांसे के बेला का बहुत महत्व होता है। कांसे के बेला में बुरा भरकर उसमें चांदी का सिक्का रखकर बेटी के सास-ससुर

को भेंट करें। इससे बेटी अपनी ससुराल में कभी दुखी नहीं रहेगी। उस घर की यश, कीर्ति बढ़ेगी। सभी सुख, साधन वहां होंगें। सभी कष्ट मिट जाएंगें।

यह हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है, मगर समय के साथ हमने इसे अपने से दूर कर दिया है। इसलिए हम कष्ट झेल रहे हैं।

विकसित भारत में रहेगी हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 में विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है, इसे पूरा करने में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। नई-नई योजनाएं बनाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। हरियाणा सरकार ने पिछले बजट में 10 नई आईएमटी बनाने की घोषणा की थी। इनमें से 6 आईएमटी पर तेजी से काम चल रहा है बाकि 4 आईएमटी का काम भी जल्द पूरा किया जाएगा। जीएसटी में प्रदेश पहले स्थान पर है। हरियाणा में रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर इतना बेहतर है कि साढ़े तीन से चार घंटे में एक कोने से दूसरे कोने में जाया जा सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट, चंडीगढ़ एयरपोर्ट और हिसार एयरपोर्ट की सीधे कनेक्टिविटी है। इन सभी को ध्यान में रखकर निवेशक निरंतर हरियाणा में आ रहे हैं, इससे विकसित भारत में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 1966 में जब हरियाणा- पंजाब से

अलग होकर एक नया प्रदेश बना तो हर किसी को प्रदेश की तरक्की पर शक था लेकिन हरियाणा ने तेजी से तरक्की की और अपनी अलग पहचान बनाई। आज भारत की सेना में हर दूसरा जवान हरियाणा से है। खेलों में यदि भारत के मेडल आते हैं तो उसमें सबसे ज्यादा योगदान हरियाणा के खिलाड़ियों का होता है। फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से 250 हरियाणा में काम कर रही हैं। आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चिरिंग में हरियाणा देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश सरकार जल्द ही नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लाने वाली है।

मेहनत और ईमानदारी से कोई भी शिखर किया जा सकता है हासिल: मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी

रोहतक। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत रोहतक पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हेलीपैड पर उतरा, जहां जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे कारों के काफिले के साथ महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) पहुंचे और यहां एक गेट का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने युवाओं को मेहनत, लगन और ईमानदारी से लक्ष्य हासिल करने का संदेश दिया। पत्रकारों से बातचीत में सीजेआई ने भावुक होते हुए कहा कि एमडीयू उनके लिए सिर्फ एक विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि उनके पेशेवर जीवन की शुरुआत का आधार है। उन्होंने कहा कि यह मेरी यूनिवर्सिटी है, जहां से मैंने लॉ की पढ़ाई की और मेरे प्रोफेशनल करियर की शुरुआत यहीं से हुई।

भारत का मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद यहां आकर मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है और पुरानी यादें ताज़ा हो गई हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि हर युवक-युवती अपनी क्षमता पर भरोसा करे और पूरी मेहनत व ईमानदारी से अपने लक्ष्य की ओर बढ़े। चाहे

न्यायपालिका हो, राजनीति, सिविल सेवा या कोई भी पेशा—लगन से कार्य करने वाला व्यक्ति उच्चतम पदों तक पहुंच सकता है। न्यायपालिका पर लोगों के विश्वास को लेकर उन्होंने कहा कि देश में बढ़ते मुकदमे इस बात का प्रमाण हैं कि आम जनता को न्याय प्रणाली पर गहरा विश्वास है। सीजेआई का स्वागत रोहतक के उपायुक्त सचिन गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भौरिया और विश्वविद्यालय प्रशासन ने किया।

एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद वे लॉ विभाग पहुंचे, जहां उन्होंने अपने छात्र जीवन की यादें साझा कीं। जस्टिस सूर्यकांत रोहतक में आयोजित एलुमनी मीट और जिला बार एसोसिएशन के सम्मान समारोह में भी शामिल हुए। कार्यक्रम में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर बाबा मस्तनाथ हेलीपैड से लेकर कोर्ट परिसर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

कुमारी सैलजा ने एक बार फिर मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया घग्गर के प्रदूषण और कैंसर का मुद्दा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा-फतेहाबाद-जींद क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र भेजा है। राज्य स्तरीय दिशा समिति की 11 फरवरी 2026 को बैठक आयोजित हुई थी जिसमें सांसद सैलजा व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि उस समय संसद का सत्र चल रहा था। उन्होंने बैठक में अपनी अनुपस्थिति जताते हुए सीएम को पत्र के माध्यम से जनहित से जुड़े सुझाव समिति के समक्ष रखने का आग्रह किया। सीएम को लिखे पत्र में सांसद सैलजा ने पिछली बैठक के लंबित मुद्दों का उल्लेख करते हुए गांव मांगेआना (सिरसा) स्थित भारत-इजराइल उत्कृष्टता केंद्र की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही इस केंद्र को महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल का क्षेत्रीय कैंपस घोषित करने के प्रस्ताव पर हुई कार्रवाई से समिति को अवगत कराने को कहा। उन्होंने सिरसा-फतेहाबाद क्षेत्र में बागवानी किसानों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बजट व संसाधन आवंटित करने तथा तीनों जिलों में चल रहे विकास कार्यों की ताजा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर जोर दिया। रेलवे संबंधी विषयों में कुमारी सैलजा ने अग्रोहा रेल लाइन के लिए पूर्व रेल बजट में किए गए 410 करोड़ रुपयों के प्रावधान का हवाला देते हुए वर्तमान बजट में इसके उल्लेख न होने पर चिंता जताई। उन्होंने दिशा समिति से रेल मंत्रालय को समर्थन पत्र भेजकर इस परियोजना को आस्था, पर्यटन, कृषि व्यापार और क्षेत्रीय विकास से जोड़ते हुए शीघ्र स्वीकृति दिलाने का अनुरोध करने को कहा। इसके अलावा हांसी-महम रेल लाइन पूर्ण होने के बाद सिरसा-महम-रोहतक वाया नई इंटरसिटी एक्सप्रेस सेवा शुरू करने की मांग भी उठाई।

वेदांता ने नायरा को घरेलू कच्चे तेल की आपूर्ति रोकी

- नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है

नई दिल्ली ।

रूस के अलावा दुनिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति बंद होने के बाद रोसनेफ्ट के समर्थन वाली वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनी नायरा एनर्जी को घरेलू बाजार में भी कच्चा तेल मिलना बंद हो गया है। सूत्रों के मुताबिक वेदांता लिमिटेड की केयर्न ऑयल एंड गैस ने पाबंदियों के इस माहौल के बीच नायरा को राजस्थान के अपने तेल क्षेत्र से से कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी है। नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है। राजस्थान से आने वाला कच्चा तेल उसकी कुल जरूरत का लगभग पांच-10 प्रतिशत था। इस आपूर्ति को गुजरात में उसकी दो करोड़ टन सालाना (लगभग 4,00,000 बैरल प्रति दिन) क्षमता वाली वाडिनार रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता था। पिछले साल यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा कंपनी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वेदांता लिमिटेड की लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज एक प्रतिबंध के दायरे में आने वाली कंपनी के साथ वाणिज्यिक करार के कारण दूसरे पाबंदियों के खतरे को लेकर सावधान हो गई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो

सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अनुपालन की संभावित दिक्कतों से बचने के लिए वेदांता की केयर्न ऑयल एंड गैस ने नायरा को कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी। केयर्न ऑयल एंड गैस राजस्थान के बाड़मेर तेल क्षेत्र का परिचालन करती है। हालांकि, इस बारे में नायरा को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंप नियों का मार्केट कैप तीन लाख करोड़ से अधिक घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 90,198.92 करोड़ रुपये घटकर 9,74,043.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 70,780.23 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,55,287.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 54,627.71 करोड़ रुपये घटकर 13,93,621.92 करोड़ रुपये

और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 41,883 करोड़ रुपये घटकर 19,21,475.79 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 23,971.74 करोड़ रुपये घटकर 5,46,226.80 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 19,244.61 करोड़ रुपये घटकर 11,43,044.03 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत एसबीआई का मूल्यांकन 1,22,213.38 करोड़ रुपये बढ़कर 11,06,566.44 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 26,414.44 करोड़ रुपये बढ़कर 6,37,244.64 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 14,483.9 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,028.93 करोड़ रुपये हो गया।

सट्टेबाजी पर लगाम लगाने आरबीआई ने शेयर बाजार से जुड़े कर्ज नियम किए सख्त

1 अप्रैल से लागू होंगे नए निर्देश, नए नियमों का सबसे अधिक असर प्रोपायटरी ट्रेडिंग फर्मों पर पड़ेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शेयर और कमोडिटी बाजार में बढ़ती सट्टेबाजी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कर्ज नियमों को कड़ा कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल से प्रतिभूति बाजार से जुड़े ब्रोकरों और अन्य मध्यस्थ संस्थानों को दिए जाने वाले सभी ऋण पूरी तरह सुरक्षित (कोलेटरल आधारित) होने चाहिए। अब बैंक ऐसे किसी भी कर्ज की अनुमति नहीं देंगे, जिसका उपयोग ब्रोकर अपनी खुद की प्रोपायटरी ट्रेडिंग या निवेश गतिविधियों में करें। नए नियमों का सबसे अधिक असर प्रोपायटरी ट्रेडिंग फर्मों पर पड़ सकता है। पूंजी की लागत बढ़ने और उधारी सीमित होने से उनकी लाभप्रदता पर दबाव आने की आशंका है। देश के सबसे बड़े शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में पिछले वर्ष इक्विटी ऑप्शंस कारोबार में प्रोप फर्मों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि कैश इक्विटी सेगमेंट में उनकी भागीदारी करीब 30 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 21 वर्षों का उच्च स्तर है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूंजी की उपलब्धता घटने से ट्रेडिंग वॉल्यूम प्रभावित हो सकता है। आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि बैंक किसी ब्रोकर की ओर से प्रोप ट्रेड के लिए गारंटी देते हैं, तो वह पूरी तरह सुरक्षित होनी चाहिए। कुल जमानत में कम से कम 50 प्रतिशत नकद अनिवार्य होगा, जबकि शेष हिस्सा नकद समकक्ष या सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किया जाएगा। मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत दिए जाने वाले ऋण भी अब केवल नकद या अत्यधिक तरल प्रतिभूतियों से सुरक्षित होंगे। यदि शेयर जमानत के रूप में पेश किए जाते हैं, तो उन पर 40 प्रतिशत की छूट (हेयरकट) लागू होगी। केंद्रीय बैंक का यह कदम वित्तीय प्रणाली में जोखिम को सीमित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

आईटी सेक्टर निफ्टी 50 में 26 साल के निचले स्तर पर, ऑयल और बीएफसी आगे

- वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा

नई दिल्ली ।

देश के सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष निराशाजनक रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसी बड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट का असर निफ्टी 50 इंडेक्स में भी दिखाई दे रहा है। निफ्टी 50 में आईटी सेक्टर का वेटेज घटकर 8.8 फीसदी रह गया है, जो मार्च 1999 के बाद सबसे कम स्तर है। मार्च 2025 में यह 11.7 फीसदी था, जबकि महामारी के दौरान मार्च 2021 में 16.2 फीसदी तक पहुंचा था। फिलहाल निफ्टी 50 में पांच आईटी कंपनियां हैं, जिनमें सबसे अधिक वेटेज इन्फोसिस (3.97 फीसदी) और टीसीएस (2.27 फीसदी) का है। आईटी सेक्टर अब निफ्टी 50 में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। ऑयल और गैस सेक्टर, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल है, ने इसे पीछे छोड़ दिया है। इस सेक्टर की हिस्सेदारी वर्तमान में 9.2 फीसदी है। वहीं बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर का दबदबा बढ़कर 36.5 फीसदी हो गया है। यह पिछले साल 35.6 फीसदी था। वित्त वर्ष 2025-26 में आईटी शेयरों का प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स, जो देश की 10 प्रमुख आईटी कंपनियों के फ्री फ्लोट मार्केट कैप को ट्रैक करता है, पिछले साल मार्च से अब तक 11.4 फीसदी गिर चुका है।

वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

- सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी बाजार की धारणा कर सकता है प्रभावित

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह आईटी कंपनियों में दबाव के कारण गिरावट का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन शुक्रवार को बाजार में भारी गिरावट ने निवेशकों के पोर्टफोलियो पर लाल निशान छोड़ दिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं था। निवेशक अब आने वाले सप्ताह की ओर अपनी नजरें लगाए हुए हैं, क्योंकि बाजार में स्थिरता की उम्मीद फिलहाल नहीं है। इस सप्ताह में निवेशक मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों पर ध्यान देंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मिनट्स जारी होने वाले हैं, जो ब्याज दरों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति का स्पष्ट संकेत देंगे। इसके अलावा सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी भारतीय बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक इन संकेतों के आधार पर अपने निवेश निर्णयों को संशोधित कर सकते हैं। घरेलू स्तर पर इस सप्ताह

आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होंगे। ये आंकड़े बाजार की धारणा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक इन आंकड़ों और वैश्विक संकेतों का विश्लेषण करके अपनी रणनीति तय करेंगे। इसके अलावा बैंकिंग, मेटल और आईटी सेक्टर पर भी इन आंकड़ों का असर देखा जा सकता है।

यूनिलीवर का भारत में कारोबार मजबूत, होम केयर खंड में बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर ने कहा है कि अमेरिका के बाद उसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है। कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजों में यह बात सामने आई। यूनिलीवर ने बताया कि होम केयर खंड में 4.7 प्रतिशत की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि और 4 प्रतिशत की बिक्री मात्रा में वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि भारत में उत्पादों की लगातार मजबूत खपत के कारण संभव हुई। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि होम केयर खंड में फैब्रिक वॉश और घरेलू देखभाल उत्पादों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारत में बिक्री की मात्रा मध्यम एकल अंक में बढ़ी। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी ने अब तक की सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। फर्नांडीस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और भारत यूनिलीवर के लिए स्पष्ट रूप से एंकर मार्केट (मुख्य आधार बाजार) हैं। यूनिलीवर के लिए भारत न केवल बिक्री में वृद्धि का स्रोत बन रहा है, बल्कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।

लेनोवो इंडिया का राजस्व बढ़ा, डिजिटल और एआई खंड में मजबूती

- तीसरी तिमाही में 8,145 करोड़ रुपये का राजस्व मिला

नई दिल्ली । प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लेनोवो इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में अपने राजस्व में 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 8,145 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने इस वृद्धि के लिए भारत में डिजिटलीकरण की गति और एआई (कृत्रिम मेधा) अपनाने को मुख्य कारण बताया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रदर्शन केवल एक बार का उछाल नहीं है, बल्कि निरंतर बनी रहने वाली मांग को दर्शाता है। मोबाइल, कंप्यूटर/लैपटॉप, टैबलेट और अवसंरचना खंडों में लेनोवो के विस्तृत पोर्टफोलियो ने इस वृद्धि को बल दिया। आईडीसी के आंकड़ों के अनुसार मोटोरोला ने इस तिमाही में भारत में 8.3 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके अलावा लेनोवो के कंप्यूटर/लैपटॉप व्यवसाय और सर्वर एवं अवसंरचना खंड ने भी सालाना दहाई अंकों में वृद्धि दर्ज की। अे धिकारी ने बताया कि भारत की वैश्विक राजस्व में हिस्सेदारी लगभग 4 फीसदी, जबकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यह 24 फीसदी है। भारत केवल राजस्व केंद्र नहीं, बल्कि विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और एआई प्रतिभा विकास का भी मुख्य केंद्र बन रहा है। सरकार की पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना जैसी पहलें इस तंत्र को और मजबूत कर रही हैं। कंपनी का मानना है कि डिजिटलीकरण और एआई अपनाने की गति आने वाले वर्षों में व्यवसायिक विकास को और तेज करेगी।

बेजेल इंटरनेशनल दे रही है पहली बार बोनस शेयर

मुंबई । बेजेल इंटरनेशनल` लिमिटेड ने घोषणा की है कि वह अपने निवेशकों को पहली बार बोनस शेयर देगी। कंपनी ने तय किया है कि हर शेयरधारी को 1ड्ड1 रेशियो में बोनस शेयर मिलेगा। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 18 फरवरी 2026 रखी गई है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के नाम कंपनी की रिकॉर्ड बुक में होंगे, उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। पिछले दो हफ्तों में बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में 17.59 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि, एक साल में निवेशकों को 21 फीसदी का नुकसान हुआ है। कंपनी का 52-सप्ताह का हाई 94.55 और लो 50.05 रुपए है। बेजेल ने लंबी अवधि में शानदार प्रदर्शन दिखाया है। दो साल में 88 फीसदी, तीन साल में 79 फीसदी और पांच साल में 492 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को मिला है। कंपनी का मार्केट कैप 18.35 करोड़ रुपए है। दिसंबर 2025 तक प्रमोटर्स के पास 0.08 फीसदी हिस्सेदारी थी, जबकि पब्लिक के पास 94.26 फीसदी शेयर थे।

सोना-चांदी में नई तेजी की तैयारी, निवेशकों की नजर रैली पर

एमसीएक्स पर चांदी 3.6 फीसदी बढ़ी, सोना 1,56,200 रुपए पर स्थिर

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच बाजार में फिर से तेजी की चर्चा तेज हो गई है। शुक्रवार को एमसीएक्स पर चांदी 8,564 रुपए बढ़कर 2,44,999 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 305 रुपए की हल्की बढ़त के साथ 1,56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। हाजिर चांदी 2.1 फीसदी बढ़कर 77.27 डॉलर प्रति औंस और हाजिर सोना 2.33 फीसदी चढ़कर 5,063 डॉलर प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने के लिए 1,50,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का स्तर मजबूत सपोर्ट बना हुआ है। यदि कीमतें 1,60,000 रुपए के ऊपर टिकती हैं, तो 1,65,000-1,70,000 रुपए की ओर नया बुलिश मोमेंटम बन सकता है। चांदी के लिए 2,33,000-2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम का सपोर्ट जोन मजबूत माना जा रहा है। 2,65,000 रुपए के ऊपर ब्रेकआउट होने पर मीडियम टर्म में 2,80,000 रुपए तक तेजी की संभावना जताई जा रही है। बाजार में रिकवरी को निवेशकों की नई खरीदारी और कमजोर डॉलर संकेतों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा वैश्विक संकेत, ब्याज दरों को लेकर उम्मीदें और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी आने वाले दिनों में सोना-चांदी की चाल तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सपोर्ट मजबूत बने हुए हैं और यदि प्रमुख रेजिस्टेंस स्तर टूटते हैं तो बुलियन मार्केट में फिर से बुलिश ट्रेंड देखने को मिल सकता है। निवेशक अब अगली बड़ी रैली के संकेतों पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे आने वाले हफ्तों में बाजार में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

विदेशी दबाव और नई फसल के बीच खाद्य तेलों के दाम में उतार-चढ़ाव

- अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में पिछले सप्ताह खाद्य तेलों के दाम में गिरावट रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की अफवाहों ने भी घरेलू बाजार पर दबाव डाला। अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का दाम एमसएपी से ऊपर बना हुआ है। नई फसल मंडियों में आने को तैयार है और तेल की मात्रा भी अधिक है। तेल मिलें खरीद मूल्य कम करने का प्रयास कर रही हैं। मौसम खुलने पर आवक बढ़ने से दाम और टूटने की संभावना है। सोयाबीन की उपलब्धता कम होने के कारण तेल संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। ब्राजील में अच्छी फसल और आगे के सौदे दामों को 8-10 रुपये/किलो नीचे धकेल रहे हैं। परिणामस्वरूप सोयाबीन तेल के दाम में भी गिरावट रही। मूंगफली की मांग अधिक और उपलब्धता कम रहने से दाम में मजबूती बनी रही। जाड़े और कम मांग के कारण पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरकार ने आयात शुल्क भी बढ़ाया है, जिससे बाजार में संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 40 रुपये की गिरावट के साथ 6,910-6,935 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,490 रुपये और 2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, जाड़े में साबुत खाने और अच्छी गुणवत्ता के खाद्य तेल की मांग बढ़ने से अकेले मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार देखा गया। मूंगफली तिलहन 125 रुपये सुधरकर 7,125-7,500 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 2,775-3,075 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। बीते सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 11,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का दाम भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही में औसतन 85 फीसदी बोनस का ऐलान किया

नई दिल्ली । देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही के लिए कर्मचारियों को औसतन 85 प्रतिशत प्रदर्शन बोनस देने की घोषणा की है। व्यक्तिगत स्तर पर बोनस 75 से 100 फीसदी तक दिया गया। कुछ कर्मचारियों को पिछले क्वार्टर से करीब 15 फीसदी अधिक राशि मिली है। यह वित्त वर्ष 2025-26 का अब तक का सबसे अधिक बोनस माना जा रहा है। जनवरी में जारी तीसरी तिमाही के नतीजों के अनुसार, स्थिर मांग और बड़े डील्स ने कारोबार को मजबूती दी। इसी सकारात्मक प्रदर्शन के चलते इस बार वेरिएबल पे पहले की तुलना में बेहतर है। इंफोसिस में करीब 3.23 लाख कर्मचारी हैं। कंपनी ने नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक वार्षिक मूल्यांकन पूरा किया और दिसंबर में व्यक्तिगत रेटिंग जारी की। आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से विकास के बीच यह बेहतर बोनस कर्मचारियों के मनोबल और विश्वास को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है। कर्मचारी अब सालाना वेतन वृद्धि की घोषणा पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, पिछले साल अधिकतर कर्मचारियों को 5-8 फीसदी वृद्धि मिली थी।

हीरो मोटोकॉर्प का स्कूटर, प्रीमियम बाइक और ईवी पर फोकस

- चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.97 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे गए

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब उन क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, जहां इसकी हिस्सेदारी अभी कम है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि स्कूटर, प्रीमियम मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में विस्तार की बड़ी संभावना है। उनका कहना था कि तेजी से बढ़ते इन सेगमेंट में अवसरों का पूरा फायदा उठाना कंपनी की प्राथमिकता है। हीरो मोटोकॉर्प अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपने कदम मजबूत करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, कलपुर्ज़ और एक्सेसरीज (स्पेयर पार्ट्स और सहायक उपकरण) के कारोबार में विस्तार कर कंपनी अपने राजस्व के नए स्रोत खोज रही है। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 12,487 करोड़ रुपये का राजस्व और 1,275 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.97 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे गए, जो पिछले साल इसी अवधि की 14.64 लाख इकाई की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। अे धिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और लचीला बनाए रखने पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि कलपुर्ज़ की कमी और भू-राजनीतिक चुनौतियां पूरी तरह समाप्त

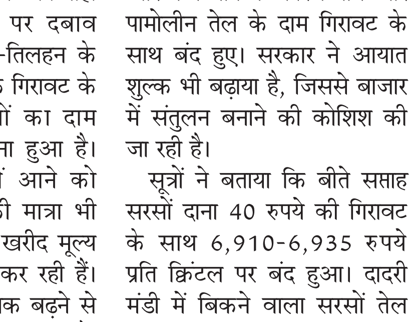

नहीं हुई हैं, लेकिन कंपनी इन परिस्थितियों से अच्छी तरह निपट रही है। हीरो मोटोकॉर्प प्रीमियम स्कूटर, ईवी पोर्टफोलियो और 'हीरो 2.0' व 'प्रीमिया' के माध्यम से ग्राहक सेवा में सुधार और निवेश जारी रखेगी। कंपनी की रणनीति स्पष्ट हैः सिर्फ बिक्री बढ़ाना ही नहीं, बल्कि उच्च-मूल्य वाले सेगमेंट और वैश्विक विस्तार में भी अपनी पकड़ मजबूत करना।

सुप्रीम कोर्ट की रेरा पर सख्ती, रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ेगी जवाबदेही

- निवेशक और खरीदार जिम्मेदार और संगठित कंपनियों की ओर आकर्षित होंगे

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कामकाज पर गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कई राज्यों में प्राधिकरण डिफॉल्टर बिल्डर्स को राहत देते दिख रहे हैं, जबकि उनका मुख्य उद्देश्य खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि प्राधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य नहीं करते, तो रेरा के अस्तित्व पर पुनर्विचार आवश्यक हो सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अब केवल कानून का होना पर्याप्त नहीं है; उसका ईमानदार और कड़ा प्रवर्तन जरूरी है। राज्यों के रेरा प्राधिकरणों को परियोजनाओं की समयसीमा की निगरानी, एस्क्रो खातों का पारदर्शी उपयोग और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना होगा। इससे खरीदारों का भरोसा बढ़ेगा और बाजार में पारदर्शिता आएगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद रेरा प्राधिकरणों पर दबाव बढ़ेगा कि शिकायतों का निपटारा तेजी और पारदर्शिता के साथ करें। इससे घर खरीदारों के अधिकार सुरक्षित होंगे और उनकी उम्मीदों पर खरी उतरी जाएगी। विश्लेषकों के अनुसार, सख्त प्रवर्तन छोटे या कमजोर डेवलपर्स के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।

रेलवे सुधारों पटरी पर नई एक्सप्रेस

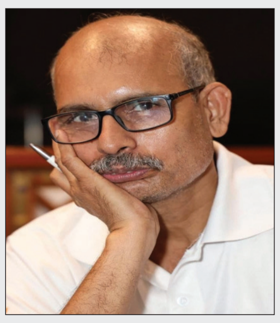

विनोद कुमार सिंह

रेल मंत्रालय द्वारा घोषित 'बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाएं' और 'गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के माध्यम से रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' की रणनीति,भारतीय रेल के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखी जा सकती है। यह सुधार केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर,औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला,और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला कदम है।

ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है...

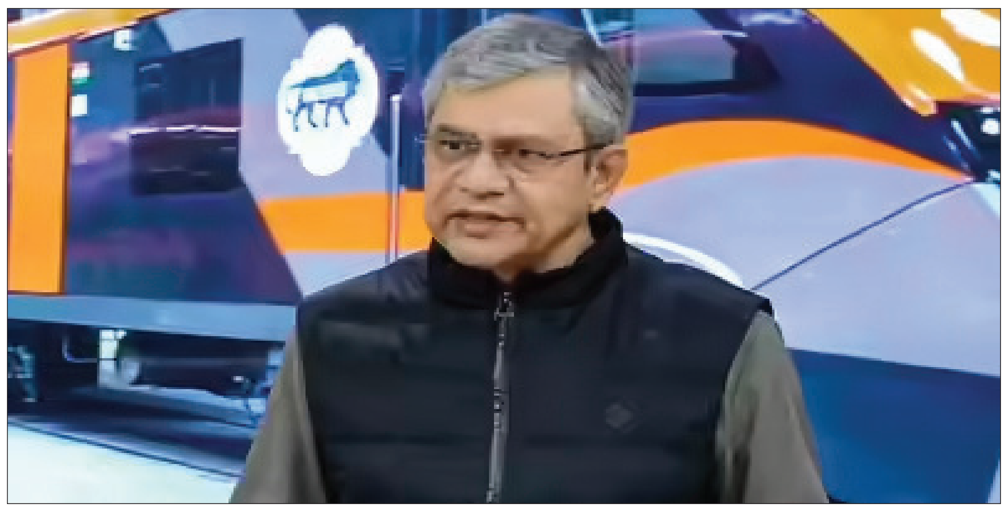

भारतीय रेल केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक,सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की धमनियों में प्रवाहित होने वाला जीवन प्रवाह है। ब्रिटिश काल में बिछी रेल पटरियों से लेकर स्वतंत्र भारत के औद्योगिक और सामाजिक पुनर्निर्माण तक,रेल ने देश को जोड़ा,गति दी और एक राष्ट्र की भौगोलिक विविधताओं को एक साझा अनुभव में पिरोया। आज जब भारत 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ 21वीं सदी के तीसरे दशक में आगे बढ़ रहा है,तब भारतीय रेल स्वयं को एक पारंपरिक परिवहन सेवा से बदलकर एक आधुनिक, तकनीक-संचालित,लॉजिस्टिक्स-सक्षम और ग्राहक-केंद्रित परिवहन इकोसिस्टम के रूप में पुनर्परिभाषित कर रही है।

रेल मंत्रालय द्वारा घोषित 'बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाएं' और 'गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के माध्यम से रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' की रणनीति,भारतीय रेल के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखी जा सकती है। यह सुधार केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर,औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला,और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला कदम है। रेल यात्रा अनुभव के संदर्भ में भारतीय रेल लंबे समय से आम नागरिकों की जीवनरेखा रही है,परंतु यात्रियों की अपेक्षाएं समय के साथ बदलती गई हैं। स्वच्छता,आराम,समय बद्धता और सेवा गुणवत्ता अब केवल सुविधा नहीं बल्कि अधिकार के रूप में देखी जाने लगी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में रेलवे द्वारा सामान्य डिब्बों सहित सभी कोचों में निरंतर सफाई की व्यवस्था लागू करने का निर्णय ऐतिहासिक महत्व रखता है। सामान्य श्रेणी के यात्रियों को अब तक सुविधाओं के मामले में अक्सर उपेक्षित माना जाता रहा है,किंतु वर्तमान सुधारों का केंद्रबिंदु यही वर्ग है,जो भारतीय रेल के सामाजिक लोकतंत्र का प्रतीक है।

रेलवे द्वारा बेहतर लिनन प्रबंधन और कोच सफाई के लिए सेवा प्रदाता की पहचान तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव,भारतीय रेल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है। एआई सक्षम निगरानी प्रणाली केवल सफाई की निगरानी तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि यह सेवा गुणवत्ता,शिकायत निवारण और प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक डेटा-आधारित प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है।इससे रेलवे प्रशासन के निर्णय अधिक वैज्ञानिक,पारदर्शी और उत्तरदायी बनेंगे। रेलवे सुधारों का दूसरा और अधिक व्यापक आयाम रेल- आधारित लॉजिस्टिक्स और मल्टी-मॉडल टर्मिनलों के रूप में सामने आया है।वर्तमान में देश में 124 मल्टी- मॉडल टर्मिनल कार्यरत हैं,जिन्हें अब 'कार्गो-प्लस- प्रोसेसिंग हब' के रूप में विकसित करने की योजना है।इसका अर्थ यह है कि रेल टर्मिनल केवल माल लोड और अनलोड करने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग,भंडारण,प्रसंस्करण और वितरण के केंद्र बनेंगे।यह अवधारणा विकसित देशों के लॉजिस्टिक्स मॉडल के अनुरूप है, जहां परिवहन केंद्र आर्थिक गतिविधियों के क्लस्टर के रूप में कार्य करते हैं।इसके अतिरिक्त, 500 से अधिक गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों की योजना भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत विभिन्न परिवहन माध्यमों–रेल, सड़क, जलमार्ग और वायु मार्ग–के एकीकरण का जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है,भारतीय रेल उसमें केंद्रीय भूमिका निभाने जा रही है।रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स लागत-कुशल,ऊर्जा-कुशल और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक संरचना वाले देश में, जहां माल परिवहन की लागत सकल घरेलू उत्पाद का महत्वपूर्ण हिस्सा है,रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं।

लॉजिस्टिक्स सुधारों का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि,उद्योग,व्यापार और निर्यात क्षेत्र पर पड़ेगा।कृषि उत्पादों की समयबद्ध ढुलाई,औद्योगिक कच्चे माल की आपूर्ति, तैयार माल का वितरण और ई-कॉमर्स की बढ़ती मांग ऑल इन क्षेत्रों में रेल आधारित कार्गो नेटवर्क एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।विशेष रूप से भारत के अंतदेर्शीय और दूरस्थ क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों का विस्तार होगा,जहां सड़क और अन्य परिवहन साधन सीमित हैं।

भारतीय रेल द्वारा फील्ड लर्निंग और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के आधार पर इन सुधारों को पूरे नेटवर्क में लागू करने की योजना, प्रशासनिक परिपक्वता और व्यावहारिक दृष्टिकोण का संकेत है। अक्सर बड़े पैमाने पर लागू की गई योजनाएं जमीनी स्तर पर असफल हो जाती हैं,किंतु चरणबद्ध कार्यान्वयन और फील्ड अनुभव से सीखने की रणनीति नीति निर्माण में आधुनिक शासन मॉडल को दशार्ती है।रेलवे सुधारों का यह अभियान केवल तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहीं है,बल्कि यह एक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का वाहक है।भारतीय रेल लोकतांत्रिक भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक संस्थान है,जहां अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण,सभी एक ही डिब्बे में यात्रा करते हैं।इसलिए जब सामान्य कोचों की सफाई और सेवा गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाती है,तो यह सामाजिक न्याय और समावेशन की भावना को भी प्रतिबिंबित करता है।डिजिटल निगरानी,एआई आधारित प्रणाली और सेवा प्रदाताओं के माध्यम से सफाई और लिनन प्रबंधन की गुणवत्ता सुधारने का उद्देश्य केवल दृश्य स्वच्छता नहीं,बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और यात्री संतोष को बढ़ाना भी है। स्वच्छता केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि गरिमा और सुरक्षा का प्रश्न है।कोविड-19 महामारी के बाद स्वच्छता और स्वास्थ सुरक्षा के प्रति नागरिकों की संवेदनशीलता बढ़ी है , भारतीय रेल का यह कदम उसी चेतना का परिणाम है।भारतीय रेल द्वारा लॉजिस्टिक्स हब के रूप में टर्मिनलों के विकास से निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश के नए अवसर भी खुलेंगे।सार्वजनिक- निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से आधुनिक वेयरहाउसिंग,कोल्ड स्टोरेज,प्रोसेसिंग यूनिट्स और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं।इससे रोजगार सृजन,क्षेत्रीय विकास और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। भारत की अर्थव्यवस्था में लॉजिस्टिक्स की लागत लगभग 13-14 प्रतिशत आंकी जाती है, जो विकसित देशों की तुलना में अधिक है। रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधारों से इस लागत में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि यह लक्ष्य सफल होता है,तो भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे,निर्यात बढ़ेगा और 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को ठोस आधार मिलेगा।रेलवे सुधारों का यह अभियान उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है,जिसमें भारत अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक,टिकाऊ और डिजिटल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाई-स्पीड रेल,समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास, .वंदे भारत ट्रेनें,और डिजिटल टिकटिंग -ये सभी पहलें एक समग्र परिवहन क्रांति की ओर संकेत करती हैं।ऑन-बोर्ड सेवाओं में सुधार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार इस क्रांति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।इस परिवर्तन की सफलता प्रशासनिक क्षमता,तकनीकी कार्यान्वयन, वित्तीय संसाधनों और नागरिक सहभागिता पर निर्भर करेगी।सेवा प्रदाताओं की पारदर्शी नियुक्ति, एआई सिस्टम की विश्वसनीयता, डेटा सुरक्षा,और जमीनी स्तर पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण - ये सभी कारक सुधारों की स्थिरता और प्रभावशीलता को निर्धारित करेंगे।

भारतीय रेल के सुधारों की यह नई एक्सप्रेस केवल पटरियों पर दौड़ती ट्रेन नहीं,बल्कि भारत के विकास पथ पर दौड़ती परिवर्तन की रेलगाड़ी है। यह सुधार भारत के आम नागरिक को बेहतर यात्रा अनुभव, उद्योग को कुशल लॉजिस्टिक्स,और राष्ट्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

जब सामान्य कोच का यात्री स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में यात्रा करेगा,जब किसान का उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेगा,जब उद्योग को कच्चा माल सस्ती और तेज गति से मिलेगा,और जब भारत का निर्यात वैश्विक बाजार में नई पहचान बनाएगा - तब यह कहा जा सकेगा कि भारतीय रेल ने केवल पटरियां नहीं बिछाईं,बल्कि विकसित भारत की राह भी प्रशस्त की।भारतीय रेल के इस परिवर्तन कारी अभियान को केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं,बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।यह मिशन भारत की गति, दिशा और नियति को आकार देने वाला है।रेल की सीटी केवल स्टेशन पर आगमन का संकेत नहीं,बल्कि भारत के भविष्य के आगमन की उद्घोषणा है। वही ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है ।

संपादकीय

गुमशुदाओं की तलाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशतः बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा।

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

नारी ही परिवार की खुशी, राष्ट्र का गौरव और सुख की धुरी है

सुनील कुमार महला

स्त्री की गरिमा और उसका सम्मान भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रहे हैं। हमारे यहां नारी को शक्ति, करुणा और सृजन का प्रतीक माना गया है तथा शास्त्रों में कहा गया है-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह प्रसिद्ध संस्कृत वचन मनुस्मृति से लिया गया है, जिसका अर्थ है कि जहां नारी का सम्मान और आदर होता है, वहां देवताओं का वास होता है। वास्तव में, यह कथन भारतीय संस्कृति में स्त्री के उच्च और पूजनीय स्थान को दशार्ता है। नारी को शक्ति, करुणा, त्याग और सृजन की प्रतीक माना गया है। सच तो यह है कि परिवार और समाज की असली आधारशिला नारी ही होती है और जिस समाज में महिलाओं को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा मिलती है, वह समाज और देश प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है। इसके विपरीत, जहां नारी का अपमान होता है, वहां अशांति और पतन का वातावरण बनता है। इसलिए नारी सम्मान केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक आवश्यकता भी है।इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान महिलाओं ने साहस, नेतृत्व और त्याग का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। परिवार और समाज के निर्माण में स्त्री की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है; वह मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में जीवन को संवेदना, संतुलन और संस्कार प्रदान करती है। आज के आधुनिक युग में महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्त्री का सम्मान केवल परंपरा या शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक व्यवस्था में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे, तभी हमारा समाज सच्चे अर्थों में उन्नत और सभ्य बन सकेगा। बहरहाल, स्त्रियों की गरिमा व सम्मान के क्रम में हाल ही में जैस्मीन सैंडलस ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान एक बड़ा और साहसी कदम उठाया। जब कुछ लोग वहां मौजूद लड़कियों और महिलाओं को परेशान कर रहे थे, तो उन्होंने गाना बीच में ही रोक दिया। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि जैस्मीन सैंडलस एक प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी पंजाबी गायिका और गीतकार हैं, जिन्होंने अपने अलग अंदाज और दमदार आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाई है। उनका जन्म 4 सितंबर 1985 को पंजाब के जालंधर में हुआ और बाद में वह अमेरिका के कैलिफोर्निया में पली-बढ़ीं। उन्होंने 2007 में अपने करियर की शुरूआत की और पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में तेजी से लोकप्रिय हुईं। बॉलीवुड में उन्हें बड़ी पहचान फिल्म किक के गीत यार ना मिले से मिली। उनके गानों में पॉप, आर एंड बी और पंजाबी फोक का मिश्रण देखने को मिलता है। जैस्मीन न सिर्फ गायिका हैं बल्कि अपने कई गीत स्वयं लिखती भी हैं, और अपनी बेबाक शैली व ऊर्जावान स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं।जैस्मीन सैंडलस ने संगीत कार्यक्रम के दौरान यह बात साफतौर पर कहीं कि जब तक महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, वह मंच पर नहीं गाएंगी। वास्तव में,यह घटना बताती है कि आज भी सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं को अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। घर से बाहर निकलते ही उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता रहती है। दुख की बात यह है कि ऐसे मामलों में कई लोग सब कुछ देखकर भी चुप रहते हैं।आज आए दिन मीडिया की सुर्खियों में यह खबरें हमें पढ़ने को मिलतीं रहतीं हैं कि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को आज अभद्र टिप्पणियों, घूरने, छेड़छाड़ और उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बस, ट्रेन, बाजार, दफ्तर या यहां तक कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास भी वे असुरक्षा की भावना से घिरी रहती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि घर से बाहर कदम रखते ही उन्हें अपने कपड़ों, समय और रास्तों तक के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेना पड़ता है। वास्तव में,यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की समस्या भी है। जब तक महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता की भावना समाज में मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल सख्त कानून भी पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाएंगे। परिवार, विद्यालय और समाज सभी को मिलकर ऐसी मानसिकता विकसित करनी होगी, जिसमें महिला को स्वतंत्र और सुरक्षित नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। वास्तव में, सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाना सरकार, प्रशासन और हम सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सीसीटीवी, हेल्पलाइन, त्वरित कार्रवाई जैसे उपाय जरूरी हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार। जब महिलाएं बिना भय के स्वतंत्र रूप से बाहर निकल सकेंगी, तभी समाज वास्तव में प्रगतिशील कहलाएगा। हाल फिलहाल, जैस्मीन सैंडलस का यह कदम सिर्फ एक कार्यक्रम रोकना नहीं था, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मसम्मान के लिए खड़ा होना था। उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी भी हालत में महिलाओं के साथ बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। कहना गलत नहीं होगा कि उनका यह साहस पूरे समाज के लिए एक सीख है। अंत में यही कहूंगा कि, जैसा कि हमारी संस्कृति में कहा गया है कि -शोचन्ति जामयो यत्र विनश्यत्याशु तत्कुलम्।न शोचन्ति च यत्रैता वर्धते तद्धि सर्वदा।। तात्पर्य यह है कि जहाँ परिवार की स्त्रियाँ दुखी रहती हैं, वह कुल शीघ्र नष्ट हो जाता है, और जहाँ वे प्रसन्न रहती हैं, वह परिवार सदैव उन्नति करता है। वास्तव में नारी ही परिवार की खुशी, राष्ट्र का गौरव और सुख की धुरी है, इसलिए उन्हें सदैव सम्मान मिलना चाहिए।

कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें: सफलता के नाम पर असफल समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या–यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित 'सफलता मॉडल' पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है–माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निमार्ता सभी इसके दायरे में आते हैं।

कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह गलत थी।

आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफे पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर 'एजुकेशन हब' कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं–आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यकीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।

कृति का यह कथन कि '90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है' हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ. गलत है, बल्कि खतरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक 'परफेक्ट स्टूडेंट' की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है।

कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेजी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हजारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना–कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई–हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं।

कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है।

आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे जरूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औजार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं।

हर ऐसी मौत के बाद सरकार की ओर से औपचारिक बयान आते हैं, जाँच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ दिनों तक बहस चलती है। इसके बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। न कोचिंग संस्थानों के कामकाज पर सख़्त निगरानी होती है, न उनके घंटे सीमित किए जाते हैं, न मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाता है। यदि सरकार सच में गंभीर है, तो कोचिंग उद्योग के लिए सख़्त नियमन, छात्रों के लिए सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल स्तर पर करियर की विविध संभावनाओं को स्वीकार करने की ठोस नीति बनानी होगी।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम सफलता को किस रूप में परिभाषित करते हैं। क्या एक अच्छा इंसान बनना, मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और अपनी रुचि के क्षेत्र में संतुष्ट जीवन जीना सफलता नहीं है? यदि नहीं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो चयनित तो होगी, लेकिन भीतर से टूटी हुई और असंतुष्ट होगी। कृति की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम अपने बच्चों को ज़िंदा रहते हुए ही तो नहीं मार रहे–उनकी इच्छाओं को, उनके सपनों को और उनकी स्वतंत्रता को।

कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

संक्षिप्त समाचार

हैती में सशस्त्र गिरोह लगातार कर रहा बच्चों की भर्ती : यूनिसेफ

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की रिपोर्ट के मुताबिक, हैती में सशस्त्र गिरोह लगातार बच्चों की भर्ती कर रहा है। यह संख्या पिछले वर्ष में तिगुनी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, गरीबी और हिंसा के बीच 14 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, इनमें आधे से अधिक बच्चे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गिरोहों के 30 से 50 प्रतिशत सदस्य बच्चे हैं, कुछ की उम्र 9 वर्ष तक है। गिरोह राजधानी पोर्ट-एयू-प्रिंस के 90 फीसदी हिस्से पर काबिज हैं।

तुर्किये में ओनलीफैंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 16 गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में ओनलीफैंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 16 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस संबंध में लगभग 69 लाख डॉलर की संपत्ति जब्त की गई। यह कार्रवाई आठ प्रांतों में की गई है, इनमें इस्तांबुल, अंकारा और अंताल्या शामिल हैं। जांच में 25 संदिग्धों और दो कंपनियों को निशाना बनाया गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपियों ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री साझा कर ओनलीफैंस और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म से कमाई की और कालेधन को संपत्तियों, बिटकॉइन व सोने में निवेश कर सफेद किया।

सिंगापुर में भारतीय पर महिला की हत्या के प्रयास का आरोप

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक पर इंडोनेशियाई महिला की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या के प्रयास का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पन्नीर सेल्वम ने बुधवार सुबह पूर्वी सिंगापुर के सिम्स व्यू इलाके में फजर नूर ऐनी पर हमला। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों एक-दूसरे को जानते थे। अदालत में पेश आरोपपत्र में कहा कि सेल्वम की मंशा हत्या करना थी। मामले में दोषी पाए जाने पर उसे आजीवन कारावास या 20 वर्ष तक की सजा हो सकती है।

अमेरिका-ताइवान में समझौता 99% कम होंगी टैरिफ बाधाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ताइवान की 99 फीसदी टैरिफ बाधाएं कम करने पर सहमत हुआ है। अमेरिकी प्रतिनिधि के अनुसार, ताइवान से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 15 फीसदी या मोस्ट फेवर्ड नेशन दर लागू होगी। अमेरिका ताइवान से कंप्यूटर चिप्स की आपूर्ति पर काफी निर्भर है। इस कारण 2025 के पहले 11 महीनों में लगभग 127 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन और ताइवान के उप प्रधानमंत्री ली-चियुन चेंग की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

कोलोराडो में विमान हादसा, चार लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। उत्तरी कोलोराडो में स्टीमबोट स्प्रिंग्स के स्की रिसॉर्ट के पास शुक्रवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। संघीय विमानन प्रशासन के मुताबिक, छह सीटों वाला टर्बोप्रॉप विमान एपिक ई1000 रात करीब 12:20 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें चार लोग सवार थे। राउट काउंटी के कोरोनर मिच लॉक ने बताया कि घटनास्थल पर ही चारों लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान अज्ञात परिस्थितियों में पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दोनों ने कहा कि वे दुर्घटना की जांच कर रहे हैं। यह विमान टेनेसी के फ्रैंकलिन स्थित एएलएस एविएशन एलएलसी के नाम पर पंजीकृत है। टेनेसी के व्यावसायिक रिकॉर्ड में कंपनी के बारे में संपर्क करने के लिए किसी व्यक्ति का नाम दर्ज नहीं है।

पेरिस पुलिस ने अधिकारियों पर हमला करने की कोशिश करने वाले शख्स को गोली मार कर किया घायल

पेरिस , एजेंसी। पेरिस पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, हमलावर ने नेपोलियन युग के ऐतिहासिक स्थल पर अज्ञात सैनिकों को श्रद्धांजलि देने वाली चिरस्थायी लौ को पुन: प्रज्वलित करने के समारोह की सुरक्षा कर रहे एक अधिकारी को निशाना बनाया। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अधिकारी ने हमलावर पर गोली चलाई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस घटना में कोई भी राहगीर या पुलिस अधिकारी घायल नहीं हुआ। फ्रांस के आतंकवाद विरोधी अभियोजक कार्यालय ने कहा कि वह मामले की जांच कर रहा है और उसने एक जांचकर्ता को घटनास्थल पर भेजा है। आर्क डी ट्रायम्फ पेरिस के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक है और यह व्यस्त चैंप्स-एलिसी एवेन्यू के शीर्ष पर स्थित है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश का मामला: भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की सजा

न्यूयॉर्क कोर्ट में गुनाह कबूला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक निखिल ने शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क की कोर्ट में गुनाह कबूल कर लिया है। 29 मई को सजा का औपचारिक ऐलान किया जाएगा। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने एक्स पर पोस्ट कर निखिल गुप्ता के अपराध कबूलने की जानकारी दी। एफबीआई के मुताबिक, यह साजिश एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए रची गई थी, जिसे अमेरिकी एजेंसियों ने समय रहते नाकाम कर दिया। यूएस अटॉर्नी ऑफिस के बयान के मुताबिक, निखिल गुप्ता उर्फ 'निक' ने सेकंड सुपरसिडिंग इंडिक्टमेंट में लगाए गए तीनों आरोपों को स्वीकार किया है। इन आरोपों में मर्डर-फॉर-हायर, मर्डर-फॉर-हायर की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश शामिल है।

निखिल को यूरोपीय देश चेक रिपब्लिक से गिरफ्तार किया : पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था।

अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर विकास यादव ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश रचने को कहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया है कि भारतीय सरकार के एक कर्मचारी ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए एक हिटमैन की व्यवस्था करने को कहा था। यह आरोप मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में दाखिल इंडिक्टमेंट में लगाया गया था। उस कर्मचारी को आरोपपत्र में सीसी-1 कहा गया है

मई 2023: अमेरिकी प्रॉसिक्यूटर के मुताबिक एक भारतीय अधिकारी (विकास यादव) ने निखिल गुप्ता को हायर किया।

29 मई: निखिल गुप्ता ने किसी ऐसे शख्स की तलाश शुरू की जो पन्नू को मार सके। हालांकि, जिसे पन्नू को मारने के लिए हायर किया गया वो अमेरिका का अंडर कवर एजेंट निकला। कुछ हफ्तों तक निखिल गुप्ता ने इस अंडर कवर एजेंट से पन्नू को मारने के तरीके और कीमत पर चर्चा की।

9 जून: गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए हायर किए गए हिटमैन को एक शख्स के जरिए 15 हजार डॉलर (12 लाख 49 हजार रुपए) का कैश भिजवाया। ये हत्या के लिए एडवांस पेमेंट था। पूरी डील 1 लाख डॉलर (84 लाख रुपए) में हुई थी।

11 जून: भारतीय अधिकारी ने गुप्ता को कहा कि पन्नू को अभी नहीं मरवा सकते हैं। दरअसल, जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर गए थे। गुप्ता ने भी फोन पर कहा था कि 10 दिनों तक कुछ नहीं किया जा सकता है, नहीं तो प्रदर्शन शुरू हुए जाएंगे।

18 जून: कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई।

19 जून: गुप्ता निज्जर की हत्या का वीडियो अमेरिका में पन्नू की हत्या के लिए हायर किए हिटमैन को भेजा और कहा कि ये अच्छी खबर है, अब इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

24 जून से 29 जून: गुप्ता ने पन्नू का मारने का प्लान आगे बढ़वाया। पन्नू की निगरानी शुरू हुई।

30 जून: गुप्ता को चेक रिपब्लिक में अमेरिका के कहने पर हिरासत में ले लिया गया।

कौन है गुरपतवंत सिंह पन्नू : गुरपतवंत सिंह पन्नू 'सिख फॉर जस्टिस' नामक संगठन का जनरल काउंसल है, जो अमेरिका में सक्रिय है। हाल के महीनों में पन्नू ने भारत विरोधी गतिविधियों को तेज किया है, जिसमें अमेरिकी शहरों में खालिस्तान जनमत संग्रह आयोजित करना, एयर इंडिया के बहिष्कार के वीडियो जारी करना और भारत विरोधी हरकतों के लिए इनामों की घोषणा करना शामिल है। इन गतिविधियों के कारण भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पन्नू के खिलाफ आतंकवाद से संबंधित नए मामले दर्ज किए हैं।

अमेरिकी सेना का कैरेबियन सागर में एक और बोट पर हमला, 3 की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रग तस्करी के आरोप में शुक्रवार को एक और नाव पर हमला किया है। इस हमले में 3 लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी सदर्न कमांड के मुताबिक नाव कथित तौर पर ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल हो रही थी। यह हमला किया गया। अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह नाव कैरेबियन में 'नार्को-ट्रैफिकिंग रूट' पर चल रही थी और ड्रग तस्करी में शामिल थी। कमांड ने बताया कि हमले में नाव सवार तीन लोग मारे गए। पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया गया है। वीडियो में एक नाव पानी में चलते हुए दिखती है, जिसके बाद वह धमाके के साथ आग की लपटों में घिर जाती है। यह हमला ट्रम्प प्रशासन की उस कार्रवाई का हिस्सा है, जिसमें कथित ड्रग तस्करी में शामिल नावों को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले साल सितंबर से अब तक कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कम से कम 38 हमले किए गए हैं। इन हमलों में अब तक कुल 133 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पिछले हफ्ते कहा था कि क्षेत्र के कुछ बड़े कार्टेल ड्रग तस्करों ने हाल की सैन्य कार्रवाइयों के कारण अनिश्चितकाल के लिए नशीले पदार्थों का कारोबार बंद करने का फैसला किया है। हालांकि, हेगसेथ ने अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर किए गए इस दावे के समर्थन में कोई सबूत शेयर नहीं किया। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका के ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उन्होंने इन हमलों को ड्रग्स की सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। हमले का वीडियो साझा करते हुए अमेरिकी सदर्न कमांड ने सोशल मीडिया पर बताया कि 13 फरवरी को कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित एक पोत पर घातक सैन्य हमला किया।

पोस्ट में आगे कहा गया कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत कैरिबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी के मार्गो से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस कार्रवाई में तीन तस्कर मारे गए। अमेरिकी सेना का कोई भी जवान घायल नहीं हुआ।

पेंपा सेरिंग फिर बने निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रधानमंत्री

ल्हासा, एजेंसी। निर्वासित तिब्बती सरकार में निवर्तमान सिक्योंग (प्रधानमंत्री) पेंपा सेरिंग को दूसरी बार सरकार चलाने का मौका मिलेगा। प्रथम चरण के मतदान में ही उन्हें सिक्योंग (प्रधानमंत्री) चुन लिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त लोबसांग येशी ने शुक्रवार को मैक्लोडगंज में घोषणा की कि चुनाव नियमों और विनियमों के अनुच्छेद 67(4) के तहत यदि किसी उम्मीदवार को प्रारंभिक चुनाव में कुल मतों का 60 फीसदी से अधिक प्राप्त होता है, तो अंतिम दौर का चुनाव नहीं होगा और वह उम्मीदवार सिक्योंग के रूप में निर्वाचित घोषित होगा। इन्हीं नियमों के अनुसार पेंपा सेरिंग को सिक्योंग के रूप में निर्वाचित घोषित किया गया है। उन्हें कुल मतों का 61.025% प्राप्त हुआ। एक फरवरी को हुए प्रारंभिक चरण के मतदान में कुल 51,140 तिब्बतियों ने मतदान किया। इसमें कुल 103 उम्मीदवारों ने भाग लिया। वर्तमान सिक्योंग पेंपा सेरिंग ने 31,225 वोट, केल्संग दोरजी औकातसंग और सेरिंग फुन्त्सोक ने क्रमशः 17,843 और 159 वोट प्राप्त किए। बता दें कि पेंपा सेरिंग मई 2021 के चुनाव में 34,348 मत प्राप्त कर पहली बार निर्वासित तिब्बत सरकार के सिक्योंग बने थे। चुनाव आयोग ने इस मौके पर निर्वासित तिब्बती संसद के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की। इसमें तिब्बत के तीन पारंपरिक प्रांतों से 30 उम्मीदवार, तिब्बती बौद्ध धर्म और बोन धर्म के चार स्कूलों से 6 उम्मीदवार, उत्तर-दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका से 6-6 उम्मीदवार और ऑस्ट्रेलिया (भारत, नेपाल और भूटान को छोड़कर) से 3 उम्मीदवार शामिल हैं। चुनाव आयुक्त ने यह भी घोषणा की है कि 18वें तिब्बती संसद-इन-एग्जाइल के उम्मीदवारों को 27 फरवरी 2026 तक अपने नामांकन की पुष्टि करनी होगी। जो उम्मीदवार नामांकन वापस लेना चाहते हैं, उन्हें 28 फरवरी तक चुनाव आयोग को एक लिखित अनुरोध सौंपना होगा।

जेफ्री एपस्टीन की मौत खुदकुशी नहीं हत्या, पोस्टमॉर्टम के दौरान मौजूद डॉक्टर का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को लेकर लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। वहीं उसकी मौत अब भी रहस्य बनी हुई है। 2019 में गिरफ्तारी के बाद न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत हो गी थी। एपस्टीन की पोस्ट मॉर्टम देखने के बाद फरेंसिक पैथलॉजिस्ट डॉ. मिशेल बाडेन ने कहा कि रिपोर्ट पर गौर करें तो एपस्टीन की मौत फांसी लगाकर नहीं हुई थी बल्कि गला घोंटा गया था। ऐसे में कहा जा सकता है कि उसकी मौत खुदकुशी नहीं बल्कि हत्या थी।

बाडेन ने द टेलिग्राफ को दिए इंटरव्यू में कहा, मेरे विचार से जेफ्री एपस्टीन की मौत गला घोंटने की वजह से हुई थी। इस मामले में और जांच होनी चाहिए तभी असली वजह का पता चल पाएगा। बता दें कि न्यूयॉर्क की जेल में जेफ्री एपस्टीन को मृत पाया गया था। इसके बाद मेडिकल एग्जामिनर ने इसे खुदकुशी बताया था। बाडेन ने खुद ऑटोप्सी नहीं की थी लेकिन ऑब्जर्वर के तौर पर उस वक्त वह मौजूद थे।

उन्होंने कहा, ऑटोप्सी करने वाले दोनों ही एग्जामिनर इस बार पर हमसत थे कि मौत के असली कारण का पता लगाने के लिए और जांच की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एपस्टीन की मौत के पांच दिन बाद ही सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया था। उस समय की चीफ मेडिकलएग्जीमिनर डॉ. बारबारा सैंपसन ने इसे खुदकुशी बताया था।

उन्होंने यह भी बताया की सैंपसन पोस्टमॉर्टम के दौरान वहां मौजूद भी नहीं थीं। जेफ्री एपस्टीन के गले में तीन निशान पाए गए थे। दो आगे की तरफ और एक पीछे की ओर। इसकेअलावा तीन जगह से गर्दन में फ्रैक्चर हुआ था। डॉ. बदान ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में इस तरह के फ्रैक्चर फांसी लगाने के केस में कभी नहीं देखे।

अगस्त 2019 में भी उन्होंने फॉक्स न्यूज को बताया था कि यह खुदकुशी से ज्यादा हत्या का माममला लगता है। एपस्टीन के वकील ने भी कहा था कि वह एग्जामिनर की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। 2023 की एक अमेरिकी न्याय विभाग की रिपोर्ट में क हा गया था कि न्यूयॉर्क की जेल में सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। यह भी पाया गया था कि एपस्टीन की सेल में एक से ज्यादा कंबल, चद्दर और कपड़े मौजूद थे। एपस्टीन की मौत से एक दिन पहले ही उसके साथ बंद अन्य कैदियों को अलग शिफ्ट कर दिया गया था। एपस्टीन का रोज होने वाला वेलनेस टेस्ट भी उस दिन रात 10 बजकर 40 मिनट तक नहीं किया गया था जो कि 8 बजे ही हो जाना चाहिए था। चेकअप की फर्जी रिपोर्ट लगा दी जाती थी। अगली ही सुबह गार्ड्स ने बताया कि एपस्टी नकी मौत हो गई है और उसकी गर्दन के चारों ओर कपड़े का फंदा पड़ा हुआ हे। गार्ड्स ने फंदा हटाया और उसे सीपीआर देने की कोशिश की और फिर अस्पताल ले गए जहांएपस्टीन को मृत घोषित कर दिया गया।

जर्मन चांसलर मर्ज बोले- यूरोप की आजादी की गारंटी नहीं

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे।

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद बनी व्यवस्था खत्म हुई : मर्ज ने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। मर्ज ने कहा कि ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं।

मर्ज बोले- अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता : मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। उनके मुताबिक, अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है। मर्ज ने साफ किया कि नाटो सिर्फ यूरोप के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। यह गठबंधन दोनों पक्षों को मजबूत बनाता है। इसलिए उन्होंने कहा, 'आइए, हम मिलकर ट्रांस-अटलांटिक भरोसे को फिर से मजबूत करें। मर्ज के मुताबिक, यूरोप नाटो के भीतर ही एक मजबूत ताकत बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, ताकि साझेदारी बराबरी की हो। उन्होंने यह भी माना कि

मर्ज ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस को निशाना बनाया : मर्ज ने पिछले साल म्यूनिख में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान का जिक्र करते हुए उन पर खुलकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'एमएजीए आंदोलन की सांस्कृतिक लड़ाई हमारी नहीं है।' पिछले साल म्यूनिख सम्मेलन में जेडी वेंस ने यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी, आप्रवासन और पारंपरिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि यूरोप अपने मूल्यों से दूर जा रहा है और कुछ देशों में फ्री स्पीच सीमित हो रही है। उनके बयान को यूरोपीय नीतियों की आलोचना के तौर पर देखा गया था। मर्ज ने उसी पर जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) राजनीति और उससे जुड़ी सांस्कृतिक बहसें यूरोप की नहीं हैं। उन्होंने साफ किया कि यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी है।

ईरान पर हमले की पूरी तैयार में डोनाल्ड ट्रंप, बता दिया युद्धपोत भेजने के पीछे का इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कन्फर्म कर दिया है कि वह अपने सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर को पूरे लाव लश्कर के साथ मध्य एशिया भेज रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता जरूर चल रही है लेकिन परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव कम नहीं हो रहा है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार सैन्या कार्रवाई की धमकी दी है। अमेरिका के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर को लेकर जब डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह तोड़ी ही देर में रवाना होने वाला है। अगर ईरान के साथ मसझौता नहीं होता है तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गेराल्ड के साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन शिप को भी रवाना किया गया है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन के बाद बढ़ गई है तनातनी : ईरान में विरोध प्रदर्शन और फिर खामेनेई द्वारा प्रदर्शनकारियों के दमन को लेकर दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कहा है कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान अमेरिका की बात नहीं मानता है तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गाइडेड मिसाइल से लैस यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही अरब सागर में मौजूद है। पिछले ही सप्ताह ईरान के एक ड्रोन को इसी युद्दपोत पर से ही मार गिराया गया था।

वेनेजुएला में अभियान को अंजाम देने गया था गेराल्ड आर फोर्ड : यूएसएस गेराल्ड फोर्ड युद्धपोत वेनेजुएला में अभियान को अंजाम देने गया था और तब से वहीं था। अब यहां से सीधे वह मध्य एशिया की ओर रवाना कर दिया गया है। बता दें कि दोनों देशों ने पिछले सप्ताह ओमान में बातचीत की थी। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर समझौता नहीं होता है तो परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय ईरान के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच वाशिंगटन की सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के तौर पर लिया गया है। यह युद्धपोत अब फारस की खाड़ी और अरब सागर क्षेत्र में पहले से मौजूद 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' और उसके सहायक बेड़े के साथ शामिल होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि दो विमानवाहक पोतों की एक साथ मौजूदगी इस क्षेत्र में वाशिंगटन की नौसैनिक ताकत को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा देगी।

अमेरिकी सांसदों ने अप्रैल में ट्रंप-शी की मुलाकात से पहले क्वाड समिट की मांग की

वॉशिंगटन , एजेंसी। दो वरिष्ठ अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप सरकार से अप्रैल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली मीटिंग से पहले क्वाड नेताओं की समिट बुलाने की अपील की है। उनका कहना है कि इससे बीजिंग के साथ डील करने में वॉशिंगटन की पकड़ मजबूत होगी। अमेरिकी सांसद टिम केन (डी-वीए) और पीट रिकेट्स (आर-एनई) दोनों सीनेट विदेश मामलों के कमेटी के सदस्य हैं। दोनों सांसदों ने इस संबंध में मार्को रुबियो को चिट्ठी लिखी, जिसमें सरकार को अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान को शामिल करते हुए क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) के अगले वर्जन को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया। बता दें, इस बार क्वाड समिट की मेजबानी भारत करने वाला है। यह असल में 2025 में भारत में होने वाला था। ट्रंप समेत सभी चार देशों ने भारत क्वाड समिट में शामिल होने की प्रतिबद्धता जताई है। सीनेटरों ने लिखा, 'चीन के साथ जबरदस्त रणनीतिक कॉम्पिटिशन के इस अहम पल में, क्वाड लीडर्स समिट बुलाने से लीडिंग हिंद-प्रशांत लोकतंत्र के बीच एकता, पक्के इरादे और रणनीतिक तालमेल का साफ संकेत जाएगा। अप्रैल में शी जिनपिंग के साथ राष्ट्रपति ट्रंप की तय मीटिंग से पहले क्वाड समिट करना, राष्ट्रपति के बीजिंग दौरे से पहले हिंद-प्रशांत में अमेरिकी नेतृत्व का एक अहम प्रदर्शन होगा। पहले एक सफल क्वाड समिट राष्ट्रपति ट्रंप को ज्यादा फायदे की स्थिति से जुड़ने का मौका देगा। सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप के बीजिंग दौरे से पहले होने वाली मीटिंग डिप्लोमैटिक माहौल को आकार देगी। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप की ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने में हाल की सफलताओं ने क्वाड के जरिए फिर से मिलकर काम करने का माहौल तैयार किया है। सांसदों ने चिट्ठी में भारत के साथ ट्रेड डील की घोषणा का भी जिक्र किया और कहा कि यह भारत और पूरे हिंद-प्रशांत में रणनीतिक और रक्षा सहयोग को काफी गहरा करने की नींव रखता है।' आम चिंताओं पर जोर देते हुए सांसदों ने लिखा, 'चारों क्वाड साझेदारों को एक जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें सप्लाई चेन की कमजोरियां, जरूरी मिनरल्स पर रोक, आजाद और खुले हिंद-प्रशांत के लिए खतरे और नई तकनीक पर बढ़ता कॉम्पिटिशन शामिल हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'चीन ने खास तौर पर जापान पर डिप्लोमैटिक दबाव, सैन्य धमकी और आर्थिक दबाव बढ़ाया है, जिससे इलाके की स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय नियमों को खतरा है।' सांसदों ने कहा, 'क्वाड इन चुनौतियों का सामना करने और ट्रंप की 2025 राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में बताए गए कई मकसदों को आगे बढ़ाने के लिए खास स्थिति में है, जिसमें पिछली सरकार की सफलताओं पर काम करना शामिल है, जिसमें सहयोगी देशों की रोकथाम को मजबूत करना, दुश्मनों पर रणनीतिक निर्भरता कम करना, तकनीकी नेतृत्व की सुरक्षा करना और नेविगेशन की आजादी को बनाए रखना शामिल है।'

सांसदों ने आखिर में लिखा, 'हम अमेरिकी डिप्लोमेसी के इस अहम पल में क्वाड को मजबूत करने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं और आपसे क्वाड लीडर्स समिट और उसके बाद विदेश मंत्री और वर्किंग ग्रुप की मीटिंग आयोजित करने को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं। ऐसा करने से अमेरिकी नेतृत्व मजबूत होगा, हमारे सबसे करीबी साझेदार मजबूत होंगे और यह सुनिश्चित होगा कि बीजिंग के साथ भविष्य का जुड़ाव एकता, ताकत और रणनीतिक दूरदर्शिता पर आधारित हो।'

उन्होंने 13 मार्च, 2026 तक क्वाड के लिए सरकार के दृष्टिकोण और प्राथमिकता पर चर्चा करने के लिए एक ब्रीफिंग का भी अनुरोध किया। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया वाला क्वाड पिछले दस सालों में हिंद-प्रशांत सुरक्षा, मजबूत सप्लाई चेन, नई तकनीक और समुद्री सहयोग पर तालमेल के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन गया है। भारत ने सीमा पर तनाव और बड़े क्षेत्रीय मुकाबले के बीच चीन के साथ अपने मुश्किल संबंध को संतुलित करते हुए लगातार एक आजाद और खुले हिंद-प्रशांत का साथ दिया है।

सुझाव

काजल लगाते समय अपनाएं ये 5 टिप्स

ठहर जाएंगी सबकी नजरें आप पर

अच्छे आई मेकअप के बगैर आपका लुक कंप्लीट नहीं होगा। आई मेकअप की बात करें तो सबसे पहले बात काजल लगाने की आती है। काजल लगाना भी एक आर्ट है जो सबके बस की बात नहीं। ज्यादातर महिलाएं काजल को साधारण तरीके से ही लगाती हैं। पर इन टिप्स को अपना कर आपके आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

टोनर से साफ करें चेहरा

काजल लगाने से पहले बहुत जरूरी है कि आप अपना चेहरा टोनर से साफ कर लें। इससे त्वचा पर मौजूद तेल साफ हो जाएगा और काजल नहीं फैलेगा। पसीने से बचने के लिए चेहरे और आंखों के आसपास बर्फ भी रगड़ सकती हैं।

काजल को करें सेट

काजल को फैलने से बचाने के लिए उसे सेट कर लें। इसके ब्लैक आईशैडो पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल का आप रोजाना यूज करती हैं तो आंखों के नीचे ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। इससे काजल लंबे समय तक टिका रहेगा।

बाहरी कोनों पर लगाएं पाउडर

लंबे समय तक काजल टिकी रहे इसके लिए अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर अच्छी तरह पाउडर लगाएं। इससे आंखों के बाहरी कोने ड्राई हो जाएंगे। अब काजल लगाएं। काजल लगाने के बाद आइलिड पर जरा सा न्यूट्रल कलर का आईशैडो ब्रश से फैला लें। इससे काजल जल्दी सूख जाएगा और टिका रहेगा।

लॉग स्टे काजल लगाएं

अगर आंखों की खूबसूरती बरकरार रखनी है तो लंबे समय तक टिके रहने वाले काजल लगाएं। इससे आप जो भी आई मेकअप करेंगी, उसमें आपका लुक निखरकर सामने आएगा। काजल हमेशा अच्छी कंपनी का ही लगाएं।

काजल लगाने के बाद आईशैडो लगाएं

काजल लगाने के बाद वाटर लाइन के बाहर हल्का सा आईशैडो लगाएं। आईशैडो ब्रश से इसे हल्का सा मर्ज कर लें। इससे काजल फैलेगा नहीं और आंखें बहुत खूबसूरत दिखेंगी।

माताओं की नींद उड़ा देता है

निकालें खुद के लिए भी वक्त

मां बनें सुपर मॉम नहीं

दुनिया में एक नई जिंदगी लाने की खुशी अतुलनीय है, लेकिन नई जिंदगी को निखारना-संवारना-सहेजना 24 घंटे की नौकरी जैसा है। इसमें अभिभावक, खासतौर पर नई मां, थककर चूर हो जाती हैं। इसी साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि बच्चा जब रोते, पैर पटकते इस दुनिया में कदम रखता है तो दोनों अभिभावकों, खासतौर पर मां के लिए यह एक मुश्किल भरा दौर होता है।

अध्ययन में पाया गया कि बच्चे के जन्म के बाद दोनों अभिभावकों की नींद की अवधि कम हो जाती है। अध्ययन के मुताबिक, मां तो हर रात एक घंटे की नींद खोती है। यह सिलसिला बच्चे के तीन माह का होने तक चलता रहता है।

फिर वह बच्चे को स्तनपान कराती हो या नहीं कराती हो। इसकी तुलना में पिता की हर रात की 15 मिनट की ही नींद कम होती है। शिशु की देखभाल एक बहुत ही मुश्किल काम है। लेकिन जब आपकी नींद भी पूरी न हो पा रही तो यह चुनौती और बढ़ी लगने लगती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं में कार्डियो वेस्कुलर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है सो अलग।

कुछ चतुराई भरे रचनात्मक विकल्प इन नई मम्मियों को नींद को पूरा करने में और स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप नई मां बनी हैं तो इस बात को समझने की कोशिश कीजिए कि आप बच्चे की नींद के वक्त, अवधि पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं। बच्चों का आधी रात को उठकर रोना और उन्हें भूख लगना, बार-बार पेशाब करना बिलकुल कुदरती प्रक्रिया है। मदद लीजिए और जब आपके भरोसे के लोगों से मिल रही हो तो बेहिचक उसका स्वागत कीजिए। अपने साथी या परिवार के अन्य सदस्यों से बच्चे का कुछ देर खयाल रखने के लिए कहिए ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें।

उपाय

सुबह की हवा खाइए: बच्चे की देखभाल का एक मतलब होता है आप अपना भी खयाल रखें। हमेशा चौकन्ने और सक्रिय रहें। अपने वॉकिंग शूज को आराम का मौका मत दीजिए। सुबह उठकर उन्हें पहनें और सैर के लिए निकल पड़े। कुछ चलिए, कुछ स्ट्रेचिंग कीजिए, सूरज की धूप और सुबह की ताजी हवा का मजा लीजिए। इससे आपको सुकून मिलेगा और तनाव कम होगा।

खुद के लिए वक्त निकालिए: अपनी बेहद पसंदीदा शौक की ओर लौटिए। बच्चे का खयाल रखते हुए भी आप इसे पूरा कर सकती हैं। अगर आप काम से मातृत्व अवकाश पर हैं तो किसी नए कौशल को सीखने या नई किताबों को पढ़कर खुद को व्यस्त रखिए। निश्चित तौर पर इसका यह मतलब नहीं है कि आपको बहुत खाली वक्त मिल रहा है।

बच्चे के भोजन और डाइपर बदलने में वक्त पंख लगाकर उड़ने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बीच के वक्त में आप खुद के लिए कम से कम 20 मिनट का वक्त तो निकाल ही लीजिए। ऐसा आपको बच्चे के भोजन, नैपी बदलने के बीच कम के कम तीन बार करना चाहिए। वक्त सिर्फ अकेले के लिए।

सोइए जब बच्चा सोए: बच्चा आपकी जरूरतों के मुताबिक एडजस्ट नहीं करेगा, आपको ही उसकी दिनचर्या के साथ तालमेल बिठाना होगा। इसलिए कामकाज की लिस्ट को कुछ देर के लिए परे रख दीजिए। जब बच्चा सो रहा हो तो आप भी नींद ले लीजिए।

15-30 मिनट्स की यह छोटी झपकियां आपको दिनभर तरोताजा रखेंगी। निश्चित ही यह रात के वक्त की आपकी नींद की कीमत पर नहीं किया जाना है। आपका साथी या परिवार का कोई अन्य सदस्य भी डायपर्स बदल सकता है। और अगर आप बिस्तर में जाने से पहले बच्चे को बोतल से दूध पिलाती हैं तो दूसरे भी ऐसा कर सकते हैं।

कैफीन से तौबा कीजिए: कुछ सुस्ताने के लिए कॉफी या चाय का एक गरमा-गरम प्याला एक अच्छा विकल्प लग सकता है। लेकिन बेहतर होगा यदि आप इसे केवल एक कप तक ही सीमित रखें। कॉफी में बहुत ज्यादा मात्रा में कैफीन होता है और कैफीन आपकी नींद उड़ा देता है। कॉफी के अतिरिक्त घूंट आपको आपकी बेशकीमती नींद से वंचित कर सकते हैं।

सेहत

बदलते मौसम में त्वचा की चमक रखेंगे बरकरार लहसुन के ये 5 उपाय

लगभग हर भारतीय रसोई में लहसुन मौजूद होता है। लहसुन के लाभ किसी औषधि से कम नहीं हैं। हालांकि कुछ लोग इसकी तीखी महक की वजह से खाने में इसका इस्तेमाल करने से बचते हैं, जबकि लहसुन में मौजूद कई एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मधुमेह, ह्रदय रोग, पेट के संक्रमण के साथ त्वचा संबंधी कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। आयुर्वेद में तो त्वचा की रंगत निखारने के लिए लहसुन के हजारों उपयोग बताए गए हैं। लहसुन को अपने ब्यूटी रुटिन का हिस्सा बनाकर आप भी त्वचा और बालों से जुड़ी अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

सौंदर्य निखारने के लिए अपनाएं लहसुन के ये 5 उपाय

- त्वचा में खाज-खुजली, जलन और लाल रैशेज होना आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को आए दिन परेशान करती हैं। अगर आप इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दवा का उपयोग नहीं करना चाहती है तो लहसुन का प्रयोग कर सकती हैं। त्वचा में जहां भी आपको ऐसी समस्या हो रही है, वहां पर लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर लगा लें। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को दूध या मलाई में मिलाकर लगाने से भी त्वचा की हर तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है।

- पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लहसुन का उपाय बेहद कारगर है। इसके लिए आपको सफेद सिरके में लहसुन का पेस्ट डालकर उसे अच्छी तरह से मिलाना है। अब इस पेस्ट को एक्ने पर लगाकर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इसके अलावा एक कच्चे लहसुन की कली चबाएं और एक गिलास ठंडा पानी पी लें। ऐसा करने से आपको काफी लाभ होगा।
- लहसुन का उपाय आपको एंटी एजिंग और झुर्रियों से बचाए रखने में भी मदद करता है। लहसुन में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो झुर्रियों से लड़ने में काफी मदद करते हैं। इससे बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कच्ची कली नियमित रू प से खाकर भी बढ़ती उम्र को जवां रखा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को किसी भी फल के रस या गुलाब जल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से भी झुर्रियां दूर होती हैं।
- लड़कियां ही नहीं लड़के भी कई बार ब्लैकहेड और वाइटहेड की समस्या से परेशान रहते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हफ्ते में 2 बार अपने स्क्रब में लहसुन का पेस्ट या फिर उसका रस मिलाकर स्क्रब करेंगी तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। इसेक अलावा संतरे के छिलके के पाउडर में लहसुन का पेस्ट मिलाकर लगाने से भी ब्लैकहेड और वाइटहेड दूर होते हैं।
- त्वचा के बाद अगर बात बालों की करें तो उनका समय से पहले सफेद होना आजकल हर दूसरे व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे बचने के लिए लहसुन के पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर गर्म कर लें और जब तक धुआं न निकले, गैस बंद न करें। अब इस पेस्ट को ठंडा कर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। सफेद बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, क्ष्चिता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 1824

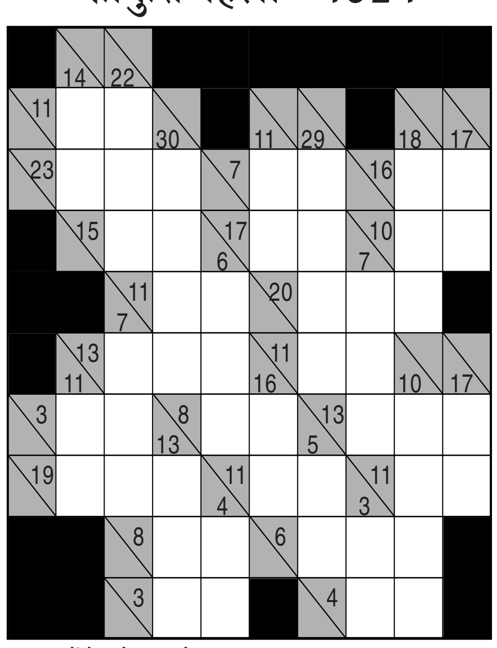

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

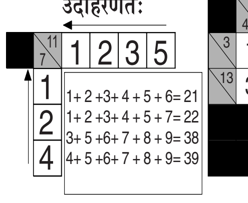

काकुरो - 1823 का हल

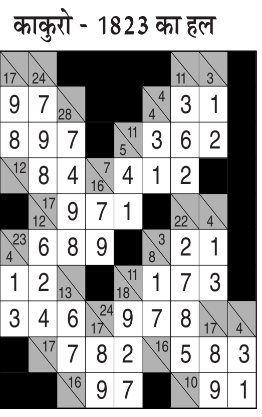

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

□ □ □

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?'

□ □ □

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

□ □ □

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

□ □ □

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली - 1824

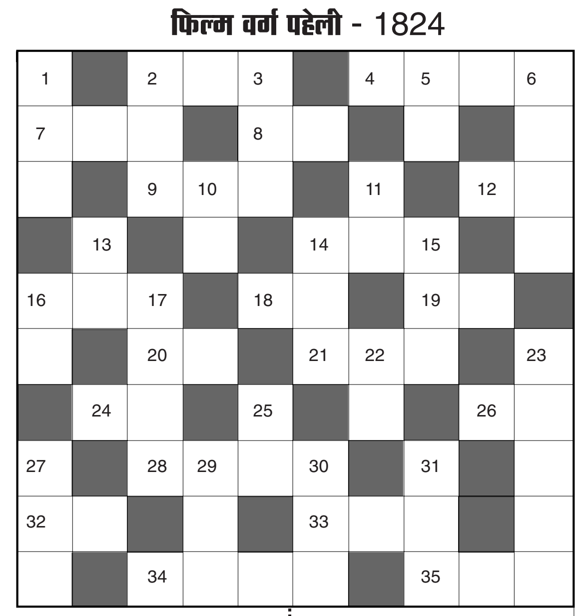

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1823

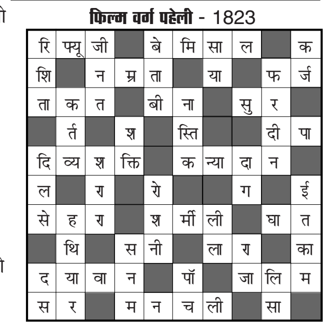

सूडोकु -1824

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1823 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1824

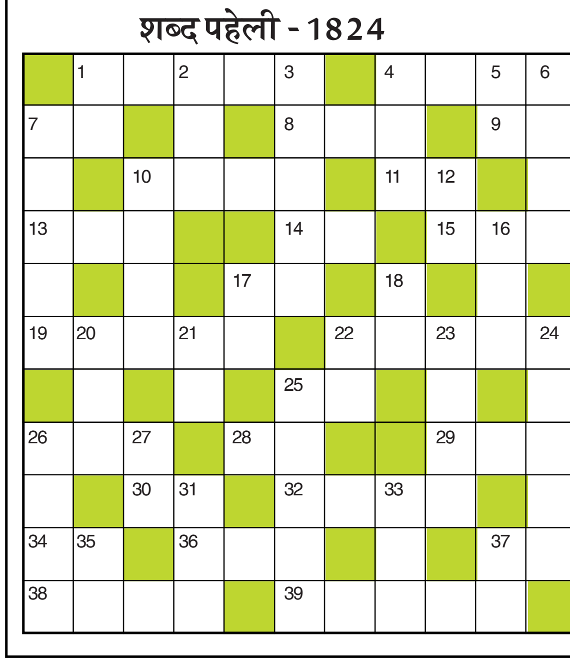

बाएँ से दाएँ

1. दयालु.उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1823 का हल

फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को फिर मिली रंगदारी की धमकी

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को फिर से रंगदारी के लिए धमकी भरा ऑडियो क्लिप मैसेज भेजा गया है। इस ऑडियो क्लिप की छानबीन मुंबई पुलिस कर रही है। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि रणवीर सिंह को तीन मिनट के ऑडियो क्लिप के जरिए एक धमकी भरा मैसेज मिला है। देर शाम रणवीर सिंह को मिला यह मैसेज बॉक्सर से गैंगस्टर बने हरि चंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर द्वारा भेजा गया बताया जा रहा है। क्लिप में सिंह को धमकी देते हुए सुना जा सकता है कि अगर वे लाइन में नहीं रहे और उसकी मांगें पूरी नहीं कीं तो उनकी टीमों को गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। क्लिप में उस आदमी ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का वफादार साथी होने का दावा किया है और एक्टर रणवीर सिंह को सबक सिखाने की धमकी दी है। मैसेज में कहा गया है कि गैंग को हल्के में लेने पर उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। मैसेज में यह भी कहा गया है कि उनके पास फिल्मी हस्तियों के बारे में हर तरह की जानकारी उपलब्ध है। साथ ही ऑडियो क्लिप में पुर्तगाल में एक टेलरिंग की दुकान पर फायरिंग की भी जिम्मेदारी ली गई है। दावा किया कि उसने सुनील मीणा (जो राजस्थान का गैंगस्टर भी है) के साथ मिलकर यह हमला किया था, क्योंकि दुकान का मालिक भारतीय प्रवासी मजदूरों का शोषण कर रहा था।

दमदम हवाई अड्डे पर सुरक्षा अलर्ट, इंडिगो की कोलकाता-शिलांग उड़ान में बम की धमकी

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की एक निर्धारित उड़ान में बम की आशंका जताई गई। एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से शनिवार सुबह जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विमान के शौचालय के भीतर एक हस्तलिखित पर्ची बरामद हुई, जिसमें बम होने का संकेत दिया गया था। यह पर्ची विमान के एक क्रू सदस्य की नजर में आई। संदिग्ध संदेश मिलते ही चालक दल ने तत्काल इसकी सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही हवाई अड्डे पर आपात सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया। सावधानी बरतते हुए विमान को तुरंत मुख्य टर्मिनल क्षेत्र से हटाकर पृथक खड़े करने के निर्धारित सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इसके बाद विमान और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए। बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की गहन जांच शुरू कर दी।

मंत्री जोराराम कुमावत ने किया अनोपपुरा में पंचायत लर्निंग सेंटर-ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण

सुमेरपुर। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुख्यालय अनोपपुरा में नव निर्मित पंचायत लर्निंग सेंटर-ई-लाईब्रेरी का लोकार्पण पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने फीता काटकर किया। पाली जिले के प्रथम इस सेंटर का लोकार्पण कर मंत्री कुमावत ने स्टूडेंट्स से भी बातचीत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमावत ने कहा कि सरकार अब गांवों को भी डिजिटल रूप से और मज़बूत बना रही है। इसका उदेश्य ग्राम पंचायतों को तकनीक से जोड़कर न सिर्फ जन सुविधाएं बेहतर करना है, बल्कि गांव के लोगों को भी नई तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष बनाना है। इसी उद्देश्य से पंचायत लर्निंग सेंटर की स्थापना की गई है। इस सेंटर के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों को 4-5 दिनों का विसर्जन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें पंचायत शासन, ग्राम पंचायत विकास योजना और स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

भाजपा बताए, प्रदेश को आरडीजी मिलने के पक्ष में हैं या नहीं : मुख्यमंत्री सुक्खू

सिरमौर। जिला सिरमौर के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के सराहां में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार दूध पर समर्थन मूल्य दे रही है और अदरक पर भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्स्क) प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष के भीतर सराहां अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती की जाएगी और अल्ट्रासाउंड मशीन भी स्थापित होगी। इसके साथ ही उन्होंने सराहां में सीबीएसई स्कूल खोलने और सराहां-चंडीगढ़ सड़क मार्ग को डबललेन करने की घोषणा भी की। उन्होंने कांग्रेस नेता दयाल प्यारी और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गंगू राम मुसाफिर की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. वाई एस परमार को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हिमाचल के लोगों के हितों की रक्षा के लिए धारा 118 का प्रावधान किया था और वर्तमान सरकार भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चल रही है। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग द्वारा 77 वर्षों से चली आ रही राजस्व घाटा अनुदान की व्यवस्था को समाप्त करना प्रदेश के साथ अन्याय है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राजस्व घाटा अनुदान सरकार का नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश के लोगों का अधिकार है और राज्य सरकार इस अधिकार की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने हिमाचल के हितों के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में भी समर्थन नहीं दिया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा नेता प्रधानमंत्री के पास जाकर राजस्व घाटा अनुदान बहाल कराएं।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सरकार महिलाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत की यात्रा में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसकी बानगी इस बार के बजट 2026 में परिलक्षित होती है जिसमें महिलाओं के विकास और सशक्तीकरण के लिए 5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यहां विज्ञान भवन में महिला सुरक्षा को लेकर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। विज्ञान भवन में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि शी-बॉक्स पोर्टल ने महिलाओं के लिए कार्यस्थल से जुड़ी शिकायतें दर्ज

करना आसान बना दिया है। कई कार्यस्थलों ने इस केंद्रीकृत पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत किया है। मंत्री ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि शी-बॉक्स महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत सुरक्षित और गोपनीय रूप से दर्ज करने का सशक्त माध्यम है। यह पहल महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री ने कहा कि महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देशभर में 1.48 लाख से अधिक संस्थान शी बॉक्स पोर्टल पर पंजीकृत हैं और 60,000 से अधिक आंतरिक समितियां सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले छह वर्षों में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर 23 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को दर्शाता है। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जेंडर बजट प्रावधान भी इस दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की प्रशंसा की। सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि कार्यस्थल की सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण का मूल आधार है।

एनएच-24 पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बुजुर्ग को रौंदा, मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के गाजीपुर इलाके में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 76 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसा एनएच-24 की सर्विस रोड पर पेट्रोल पंप के पास हुआ। जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर फुटपाथ पर चढ़ गई और वहां पैदल जा रहे बुजुर्ग को कुचल दिया। पुलिस ने चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है जबकि कार में सवार अन्य लोग फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार सुबह करीब छह बजे पीसीआर कॉल के जरिए हादसे की सूचना मिली। शुरुआती सूचना थाना गाजीपुर को मिली थी, जिसे बाद में थाना पांडव नगर क्षेत्र में ट्रांसफर किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि काले रंग की स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराने के बाद सर्विस रोड के फुटपाथ पर चढ़ी हुई थी। फुटपाथ पर एक बुजुर्ग गंभीर हालत में पड़े थे, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान पैक करमई (76) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे और वर्तमान में गाजीपुर गांव में रह रहे थे। वह गाजीपुर फूल मंडी में काम करते थे और हादसे के वक्त दो सहकर्मियों के साथ काम पर जा रहे थे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि स्कॉर्पियो मुख्य सड़क और सर्विस रोड के बीच बने डिवाइडर से टकराने के बाद अनियंत्रित हो गई, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार नोएडा निवासी 26 वर्षीय श्रेय कुमार चला रहा था। पुलिस ने उसे मौके से पकड़ लिया।

दिल्ली में 'घर वापसीः क्यों और कैसे' पुस्तक का लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में चंद्रकांता राजेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट ने घर वापसीः क्यों और कैसे पुस्तक का लोकार्पण किया। इस पुस्तक के लेखक दिवगंत राजेश्वर हैं। यह कार्यक्रम सुरुचि प्रकाशन और चंद्रकांता राजेश्वर धर्मार्थ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस दौरान, दिवंगत राजेश्वर को श्रद्धांजलि दी गई और उनके अनुकरणीय कार्यों व विचारों को याद किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अध्यक्ष संबोधन में कहा कि धर्मांतरण को रोकना है और घर वापसी को बढ़ाना है।

प्राचीन समय से हिंदू समाज ने अपनी रक्षा के लिए कुछ व्यवस्थाएं की हैं। विश्व को श्रेष्ठ बनाने पर जोर दिया है। जहां धर्मांतरण तेजी से हो रहा है वहां पर विश्व हिंदू परिषद ने अपने 800 से अधिक धर्मरक्षकों की नियुक्त की है। उनके लगन और मेहनत से पिछले वर्ष में एक लाख लोगों की घर वापसी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले पांच सालों में घरवापसी करने वालों की संख्या में वृद्धि होगी। आलोक ने अपने धर्म के साथ-साथ अन्य धर्मों को भी समझने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मर्यादा और

कानून का पालन स्वधर्म की रक्षा, इसका प्रसार, इसकी वापसी और अपना विजय अभियान, इस धर्मांतरण को रोकने और घर वापसी को तेज करने की पाठ्य पुस्तक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय सह-प्रमुख (धर्म जागरण समन्वय विभाग) अरुण कांत ने अपने युवाओ से आग्रह किया कि धर्मांतरण को रोकने और घर वापसी के लिए हिंसा का मार्ग नहीं अपनाना है बल्कि सामने वाले की विषम परिस्थितियों को समझना, अपना सद्व्यवहार और हिंदू संस्कृति को ध्यान में रखना है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल के युवा क्रोधरहित रहकर इस कार्य को आगे बढ़ाएं। इस मौके पर रजीनश के परिवार के सदस्य, सुरुचि प्रकाशन के प्रबंध न्यासी रजनीश जिंदल, सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य अतिथिगण मौजूद रहे।

भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल : चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि 26 मई 2014 के बाद भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई है। आज भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और तेज़ी से विकास करने वाला राष्ट्र है, जिसने बुनियादी ढांचे, रक्षा निर्यात और वैश्विक सम्मान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

पंजाबी एनआरआई डायस्पोरा से संवाद में पंजाब के विकास एजेंडे पर तरुण चुग ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी व्यक्ति को उसके पासपोर्ट के रंग से नहीं बल्कि उसके भीतर के भारतीय डीएनए और मातृभूमि के प्रति समर्पण से पहचानती है। जहां देश विकास की रफ्तार पकड़ चुका है, वहीं पंजाब को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। कृषि, उद्योग, वाणिज्य और सेवा क्षेत्र– इन चारों स्तंभों में पंजाब को नई दिशा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य की बढ़ती वित्तीय चुनौतियां, निवेश की कमी और युवाओं का पलायन गंभीर चिंता का विषय है, और बिना ठोस नीति तथा स्पष्ट नेतृत्व के यह स्थिति नहीं बदलेगी।

उन्होंने प्रवासी समुदाय को आश्वस्त किया कि भाजपा की सरकार बनने पर एनआरआई निवेश की सुरक्षा, पारदर्शी प्रशासन, कानून-व्यवस्था में सुधार और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा। आतंकवाद, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रवासी भारतीय देश की प्रगति के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ काम कर रही है और पंजाब के विकास में प्रवासी समुदाय की सक्रिय भागीदारी राज्य को नई ऊर्जा दे सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से पंजाब को फिर से विकास की अग्रिम पंक्ति में लाया जा सकता है।

कार्यक्रम में पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री मनप्रीत बादल, अविनाश राय खन्ना, मनोरंजन कालिया, सुभाष शर्मा और अनिल सरीन सहित पंजाब भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

खाटू श्याम दर्शन करने जा रहे मप्र के पांच लोगों की जयपुर में सड़क हादसे में मौत

एजेंसी

जयपुर/भोपाल। राजस्थान के कोटा-जयपुर नेशनल हाइवे पर जयपुर के चाकसू में शनिवार तड़के हुए सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले पांच लोग कार से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के बाद खाटू श्यामजी (सीकर) के दर्शन करने के लिए निकले थे। शनिवार सुबह करीब पांच बजे कोटा-जयपुर नेशनल हाइवे पर जयपुर के चाकसू के पास चालक को झपकी आने की वजह से तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चाकसू थाने के एसएचओ मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि क्षेत्र के टिगरिया मोड़ के पास यह हादसा हुआ। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। शव बुरी तरह गाड़ी में फंस गए

थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान चलाकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद क्रेन की मदद से गाड़ी को साइड में कराया गया। पुलिस के अनुसार, पांचों के शवों को चाकसू उपजिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक को झपकी आने के कारण दुर्घटना हुई है। इसमें एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक युवक को हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मरने वालों में रेशमा श्रीवास्तव (55) पत्नी अखिलेश श्रीवास्तव, पीयूष राय पुत्र राजेश राय, रजक राहुल पुत्र बबलू रजक, चालक अनुराग (25) और शानू शामिल हैं। सभी मध्य प्रदेश के निवासी थे। हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर जाम लग गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाकर यातायात को सुचारू कराया गया। मृतक रेशमा श्रीवास्तव जबलपुर के रेलवे शासकीय स्कूल में सरकारी टीचर थीं। उनके पति अखिलेश श्रीवास्तव पिछले साल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से हायर ग्रेड असिस्टेंट पद से रिटायर हुए। मृतक रेशमा की बेटी पलक श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी मां समेत पांच लोग उज्जैन में महाकालेश्वर महादेव के दर्शन करने निकले थे।

गौतमपुरी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन, जनसेवा के नए अध्याय की शुरुआत : सत्या शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने शाहदरा उत्तरी जोन के गौतमपुरी क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सत्या शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाएं अब आमजन के द्वार तक पहुंच रही हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्थानीय निवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें दूर स्थित अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम होगी। स्थायी समिति की अध्यक्ष ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयां, आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, कैंसर जांच, टीकाकरण तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। यह पहल समाज के सभी वर्गों तक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी सोच एवं दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उनके विजन के अनुरूप 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करने में ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपायुक्त अभिषेक कुमार एवं निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना, गुजरात और महाराष्ट्र से जुड़ी सड़क परियोनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तेलंगाना, गुजरात और महाराष्ट्र से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं पर कुल 11 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे संबंधित राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने शुक्रवार को सड़क परिवहन से जुड़ी तीन परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी। इस फैसले की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में दी। पहली परियोजना तेलंगाना में हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेलूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को 4 लेन तक चौड़ा करने से जुड़ी है। परियोजना की कुल लंबाई 80.01 किलोमीटर है और इसपर 3175.08 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के धमासिया-बिटाडा/मोवी और नासरपुर-मालोथा खंडों को चार लेन में अपग्रेड किया जाएगा।

अब सेवा तीर्थ में होंगी कैबिनेट बैठकें, नॉर्थ-साउथ ब्लॉक बनेंगे 'युगे युगेन भारत संग्रहालय' का हिस्साः वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि साउथ ब्लॉक में केंद्रीय मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक संपन्न हो चुकी है और अब सभी कैबिनेट बैठकें 'सेवा तीर्थ' में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को 'युगे युगेन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' का हिस्सा बनाया जाएगा।

वैष्णव ने यहां पत्रकार वार्ता में केंद्रीय कैबिनेट और सीसीए बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संकल्प लिया है कि नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को 'युगे युगेन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय' के रूप में विकसित किया जाएगा, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करेगा तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत की ऐतिहासिक गुलामी से 'विकसित भारत' की ओर बढ़ते कदम का प्रतीक बताया। साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक का निर्माण अंग्रेजों के काल में हुआ था। स्वतंत्रता के बाद से प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक से संचालित होता रहा। इस परिसर ने देश के 16 प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में लिए गए अनेक ऐतिहासिक निर्णयों को देखा है। वैष्णव ने कहा कि साउथ ब्लॉक

विभाजन, युद्ध, आपातकाल जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है। यहीं से डिजिटल गवर्नेंस की ओर लंबी छलांग लगी और अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह भवन अनेक ऐतिहासिक निर्णयों का केंद्र रहा। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे व्यापक सुधारों को इसी परिसर से दिशा मिली। साथ ही अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक कानून, सर्जिकल स्ट्राइक और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा निर्णय भी यहीं से लिए गए। मंत्री ने कहा कि आधुनिक, तकनीक-संपन्न और पर्यावरण-अनुकूल कार्यस्थल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 'सेवा तीर्थ' की स्थापना की गई है, जो कर्मयोगियों की कार्यक्षमता और सेवा भाव को और सुदृढ़ करेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शासन के केंद्र को औपनिवेशिक अतीत से 'सेवा तीर्थ' में स्थानांतरित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के धमतरी में ट्रक और कार हादसे में तीन सीआरपीएफ जवान समेत चार की मौत

एजेंसी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी-खपरी बाइपास मार्ग पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच हुई टक्कर में तीन धमतरी पुलिस के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार कोबरा बटालियन सीआरपीएफ के तीन जवानों सहित एक सिविलियन चालक की मौके पर मौत हो गई। एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे रायपुर रेफर किया गया है।

धमतरी पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ की 201 कोबरा बटालियन के चार जवान होली पर्व मनाने के लिए छुट्टी पर 14 फरवरी की सुबह जगदलपुर से रायपुर की ओर कार से रवाना हुए थे। जैसे ही उनकी कार धमतरी-खपरी बाइपास के पास पहुंची तो सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल एक जवान और कार चालक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में अंतिम सांस ली।

मृतकों में हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार, एएसआई उमेंद्र सिंह, कांस्टेबल राजकुमार गौड़ तथा सिविलियन चालक हीरालाल नागर (निवासी पंडरिया रीवा) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी जवान 201 कोबरा बटालियन से थे। हादसे में घायल जवान अभिमान राय को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर स्थित नारायणा अस्पताल भेजा गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। जवानों के शव व घायल वाहन में फंसे रह गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए क्रेन और राहत दल की मदद लेनी पड़ी। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए और कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल धमतरी लाया गया है। इस हादसे ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार सहित सीआरपीएफ व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। प्रशासन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

क्वांटम सुरक्षा को मजबूती देने को सी-डॉट ने सिनर्जी क्वांटम इंडिया के साथ किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास केंद्र-सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) ने क्वांटम सुरक्षा को मजबूती देने के लिए सिनर्जी क्वांटम इंडिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थान मिलकर एक ऐसा ऑटोमेटेड टूल बनाएंगे जो उपकरणों में मौजूद उन एल्गोरिदम को खोज निकालेगा जिन्हें भविष्य के क्वांटम कंप्यूटरों से खतरा हो सकता है। सी-डॉट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि सिनर्जी क्वांटम के साथ यह सहयोग भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए स्वदेशी समाधान विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। हम सी-डीओटी की दूरसंचार और क्वांटम अनुसंधान विशेषज्ञता को सिनर्जी क्वांटम की क्षमताओं के साथ मिलकर एक ऐसा उपकरण बनाना चाहते हैं जो वर्तमान और भविष्य की साइबर सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

डॉ. उपाध्याय ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसा स्मार्ट स्कैनर बनाना है जो भविष्य के क्वांटम कंप्यूटरों के खतरों को देखते हुए

किसी भी डिवाइस की वर्तमान सुरक्षा कमियों को उजागर करे और उसे सुरक्षित बनाने का रास्ता बताए। इसमें वेब एप्लिकेशन, सिक्योरिटी स्कैनर एजेंट और कंट्रोल सॉफ्टवेयर मॉड्यूल शामिल होंगे सिनर्जी क्वांटम इंडिया के सह-संस्थापक और सीईओ जय ओबेराय ने कहा कि सी-डॉट के साथ संयुक्त रूप से विकसित किया जाने वाला स्वचालित उपकरण सरकार, रक्षा और महत्वपूर्ण अवसंरचना क्षेत्रों में संगठनों को क्वांटम-संबंधित क्रिप्टोग्राफिक जोखिमों का आकलन और निवारण करने में सक्षम बनाएगा। क्वांटम साइबर सुरक्षा में वैश्विक नेता के रूप में भारत के उदय में योगदान देना हमारे लिए सम्मान की बात है। इस मौके पर सी-डॉट की ईवीपी शिखा श्रीवास्तव, जय ओबेराय (सह-संस्थापक और सीईओ), विपिन राठी (सह-संस्थापक) और सी-डॉट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टी20 वर्ल्ड कप: जेसन होल्डर और शाई होप का कमाल, वेस्ट इंडीज ने नेपाल को रौंदकर सुपर 8 में मारी एंट्री

मुंबई (एजेंसी)। जेसन होल्डर के चार विकेट और कप्तान शाई होप की 44 गेंदों पर 61 रनों की पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 25वें मैच में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियन टीम सुपर एट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। नेपाल आधिकारिक तौर पर सुपर एट की दौड़ से बाहर हो गया है। शाई होप की अगुवाई वाली वेस्ट इंडीज ने 134 रनों के मामूली लक्ष्य को महज 15.2 ओवरों में हासिल कर एशियाई टीम पर आसान जीत दर्ज की।

ब्रैंडन किंग (17 गेंदों पर 22 रन) और होप (44 गेंदों पर 61 रन नाबाद) ने पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (32 गेंदों पर 46 रन नाबाद) होप के साथ जुड़े और वेस्ट इंडीज को जीत की ओर ले गए। इससे पहले, टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्पिनर अकील हुसैन से गेंदबाजी की शुरुआत की। कुशल भुरटेल और आसिफ शेख ने नेपाल की ओर से पारी की शुरुआत की। नेपाल के लिए शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि मैच के पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर हुसैन ने कुशल भुरटेल को एक रन पर आउट कर दिया।

कप्तान रोहित पौडेल चौथे ओवर में मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जब मैथ्यू फोर्डे की गेंद पर पैड पर गेंद लगने से वे एलबीडब्ल्यू हो गए। पावरप्ले में ही नेपाल ने अपना तीसरा विकेट जेसन होल्डर के हाथों गंवा दिया। आसिफ शेख (11) ने शुरुआत में दो चौके लगाए। नेपाल पावरप्ले के अंत तक तीन महत्वपूर्ण विकेट खोकर 22 रन पर ढेर हो गया। पावरप्ले के बाद, शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाज जेसन होल्डर ने आरिफ शेख को दो रन पर आउट कर दिया। लोकेश बाम के 13 रन पर शमर जोसेफ द्वारा आउट होने के बाद, नेपाल का स्कोर 11वें ओवर में 46-5 था। छठे विकेट के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और गुलसन झा के बीच 23 रनों की छोटी साझेदारी हुई, जिसके बाद गुलसन 11 रन बनाकर रोस्टन चेस के हाथों क्लीन बोल्ड हो गए। नेपाल की पारी में दीपेंद्र ही एकमात्र सकारात्मक खिलाड़ी रहे। उन्होंने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में अहम भूमिका निभाई। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब दीपेंद्र 47 गेंदों में 58 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हो गए। नेपाल ने अपनी पारी 133/8 के स्कोर पर समाप्त की।

शेल्टन ने सेमीफाइनल थ्रिलर में शापोवालोव को हराया, फ्रिट्ज भी फाइनल में पहुंचे

डलास (एजेंसी)। बेन शेल्टन नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6(4) से हराया।

दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड टू हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था।

फ्रिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फ्रिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, %बस बहुत शांत सर्विंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं।% दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फ्रिट्ज़ को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे।

हालांकि वह अपने पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए, लेकिन सर्व पर फ्रिट्ज के शांत स्वभाव ने आखिरकार फर्क पैदा किया क्योंकि उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 86 प्रतिशत (48/56) जीता। इस जीत के साथ फ्रिट्ज ने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज़ में 3-1 की बढ़त बना ली और 2024 में यूएस ओपन के फ़ाइनल में पहुंचने के बाद घरेलू मैदान पर अपने पहले फाइनल में पहुंच गए।

अरुंधति रेड्डी की घातक गेंदबाजी से भारत की जीत, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 रन (DLS नियम) से जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 133 रन पर समेट दिया, जबकि दो ओवर अभी बाकी थे।

अरुंधति रेड्डी मैच की स्टार रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके और अहम मौकों पर ऑस्ट्रेलिया की पारी को झकझोर दिया। रेणुका सिंह और श्री चरणी ने भी सधी हुई गेंदबाजी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फील्डिंग में शानदार डाइविंग कैच लेकर टीम का हौसला बढ़ाया।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की और तीन ओवर में 22 रन बना लिए, लेकिन बेथ मूनी के आउट होते ही विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। एलिस पेरी और फोएबे लिचफील्ड ने 41 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए लगातार विकेट चटकाए।

80 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। जॉर्जिया वेयरहैम ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन टीम 133 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छी शुरुआत की। टीम का स्कोर 50/1 था जब सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

उपकप्तान स्मृति मंधाना (16*) और जेमिमा रोड्रिग्स (9*) क्रीज पर मौजूद थीं। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और छ्रस्ऱ नियम के तहत भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

टी20 वर्ल्ड कप: श्रीलंका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टीम मेजबान श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अहम मुकाबले में किसी भी हाल में जीत हासिल करना रहेगा। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। पिछले मैच में टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उससे सबक लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को शामिल कर सकती है। पिछले मैच में उसके बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहे थे। अब उसे सुपर आठ में पहुंचने के लिए इस मैच के साथ ही ओमान के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया अभी ग्रुप बी में अंक तालिका में दो मैचों में दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे जिससे टीम 146 रन ही बना पायी और उसे 23 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण उस मैच में नहीं खेल पाए थे। वहीं स्मिथ को मार्श के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है उन्हें हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम स्मिथ को चोटिल तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर शामिल कर सकती है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अच्छा रिकॉर्ड और उनके आने से बल्लेबाजी बेहतर होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह राहत की बात है कि ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को पिछले मैच में अपने बाएं हाथ पर लगी चोट से उबरकर वापसी के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया को इस बार मिचेल स्टार्क, चोटिल पैट कमिंस और हेज़लवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की कमी भी महसूस हो रही है। नाथन एलिस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम को भारत में हुए 2023 एकदिवसीय विश्व कप के दौरान भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। तब श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत ने उनके लिए हालात बदल दिए, जिसके बाद उसने फाइनल सहि नौ मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। उस बात से टीम प्रेरणा लेना चाहेगी।

जिम्बाब्वे से हार के बाद कप्तानी संभाल रहे ट्रैविस हेड ने कहा था, हम पहले भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुके हैं। हमने 2023 में कुछ हार और चोटों के कारण पहले भी इस तरह की स्थिति देखी है। हमारे पास यहां कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो 2023 में भारत में खेल चुके हैं और हम इस स्थिति से निपटने और उस रणनीति का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। वहीं दूसरी ओर सह-मेजबान श्रीलंका ओमान और आयरलैंड के खिलाफ आसान जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है और उसके हौंसले बढ़ हुए हैं। उससे घरेलू धरती पर खेलने का भी लाभ मिलेगा।

उसे हालांकि स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा की कमी खलेगी। उनकी अनुपस्थिति में श्रीलंका महेश तीक्षना और बाएं हाथ के स्पिनर दुनीत वेलालेज पर काफी हद तक आधारित रहेगा।

हैरी केन ने अपने करियर का 500वां गोल दागा

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने शनिवार को बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन ने अपने दो गोल में से एक गोल पेनल्टी पर किया। यह पेनल्टी पर किया गया उनका 100वां था। केन के दो गोल की मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से जीत हासिल करके बुंडेसलिगा में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। केन ने मैच के बाद कहा, ''अच्छा लग रहा है। 500 गोल तक पहुंचना वाकई गर्व की बात है। इसमें बहुत मेहनत और त्याग लगा है, इसलिए यहां तक पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन हमेशा की तरह अब अगला मैच ही मायने रखता है।'' केन ने अपना पहला गोल जनवरी 2011 में 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के तीसरी श्रेणी के क्लब लेटन ओरिएंट की तरफ से खेलते हुए शेफील्ड वेडनेसडे के खिलाफ किया था। केन को 500 गोल तक पहुंचने के लिए 743 मैचों की जरूरत पड़ी। इस 32 वर्षीय इस फॉरवर्ड ने इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 गोल किए हैं।

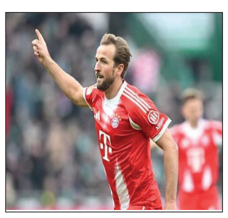

मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने टी20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 44 गेंदों में नाबाद 88 रनों की पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है।

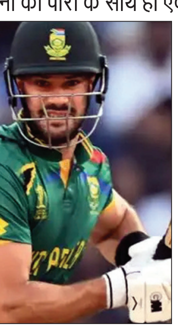

इसी के साथ ही मार्कराम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये। मार्करम ने अपनी इस पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम था। इससे दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी के इस मैच में जीत के लिए मिले 176 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्करम ने इस मैच में केवल 19 गेंदों में ही पचास रन पूरे कर लिए। ये टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक है। इस प्रकार उन्होंने रोहित शर्मा के क्लब में प्रवेश किया। रोहित ने साल 2024 टी20 विश्व कप में कप्तान के तौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 गेंदों में ही अपने पचास रन बना दिये थे। तब रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 गेंदों में 92 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके और आठ छक्के शामिल हैं। सबसे तेज पचास रन बनाने वाले कप्तानों में श्रीलंका के दासुन शनाका भी हैं। शनाका ने भी ओमान के खिलाफ 19 गेंदों में 50 रन बनाये थे। वहीं मोहम्मद अशरफुल ने 20 और महेला जयवर्धने ने 21 गेंद में अर्धशतक लगाये थे।

टी20 विश्वकप : यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकारार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था

जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।

यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), दरविश रसूली, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, शाहिदुल्लाह, अब्दुल्ला अहमदजई, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान।

यूएई- मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, ध्रुव पराशर, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मयंक कुमार, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, हैदर शाह, रोहिद खान, सोहैब खान, सिमरनजीत सिंह।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

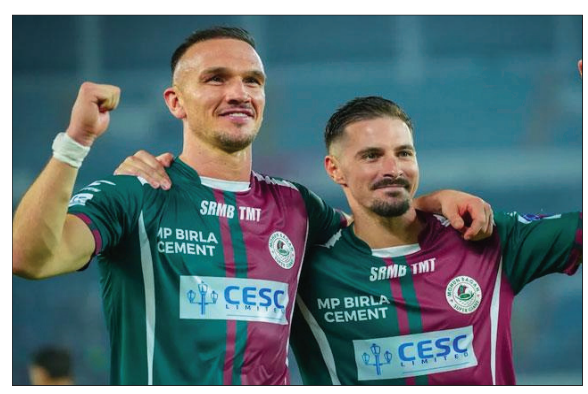

कोलकाता। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

भारत-पाकिस्तान मैच में कायम रही 'No Handshake' की परंपरा, सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान कैप्टन को किया इग्नोर!

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हालांकि, इस दौरा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। इस दौरान दोनों कप्तानों के बीच कोई बात भी नहीं हुई है। यह परंपरा पिछले साल दुबई में हुए एशिया कप से चली आ रही है। भारत ने एशिया कप 2025 से इस रुख का पालन किया है और इसे आयु वर्ग के टूर्नामेंटों के साथ-साथ पुरुष और महिला क्रिकेट में भी लागू किया है।

पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर दुबई में आयोजित पिछले साल के एशिया कप के बाद से दोनों पक्षों के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए हैं। क्या आपको पहले बल्लेबाजी करने में कोई आपत्ति है सवाल के जवाब में टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बिलकुल नहीं। हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। हमने यहां के नतीजे देखे हैं, और हमने पिछले दो मैचों में पहले बल्लेबाजी की है और दोनों में ही जीत हासिल की है, इसलिए हम कुछ भी बदलना नहीं चाहते।

बड़े मौके को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कहना आसान है कि यह सिर्फ एक और मैच है, लेकिन यह एक बड़ा अवसर है। ये मैच हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन साथ ही, आपको यह भी पता होना चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं। यही ज्यादा महत्वपूर्ण है। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें, अपने कौशल पर भरोसा रखें, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और खुद पर भरोसा रखें। (क्या फॉर्म मायने रखता है?) यह खेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। किसी भी दिन, अगर आप अच्छा खेल रहे हैं, तो किसी का भी दिन अच्छा हो सकता है। दो बदलाव। अभिषेक शर्मा टीम में आए हैं और कुलदीप यादव अर्शदीप सिंह की जगह आए हैं।

शनिवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा भी इसी तरह सतर्क दिखे। हाथ मिलाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर आगा ने कहा कि हम कल देखेंगे। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेट सही भावना से खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे हमेशा से खेला जाता रहा है। यह उन पर निर्भर है कि वे क्या करते हैं।

हाथ न मिलाने का रुख सबसे पहले पिछले साल के एशिया कप के दौरान विवाद का मुख्य कारण बना, जब सूर्यकुमार के इनकार पर कथित

तौर पर पाकिस्तान और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में बने रहने से पहले अपने अगले मैच का बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी।

विराट से दो बल्ले पाकर गदगद नजर आये अफगानिस्तान के बल्लेबाज गुरबाज

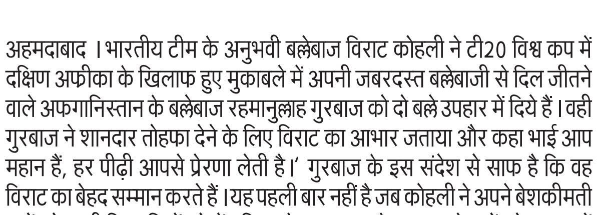

अहमदाबाद। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से दिल जीतने वाले अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को दो बल्ले उपहार में दिये हैं। वही गुरबाज ने शानदार तोहफा देने के लिए विराट का आभार जताया और कहा भाई आप महान हैं, हर पीढ़ी आपसे प्रेरणा लेती है।' गुरबाज के इस संदेश से साफ है कि वह विराट का बेहद सम्मान करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब कोहली ने अपने बेशकीमती बल्लों को साथी खिलाड़ियों को भेंट किया है। वह आम तौर पर अपने बल्लों को उपहार में देते आये हैं। इसे पहले उन्होंने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के अपने ही साथ खिलाड़ी रजत पाटीदार और रिंकू सिंह को भी उपहार में बल्ले दिये थे। गुरबाज ने इस मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। इस बल्लेबाज ने जबरदस्त शॉट लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बल्लेबाजी के दौरान वह निडर दिखे। इस मैच का परिणाम दो सुपर ओवरों में निकला अफगान टीम को हार जरुर झेलनी पड़ी पर गुरबाज ने दिल जीत लिया।

सोशल मीडिया पर सब सच नहीं होता

साउथ स्टार धनुष के साथ शादी की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। खास बातचीत में मृणाल ने साफ कहा कि सोशल मीडिया और खबरों में चल रही चर्चाओं से अब उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन पहले इन बातों का असर होता था। मृणाल ने कहा, 'यह अंदर की दुनिया है और बाहर की दुनिया का अपना एक अलग परसेप्शन होता है। कभी मुझे पता चलता है कि मेरी शादी होने वाली है, कभी सुनने को मिलता है कि यह होने वाला है, वह होने वाला है। मैं खुद इन बातों से वाकिफ नहीं होती थी। पहले इन सबसे बहुत फर्क पड़ता था, लेकिन अब मैं इन पर हंसती हूं।' उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें अपनी निजी जिंदगी या किसी खास बात की जानकारी देनी होगी, तो वह खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा करेंगी।

मृणाल ठाकुर ने कहा- 'अफवाहें खबर नहीं होतीं। एक पत्रकार के रूप में यह जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले मुझसे या मेरी टीम से पुष्टि की जाए।' मृणाल ने बताया कि पहले उनकी कोई पीआर टीम नहीं थी, लेकिन बार-बार फैल रही गलतफहमियों और अफवाहों के कारण उन्हें पीआर टीम रखनी पड़ी।

एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि कई फिल्मों से उनका नाम जोड़ दिया जाता है, जबकि उन्हें उन प्रोजेक्ट्स के लिए संपर्क तक नहीं किया गया होता। बाद में खबरें आती हैं कि मैंने ज्यादा फीस मांग ली, इसलिए फिल्म नहीं की। मृणाल ठाकुर ने सवाल उठाते हुए कहा- ''ये बातचीत कहां हो रही है? क्यों हो रही है? किसी कलाकार की छवि खराब क्यों की जा रही है? जब कोई तथाकथित प्रामाणिक अफवाह चल रही हो, तो क्या एक बार संबंधित कलाकार से पूछ लेना जरूरी नहीं समझा जाता?' मृणाल ने वायरल खबरों और भ्रामक शीर्षकों पर भी नाराजगी जताई। मृणाल ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि ध्यान मेरे काम पर हो। मैं किसी और का नाम लेकर आगे बढ़ने में विश्वास नहीं करती। यह मैं नहीं हूं।' उन्होंने बातचीत के अंत में यह भी कहा कि फिल्म और किरदारों पर चर्चा होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि सोशल मीडिया पर जो दिखता है, वह हमेशा सच नहीं होता। धनुष संग शादी की अफवाहों के बीच मृणाल का यह बयान साफ करता है कि वह अपनी निजी जिंदगी से ज्यादा अपने काम के जरिए पहचानी जाना चाहती हैं।

नेटिजेंस के कमेंट को क्रिएटिव रिव्यू मानती हैं शनाया

अभिनेत्री शनाया कपूर ने पिछले साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है। अपने डेब्यू के बाद से ही शनाया लगातार ट्रोलर्स के भी निशाने पर बनी हुई हैं। उनकी एक्टिंग से लेकर उनके दुबले-पतले शरीर और जॉ लाइन तक को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। अब इन ट्रोलिंग पर शनाया ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि किस हद तक इस तरह की ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है।

मैं हमेशा कमेंट पढ़ती हूं

बातचीत में शनाया ने अपनी ट्रोलिंग को लेकर कहा कि मैं हमेशा कमेंट सेक्शन पढ़ती हूं। मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह के कमेंट होते हैं। अगर यह मेरे काम से जुड़ा है, अगर यह मेरे डांस या परफॉर्मेंस पर फीडबैक है, तो चाहे वह कितना भी नकारात्मक हो, चाहे उसे कठोर लहजे में कहा गया हो, मैं उसे क्रिएटिव फीडबैक के रूप में लेती हूं। इसलिए क्योंकि यह मेरे दर्शकों के प्रति मेरा कर्तव्य है। उनकी बात सुनना मेरा फर्ज है। हो सकता है कि इसे अच्छे तरीके से न कहा गया हो और यह थोड़ा चुभ सकता है, लेकिन यह एक तरह से वास्तविकता का एहसास दिलाता है।

रूप-रंग से जुड़े कमेंट को करती हूं इग्नोर

शनाया ने आगे कहा कि वह इसे ट्रोलिंग नहीं मानतीं, बल्कि क्रिएटिव रिएक्शन की तरह देखती हैं। मैं दर्शकों के लिए यहां हूं। अगर मुझे पता ही नहीं चलेगा कि वे मेरे बारे में कैसा महसूस कर रहे हैं, और मैं उससे भागती रहूंगी, तो मैं ऐसा कैसे कर पाऊंगी? इसीलिए मुझे अक्सर ऐसी बातें सुननी पड़ती हैं। लेकिन अगर यह मेरे रूप-रंग, मेरे चेहरे, या आज मैं कुछ ज्यादा पतली लग रही हूं, या मेरा जॉ लाइन थोड़ी अजीब है, जैसी बातों से संबंधित है, तो मैं निश्चित रूप से उन्हें नजरअंदाज कर देती हूं। लेकिन हां, यह स्वीकार करना बहुत जरूरी है कि कभी-कभी इससे दुख हो सकता है। जब आप इससे भागते हैं, तो यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से थोड़ा मुश्किल हो जाता है।

'तू या मैं' में नजर आएंगी शनाया

वर्कफ्रंट की बात करें तो शनाया ने पिछले साल 'आखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इन दिनों वो अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' के प्रमोशन में व्यस्त हूं। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव प्रमुख भूमिका में नजर आ रहे हैं। 'तू या मैं' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी और नाना पाटेकर की फिल्म 'ओ रोमियो' से होगा।

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया साइन

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- 'लव नो भवाड़ो' और '3 चक्करम' में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।

इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, 'इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी।'' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, ''वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी।' इशिका तोरिया के नए म्यूजिक और एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में राघव जुयाल की हुई एंट्री

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली रणबीर कपूर की 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगाार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब फिल्म में मेघनाद के रोल के लिए एक नए अभिनेता का नाम सामने आया है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है और इसे अब तक की बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म भी बताया जा रहा है। फिल्म के प्रमुख किरदार तो पहले से ही तय हैं, जिनमें रणबीर कपूर (राम), यश (रावण), साई पल्लवी (सीता), रवि दुबे (लक्ष्मण) और सनी देओल (हनुमान) के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन इसके अलावा फिल्म की कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। जानिए मेघनाद के लिए किस एक्टर के नाम की हो रही है चर्चा?

राघव जुयाल की हुई एंट्री

एक रिपोर्ट के मुताबिक, राघव जुयाल अब नितेश तिवारी की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। रणवीर कपूर, साई पल्लवी और यश इस फिल्म में प्रमुख भूमिकाएं निभाएंगे। वहीं राघव जुयाल इस फिल्म में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में पसंद किया गया राघव का किरदार

राघव जुयाल को साल 2023 में आई फिल्म 'किल' में काफी पसंद किया गया था। इसके बाद वो पिछले साल आए आर्यन खान के डेब्यू शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में भी नजर आए थे। इसमें एक बार फिर राघव ने अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। अब राघव अपने एक्टिंग करियर को एक लेवल ऊपर ले जाने वाले हैं। अब वो साउथ की फिल्म में भी नजर आएंगे।

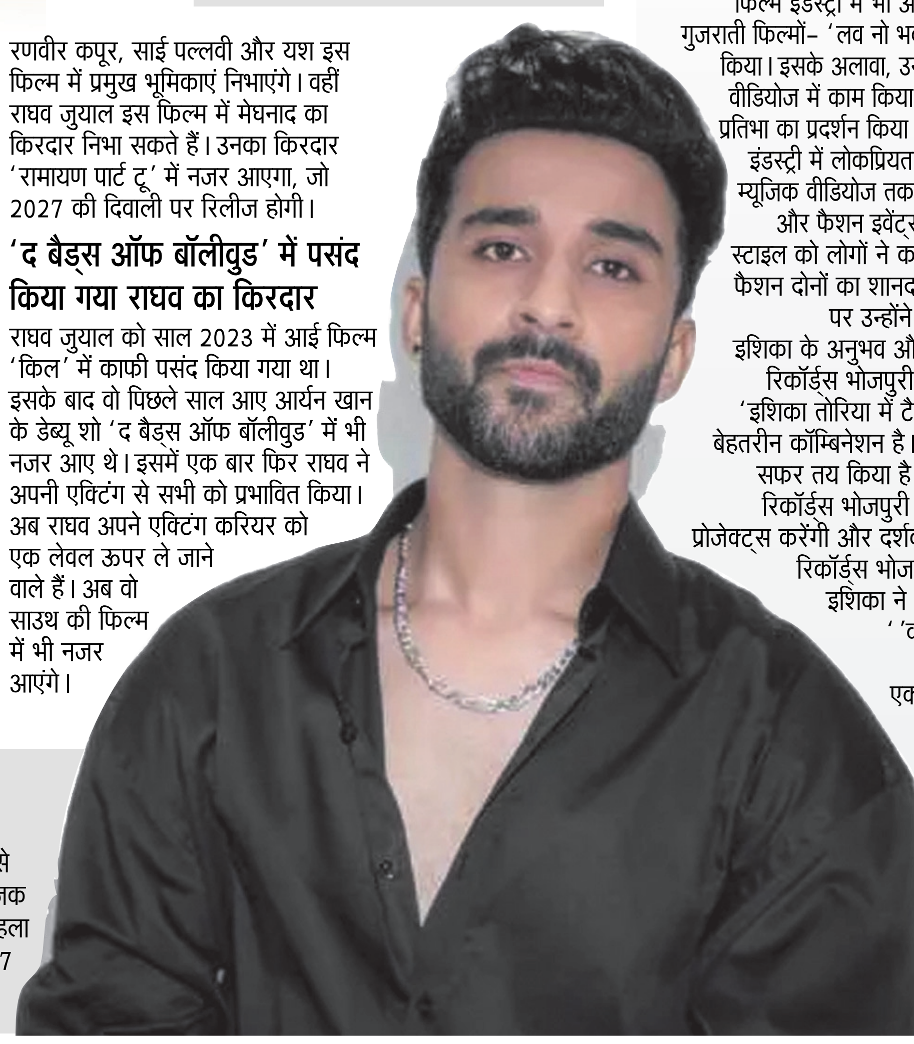

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आंएगे। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म का दूसरा भाग 2027 दिवाली पर रिलीज होगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर की खुलकर बात

अपनी आगामी तथा चर्चित फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बेहद निजी और भावनात्मक पहलू साझा किया है। उत्तर प्रदेश के बलिया में पले-बढ़े सिद्धांत ने अपनी जड़ों, भोजपुरी भाषा और मुंबई आने के बाद भाषा व आत्मविश्वास से जुड़ी उन खामोश चुनौतियों पर खासखबर के साथ खुलकर बात की, जिनका सामना अक्सर बाहर से आने वाले युवाओं को करना पड़ता है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सिद्धांत ने बताया कि बलिया में बिताया गया बचपन न सिर्फ उनके उच्चारण बल्कि उनकी सोच का भी अहम हिस्सा रहा है। श को स कहने के बारे में वे कहते हैं, 'घर में बातचीत की भाषा भोजपुरी थी और आज भी मेरी मां भगवान शिव को प्यार से 'संकर भगवान' कहती हैं।' हालांकि सिद्धांत के लिए ये सिर्फ यादें नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव हैं, जो 'दो दीवाने सहर में' की स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त और गहरे हो गए थे। खासखबर से बातचीत में सिद्धांत आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह हमेशा से काफी पर्सनल रहा है। जब मैं मुंबई आया, तो पहले पांच-छह साल मेरी हिंदी भी टूटी-फूटी थी। मैं भोजपुरी में ही बात करता था।' उन्होंने यह भी बताया कि भाषा किस तरह धीरे-धीरे आत्मविश्वास को प्रभावित करती है, खासकर तब, जब आप अपनी क्षेत्रीय पहचान के साथ किसी बड़े शहर में कदम रखते हैं। हालांकि टूटी हिंदी में बात करना, धीरे-धीरे अंग्रेज़ी सीखना और 'स' व 'श' जैसे उच्चारणों को लेकर सजग होना, ये सब ऐसी बातें हैं, जिनसे कई लोग गुजरते हैं, लेकिन कम ही खुलकर बोलते हैं।

'बात यह नहीं है कि आप यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, नॉर्थ-ईस्ट या नेपाल से आते हैं, बात ये है कि भाषा की दीवार होती ही है। और जब आप किसी चीज़ को लेकर कॉन्शस हो जाते हैं, तो वह आपके आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।' सिद्धांत ने कहा। गौरतलब है कि बेहद भावुकता के साथ कहे अपने दिल की बात को और भी मानवीय बना देती है सिद्धांत की ईमानदारी, जिसमें उन्होंने सीखने और खुद को ढालने की प्रक्रिया को बिना किसी दिखावे के स्वीकार किया।

उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने बिना किसी औपचारिक ट्रेनिंग के, जीवन के अनुभवों से बोलचाल सुधारी। यहां तक कि फर्राटेदार अंग्रेज़ी बोलनेवाली चेन्नई की लड़की के साथ पहली बार प्यार में पड़ना भी उनके लिए भावनात्मक ही नहीं, भाषाई सीख का भी हिस्सा था। हालांकि उनकी सच्ची और बिना बनावट की बातों ने 'दो दीवाने शहर में' में उनके किरदार को और गहराई दी है, जहां भावनात्मक संवेदनशीलता और सच्चाई कहानी का केंद्र है।

घर की भोजपुरी बातचीत से लेकर हिंदी सिनेमा में अपनी आवाज़ खोजने तक का सिद्धांत का सफर उन अनगिनत युवाओं की कहानी है, जो सपनों के साथ एक शहर से दूसरे शहर आते हैं। दिलचस्प बात ये है कि भाषा, पहचान और आत्मविश्वास पर बिना किसी चमक-दमक के बात करते हुए सिद्धांत चतुर्वेदी एक बार फिर साबित करते हैं कि दर्शक उनसे इसलिए जुड़ाव महसूस करते हैं क्योंकि वे खुद एक ऐसे कलाकार के रूप में उनसे जुड़ते हैं, जिनकी यात्रा बनावटी नहीं, बल्कि सच्ची, मेहनत से अर्जित की गई और गहराई से भारतीय है।

अपने साथी की तारीफ करना रिश्ते की ताजगी को बरकरार रखता है। तो आप भी इसे आजमाइए और अपने रिश्ते की मिठास को हमेशा बनाए रखिए। डॉक्टरों का भी मानना है कि रिश्तों में तारीफ कई झगड़ों और झगड़े की वजहों को जड़ से मिटा देती हैं।

तारीफ के दो शब्द रिश्तों को देते हैं नई जिंदगी

एक-दूसरे की छोटी-छोटी बातों का खयाल रखना और हर अच्छी बात पर तारीफ करना, आपके रिश्ते की ताजगी को हमेशा बनाए रखता है। ऐसा वे लोग कह रहे हैं जो सालों से इस अदा को अपनाए हुए हैं। उन्हें लगता है कि अपने साथी की तारीफ करना रिश्ते की ताजगी को बरकरार रखता है। तो आप भी इसे आजमाइए और अपने रिश्ते की मिठास को हमेशा बनाए रखिए। डॉक्टरों का भी मानना है कि रिश्तों में तारीफ कई झगड़ों और झगड़े की वजहों को जड़ से मिटा देती हैं।

मशहूर नाट्य कलाकार, निर्देशक और अभिनेता ने बताया कि रिश्ते की जिंदादिली को बनाए रखना है तो तारीफ बहुत जरूरी हैं। अगर आप एक अच्छी बात पर तारीफ करने से चूकते हैं तो आप अपने साथी के चेहरे पर एक मुस्कुराहट देखने से भी चूक जाते हैं। आपकी एक तारीफ आपके साथी में दोबारा काम करने की ऊर्जा और स्फूर्ति भर देता है। मैं अपने जीवन में यह मौका कभी नहीं चूकता। शायद यही वजह है कि आज शादी के 32 साल बाद भी हमारे रिश्ते की मिठास बरकरार है।

मनोविशलेषक का कहना है, अपनी तारीफ सुनना सभी को पसंद होता है। मगर जब रिश्तों की बात हो तो उसमें तारीफ कमाल कर सकती हैं। एक-दूसरे की किसी भी अच्छी बात की तारीफ करने से आपके साथी को पता चलता है कि आपको उसके बारे में क्या पसंद आया या फिर आप उसे कैसे देखना या उसकी किन आदतों को पसंद करते हैं। ऐसा करने से सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि दोनों में पसंद-नापसंद को लेकर झगड़े नहीं होते। आप खुद ही उसको पसंद न आने वाली आदतों को छोड़ने की कोशिश करने लगते हैं। 80 वर्षीय उर्मीला राय ने बताया कि मेरी शादी

को इस साल जून में 63 साल हो जाएंगे। मगर आज भी हमारे रिश्ते में वहीं मिठास है जो शादी के कुछ सालों बाद थी। इसकी सिर्फ एक ही वजह है, हमने हमेशा एक-दूसरे की अच्छी बातों की खुलकर तारीफ की है। हम दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हमारी तारीफ में अच्छी बातों से लेकर मेरे बनाए खाने, मेरी साड़ी और बच्चों के लिए की गई शॉपिंग भी शामिल होती है। मैं भी उनकी तारीफ करती हूं। अपने 63 साल की शादीशुदा जिन्दगी में मैंने यह तो जान ही लिया है कि एक-दूसरे की तारीफ करना आपके रिश्ते के मैजिक को बनाए रखता है। आप हमेशा खुद को खुश और तरो ताजा महसूस करते हैं।

उर्मीला राय के पति अनिरुद्ध प्रसाद राय का कहना है, एक-दूसरे की तारीफ करना और इस तारीफ की अपने रिश्ते में अहमियत मैंने उर्मीला से सीखी। वह हमेशा मेरे छोटे से छोटे काम की भी तारीफ करती है। शुरू से आज तक जब भी मैं बच्चों के लिए कोई छोटे से छोटा काम भी करता हूं तो वह मेरी तारीफ जरूर करती है। उस वक्त मुझे ऐसा लगता है जैसे इस काम को करने में लगी मेरी सारी मेहनत सफल हो गई। मैं दोबारा काम करने की ताकत महसूस करने लगता हूं। यह बात बिल्कुल 16 आने सच है कि तारीफ रिश्तों की मिठास को जिंदा रखती हैं। डॉक्टर राकेश का कहना है, तारीफ यानी कॉम्प्लीमेंट रिश्तों में मिठास घोलने का काम करती हैं। पूरे दिन काम करने के बाद जब आपका साथी आपके उस काम की तारीफ करता है तो ऐसा लगता है जैसे सारी मेहनत सफल हो गई। इसलिए अगर आप अपने साथी की तारीफ करने में कंजूसी करते हैं या फिर यह सोचते हैं कि ठीक है उसने अच्छा काम किया है तो अपनी इस सोच को बदलें। एक बार दिल से उसकी तारीफ करके देखें आपके रिश्ते में भी मिठास का जादू घुल जाएगा।

परफेक्ट ब्राइड

हर इंसान सबको अपनी तरफ आकर्षिक करना चाहता है खासतौर पर लडकियां। लडकियां सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ करती हैं। हर लड़की अच्छे तरीके से सजती-संवरती हैं। हर लड़की यह जानने के लिए उत्सुक रहती है कि लड़के उनमें कौन सी बातों को पसंद करते हैं।

- ***हंसमुख:*** हंसमुख इंसान को हर कोई पसन्द करता है। पुरूष भी ऐसी महिलाओं को ज्यादा पसंद करते हैं जो हंसमुख हों। इसलिए हमेशा खुशमिजाज रहें। यदि आप किसी दोस्त के साथ हों और माहौल मजाकिया हो तो आपको भी उसी अंदाज में रहना चाहिए।
- ***समझ:*** समझदार इंसान को हर कोई पसंद करता है। जितनी आप समझदार होगीं आप अपने साथी से उतना ही अधिक प्यार पाएंगी। पुरूष चाहते है कि महिलाएं उनकी बातों को ध्यान से सुने और समझे। यही बात पुरूषों को आपके प्रति इमोशनल बनाता है।
- ***इंटेलिजेंट:*** इंटेलिजेंसी एक ऐसा गुण है, जिससे पुरूष ताउम्र प्रभावित रहते हैं। पुरूषों को इंटेलिजेंट महिलाएं ज्यादा लुभाती हैं।
- ***मधुर वाणी:*** मधुर वाणी हर किसी को प्रभावित करती है। कडवे बोल नहीं बोलने चाहिए और ना ही तानों में बात करनी चाहिए। मीठी और मधुर आवाज से आप सबको अपनी और आकर्षित कर सकती हैं।
- ***फिट रहिए:*** हर व्यक्ति को अपने आप को फिट रखना चाहिए। बेडौल महिलाएं पुरूषों को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पातीं। शरीर का सुडौल होना जहां आपको स्वस्थ रखता है वहीं पुरूष भी आपकी ओर आकर्षित होते है।
- ***ऊर्जावान:*** हर समय एनर्जेटिक रहकर आप अपने साथी और अपने ससुरालवालों को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं। मेहमानों के सामने आपसे गर्मजोशी की उम्मीद की जाती है और इससे मेहमान भी प्रभावित होते हैं।
- ***स्वादिष्ट खाना:*** प्यार का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। यह कहावत बिल्कुल सही है। आप अपने स्वादिष्ट खाने से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं। यदि आप अपने परिवार का पसंदीदा खाना स्वादिष्ट बनाकर उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।
- ***सामाजिक होना:*** हर पुरूष चाहता है कि उसकी पत्नी सोशल हो। वह घर आए मेहमानों और घरवालों से तहजीब से पेश आएं और उनकी यथोचित आवभगत करें ताकि उनकी प्रतिष्ठा बनी रहें। सोशल या सामाजिक होने से आपका व्यक्तित्व आपके पति की नजरों में और भी ज्यादा सम्माननीय हो जाएगा।
- ***समर्पण:*** समर्पण की उम्मीद हर पुरूष रखता है। समर्पित महिलाएं पुरूषों द्वारा बहुत पसंद की जाती हैं। समर्पण की भावना और गुण से आप अपने पति और परिवार को अपनी तरफ आकर्षित कर सकती हैं।
- ***सामंजस्य:*** हर रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए उसमें सामंजस्य का होना बहुत जरूरी है। एक दूसरे से तालमेल बैठाकर चलना, एक दूसरे की परेशानियों को समझना और कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली स्त्रियों को पुरूष बहुत पसंद करते हैं।

ऊपर बताए गए सभी गुण और बातों को अपनाकर और उन्हें अपने जीवन में ढालकर आप सबकी चहेती बन सकती हैं।

कसरत के लाभ

बच्चों में मोटापा बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। इसके लिए उनका दिन भर टीवी के सामने डटे रहना भी काफी हद जिम्मेदार है। हालिया शोध के मुताबिक नियमित कसरत करने और टीवी को कम

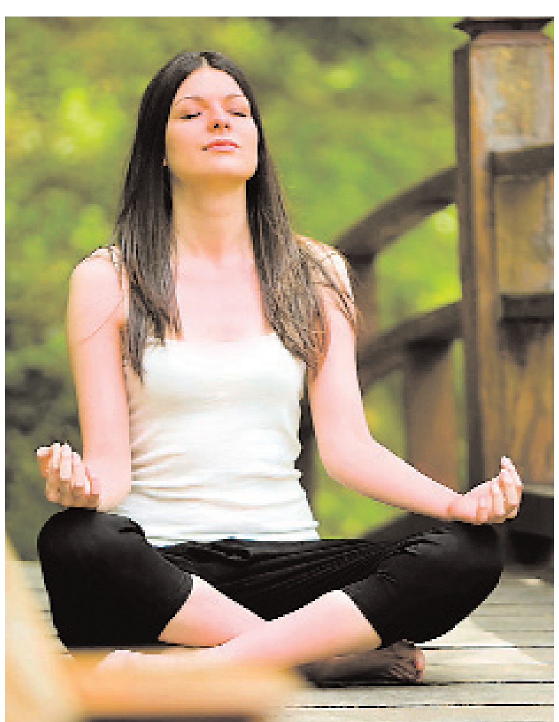

वक्त देने से बच्चे चुस्त-दुरुस्त रह सकते हैं।

अमेरिकन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स ने बच्चों को दिन भर में केवल दो घंटे ही टीवी देखने या वीडियो गेम्स खेलने की सलाह दी है। विशेषज्ञ अच्छी सेहत के लिए लड़कों को प्रतिदिन 13 हजार और लड़कियों को 11 हजार कदम चलने की सलाह देते हैं। किशोरों को रोजाना एक घंटे शारीरिक कसरत से जुड़े काम करने की सलाह दी जाती है।

आयोवा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के दौरान 709 स्कूली बच्चों की टीवी देखने और वीडियो गेम्स खेलने संबंधी आदतों का विश्लेषण किया। इस दौरान कसरत और टीवी देखने संबंधी सुझावों पर अमल करने वाले और नहीं करने वाले बच्चों के वजन की जांच की गई। बच्चों की शारीरिक गतिविधियों को जांचने के लिए उन्हें पेडोमीटर नामक उपकरण पहनाया गया। लड़कों द्वारा दिन में चले गए 13 हजार और लड़कियों द्वारा 11 हजार कदम को जरूरी कसरत के बराबर माना गया।एक शोधकर्ता के मुताबिक किशोरावस्था में कसरत और टीवी के सामने सीमित वक्त गुजार कर काफी हद तक ओवरवेट होने की समस्या से बचा जा सकता है।

बातूनी कौन!

आमतौर पर महिलाओं को बातूनी के खिताब से नवाजा जाता है। लेकिन पिछले दिनों आई एक स्टडी बताती है कि महिलाओं के मुकाबले पुरुष ज्यादा बातूनी होते हैं और वे क्लैरिटी से अपनी कह भी नहीं पाते। जानते हैं, इस बारे में लोग क्या कहते हैं

क्या आप यह देखकर हैरान हैं कि आपकी हाउसिंग सोसायटी के एक सज्जन ने सोसायटी रिलेटेड गॉसिप्स में महिलाओं को भी फेल कर दिया? या फिर आपका बेस्ट फ्रेंड 10 मिनट की स्पीच देने के बावजूद आपको यह समझाने में कामयाब नहीं हो पाया कि आखिर वह क्या कहना चाहता है? अगर आप इसकी वजह के बारे में सोच रही हैं, तो एक स्टडी के रिजल्ट्स इस बारे में आपको काफी कुछ बता सकते हैं।

दरअसल, पिछले दिनों हुई एक स्टडी में बताया गया है कि भले ही महिलाओं को बातूनी कहा जाता है, लेकिन असलियत में पुरुष महिलाओं के मुकाबले ज्यादा बातें करते हैं। कई बार तो वे सिर्फ बात करने के लिए ही बात करते हैं, भले ही उसका कोई मतलब न हो। वैसे, ऐसा वह इसलिए करते हैं, क्योंकि महिलाओं के मुकाबले वे अपनी बातों को बेहतर तरीके से प्रजेंट नहीं कर पाते।

क्या महिलाएं इन नतीजों से सहमत हैं? मॉडल और एक्ट्रेस तन्वी व्यास इस पर मिक्स्ड रिएक्शन देती हैं। वह कहती हैं, अपने प्रफेशन के चलते मैं तमाम तरह के पुरुषों से मिल चुकी हूं और मेरे लिए उन सबको कैटिगरीज में बांटना काफी मुश्किल है। उनमें से कुछ काफी इंटोंवर्ट हैं, तो कुछ कम बोलते हैं। वहीं, ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो बहुत बोलते हैं और बोलने का उनका अंदाज भी जबर्दस्त है। वे अपनी बातों से दूसरे को आसानी से इंप्रेस कर सकते हैं। मेरे आने वाली फिल्म में मेरा एक को-स्टार इतना बोलता है कि उसे देखकर सभी हैरान रह जाएं। ज्यादा बोलने वाली लड़कियां तक उसके आगे कहीं नहीं ठहरती हैं।

तन्वी को भले ही ज्यादा लोगों का अनुभव हो, लेकिन ऐक्ट्रेस डेलनाज पॉल इस स्टडी से पूरी तरह सही मानती हैं। वह कहती हैं, माना जाता है कि महिलाएं पीठ पीछे लोगों की बुराई करती हैं। लेकिन मेरा मानना है कि पुरुष महिलाओं से ज्यादा गॉसिप करते हैं। यही नहीं, महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अपनी बातों को बेहतर तरीके से एक्सप्रेस कर लेती हैं। फिर बातचीत के दौरान वे इस बात का ज्यादा ख्याल रखती हैं कि वे किस बारे में बात कर रही हैं। और अगर बात कॉम्प्लिमेंट देने की करें? तन्वी कहती हैं, ज्यादातर पुरुष कॉम्प्लिमेंट देने के मामले में अच्छे नहीं होते। यही नहीं , कुछ पुरुष तो शायद ही कभी किसी को कॉम्प्लिमेंट देते हैं। मैं यह नहीं कहती कि पुरुष खुद को एक्सप्रेस करने के

क्या आप यह देखकर हैरान हैं कि आपकी हाउसिंग सोसायटी के एक सज्जन ने सोसायटी रिलेटेड गॉसिप्स में महिलाओं को भी फेल कर दिया? या फिर आपका बेस्ट फ्रेंड 10 मिनट की स्पीच देने के बावजूद आपको यह समझाने में कामयाब नहीं हो पाया कि आखिर वह क्या कहना चाहता है? अगर आप इसकी वजह के बारे में सोच रही हैं, तो एक स्टडी के रिजल्ट्स इस बारे में

मामले में बेहतर नहीं होते , क्योंकि हर व्यक्ति का अपना नेचर होता है। जबकि डेलनाज कहती हैं, ज्यादातर पुरुष कॉम्प्लिमेंट नहीं करते और उनकी बातों में क्लैरिटी भी नहीं होती। हालांकि टीवी ऐक्टर विपुल रॉय तन्वी व डेलनाज से कुछ अलग राय रखते हैं। उनके हिसाब से पुरुषों के पास बातचीत का जबर्दस्त हुनर है। वह कहते हैं , मेरे ख्याल से कॉम्प्लिमेंट देने के मामले में पुरुष जबर्दस्त होते हैं। आखिर इसी तरह तो वे लड़कियों का दिल जीतते हैं। उनके पास बेहतरीन ह्यूमर और बोलने का अंदाज होता है। आप खुद ही सोचिए कि अगर उनमें ये सब खूबियां नहीं होंगी, तो क्या आजकल की इंटेलिजेंट लड़कियां उन्हें पसंद करेंगी? वैसे , विपुल का यह भी मानना है कि पुरुषों के ज्यादा बोलने में कोई बुराई है। बकौल विपुल आजकल सभी अपनी क्वॉलिटीज को दूसरे के सामने पेश करना चाहते हैं। अगर मैं किसी टॉपिक पर ज्यादा जानकारी रखता हूं, तभी तो मैं उसके बारे में खुलकर बातचीत करूंगा।

ऐसे में यह मैटर नहीं करता कि मैं कितने शब्द बोल रहा हूं। यही नहीं, विपुल महिलाओं को भी बेहद होशियार मानते हैं। उनका कहना है कि महिलाएं ऐसे इंसान को कतई पसंद नहीं करतीं ,जिसके थॉट्स में क्लैरिटी न हो। हालांकि उनकी मानें, तो गॉसिपिंग भी महिलाएं भी ज्यादा करती हैं। कॉलेज स्टूडेंट राहुल जोशी कहते हैं। यह कहना मुश्किल है कि महिला और पुरुषों में से कौन ज्यादा बातूनी है। मैंने ऐसे कई लोग देखें , जो एक बार बोलना शुरू दें , तो किसी को भी बोर कर सकते हैं। वहीं इस मामले में महिलाएं भी कम नहीं होतीं। वैसे ,चटपटी गॉसिपिंग तो सभी को पसंद होती है और मेरा मानना है कि महिलाएं इसके चटकारे ज्यादा लेती हैं।